



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३२] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त ७, १९७६ (श्रावण १६, १८९८)

No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 7, 1976 (SRAVANA 16, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च स्थायालयों, नियंत्रक और भारत संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 जून 1976

सं० ए० 11013/2/74—प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतदद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री जी० बी० माथुर को जो इस समय भर्ती नीति एवं चयन पद्धति समिति में अनुसंधान सहायक के पद पर तदर्थे आधार में कार्य कर रहे हैं, आयोग के कार्यालय में 7-6-76 (पूर्वाह्न) से 31-7-76 तक, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थे आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री माथुर की नियुक्ति अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के काठौं शा० सं० एफ० 10 (24) ई III/60 दिनांक 4-5-81 में निहित शर्तों के अनुसार होगा।

सं० ए० 11013/2/74-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 6-9-75 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतदद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय

1-186GJ/76

सचिवालय सेवा संबंध के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों/सहायकों को आयोग के कार्यालय में 1-3-76 से प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थे आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं :—

अम सं०	नाम	अवधि	के० स० से संबंध में पद
--------	-----	------	---------------------------

सर्वश्री

1. बी० एस० रियात पांच मास अनुभाग अधिकारी
2. बी० एस० जगोपोता —वही— अनुभाग अधिकारी
3. जे० पी० गोयल —वही— अनुभाग अधिकारी
4. एस० श्रीनिवासन —वही— अनुभाग अधिकारी
5. आर० एन० खुराना —वही— अनुभाग अधिकारी
6. एस० के० प्ररोड़ा —वही— सहायक
7. एच० आर० ऋषिराज तीन मास अनुभाग अधिकारी

2. उपर्युक्त अधिकारियों की नियुक्ति अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के कांडा० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)-ई०III/60 दिनांक 4-5-61 में निहित शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

बी० एस० जौली अवर सचिव,
कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011, दिनांक 2 जून 1976

सं० ए० 12019/5/74-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एटद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कें० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी, ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एम० एस० छाबड़ा को आयोग के कार्यालय में 2-6-76 से 31-8-76 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, दोनों में जो भी पहले हो कनिष्ठ विशेषज्ञ के पद पर, तदर्थे आधार पर, स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री छाबड़ा कनिष्ठ विशेषज्ञ के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर बने रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय का० ज्ञा० सं० फा० 10 (24)-ई०III/60, दिनांक 4 मई, 1961 में निहित उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव, कृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 मई, 1976

सं० ए० 32013/2/75-प्रशासन-1—संघ लोक सेवा आयोग में कें० स० से० संवर्ग की स्थायी अनुभाग अधिकारी कुमारी एस० टी० केसवानी को, जिन्हें 1-3-76 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक कें० स० से० के ग्रेड I में कार्यकारी तथा प्रशासनिक सुप्रार विभाग (मंत्रिमंडल सचिवालय) की अधिसूचना सं० 4-19/76-सी० एस० (I) दिनांक 10-5-76 द्वारा स्थानापन्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, उसी तारीख से आगामी आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर स्थानापन्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० O.II-1042/76-स्थापना--- महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर निभारण मोहन्ती की तदर्थे रूप में केवल

3 माह के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको 23-5-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर निभारण मोहन्ती को 23 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक, निदेशक प्रशासन

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1976

सं० ए० 38/11/75-बेतार—श्री श्री० के० दास गुप्ता, तदर्थे आधारित अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेख) ने समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में अपनी स्थायी नियुक्ति 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-र०-40-1200/-रूपये के वेतनमान पर अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेख) के पद का कार्यभार आगामी आदेश तक दिनांक 7 जून, 1976 के पूर्वाह्न में सभाला।

सं० ए० 38/11/75-बेतार—श्री पी० एल० हार्डिंग, बीज लेख सहायक ने समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में अपनी स्थायी नियुक्ति 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200/-रूपये के वेतनमान पर अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेख) के पद का कार्यभार आगामी आदेश तक दिनांक 18 जून, 1976 के पूर्वाह्न में सभाला।

सं० ए० 38/15/75-बेतार—श्री के० वी० भांड ने समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में अपनी स्थायी नियुक्ति 650-30-7-840-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान पर अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार आगामी आदेश तक दिनांक 24 जून, 1976 के पूर्वाह्न में सभाला।

छत्रपति जोशी,
निदेशक,
पुलिस दूरसंचार।

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक

सं० पी०/एस०/(9)-प्रशा० एक—सिंचार्ड मंत्रालय, कृषि विभाग में वरिष्ठ मूल्यांकन अधिकारी के पद पर नियुक्ति के लिए चुने जाने के परिणामस्वरूप भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड 4 के अधिकारी श्री सुनील कुमार सिंहा ने भारत के महा पंजीकार के कार्यालय में 22 जून, 1976 के अपराह्न से अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बद्री नाथ,
भारत के उप-महापंजीकार और
भारत सरकार के पदेन उप-सचिव।

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 30 जून 1976

सं० 521/ए०—श्री आर० डी० कुलकर्णी प्रशासन अधिकारी, जिनकी प्रशासन अधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्त की वर्तमान अवधि 30 जून, 1976 को समाप्त होती है देखिये अधिसूचना सं० 449/ए० दिनांक 15 जून, 1976, अब 1 जुलाई से अनुभागीय अधिकारी के अपने मूल पद पर पदावनत किये जाते हैं।

दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० 551/ए०—श्री एस० टी० पवार, निम्नांकित अधिकारी को चलार्थ-पत्र मुद्रणालय में (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित पद) उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000 ई०-बी०-40-1200 में श्री एस० व्ही० चांदबडकर उप नियंत्रण अधिकारी के छुट्टी में दिनांक 28-6-76 से नियुक्त किया जाता है।

सं० 552/ए—दिनांक 23-4-76 के अम में श्री डी० पी० जांबोटकर को खरीद अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में उन्हीं शर्तों के साथ 30-9-76 तक नियुक्त करते हैं।

एन० रामसूर्ति
ज्येष्ठ उप महाप्रबन्धक

बैंक नोट मुद्रणालय, देवास

देवास, दिनांक 3 जुलाई 1976

फा० सं० बी० एन० पी० ई०/एम०/8—9 जुलाई, 1975 से बैंक नोट मुद्रणालय देवास में तदर्थ रूप से स्थानापन्न उप-नियंत्रण अधिकारी श्री एस० के० माथुर, स्थायी नियंत्रण निरीक्षक को 3 जुलाई, 1976 (अपराह्न) से नियंत्रण निरीक्षक के पद पर पुनः स्थापित किया जाता है।

दिनांक 13 जुलाई 1976

फा० सं० बी० एन० पी० ई०/एम०/8—श्री एस० के० माथुर स्थायी नियंत्रण निरीक्षक को बैंक नोट मुद्रणालय में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से 13 जुलाई, 76 से तीन माह की अवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मुखर्जी
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार, केंद्रीय राजस्व
नई दिल्ली, दिनांक 6/14 जुलाई 1976

प्रशासन I/कार्यालय आदेश 342/5-5/पदोन्नति/76-77/1033—श्रीमान महालेखाकार केंद्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थायी अनुभागाधिकारी श्री राम सिंह को 1-8-76 (पूर्वाह्न) से समय वेतनमान रु० 840-1200 में लेखाधिकारी के रूप में अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त करते हैं।

एच० एस० दुर्गल,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार : द्वितीय, मध्य प्रदेश
ग्वालियर, दिनांक

सं० प्रशासन-6/डी० जी० प०/687—श्री डी० जी० पटवर्धन, स्थानापन्न लेखा अधिकारी कार्यालय महालेखाकार भ० प्र० II ग्वालियर, अधिवार्षिकी वय, प्राप्त होने पर दिनांक 30 जून, 1976 अपराह्न से, शासकीय सेवाओं से, सेवा निवृत हुए।

एम० एम० नरसिंहानी,
उप महालेखाकार(प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवन्नतपुरम, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० स्थापना प्र० /VII/9-86/जिल्द 11/90—महालेखाकार केरल निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारयों (लेखा और लेखा परीक्षा) को स्थानापन्न रूप से इसी कार्यालय में लेखा अधिकारियों के पद में नियुक्त करते हैं। उनके नाम के आगे लिखी तारीख से अगले आदेशों तक पदोन्नति लागू रहेगी।

1. श्री बी० शिवरामकरन नायर—7-7-76 अपराह्न
2. श्री टी० एस० रामचन्द्रन नायर—7-7-76 अपराह्न

आर० एस० आयर
उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, जम्मू व काश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 8 जुलाई 1976

महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य—श्री पी० एन० भट्ट (जन्म दिवस 30-1-1922) को 2 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

आर० चंद्रसेकरण
वरिष्ठ उप महालेखाकार
अधिकरण व प्रशासन

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश-I

हैदराबाद-50004, दिनांक 9 जुलाई 1976

श्री ए० सुम्माराव लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय
आंध्र प्रदेश I/II में सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-5-76 अपराह्न ।

श्री पी० सत्यनारायण लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश I/II में सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 30-6-76 अपराह्न ।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार

श्रम मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद-826001, दिनांक जुलाई 1976

सं० 2ए (2) 76-प्रशासन 1/12294—श्री राम सुरेण
सिंह को खान सुरक्षा महानिदेशालय में सहायक निदेशक के पद पर
परिवीक्षाधीन रूप से 18 जून, 1976 के अपराह्न से दो वर्षों के
लिए नियुक्त किया गया ।

श्याम शिव प्रसाद
खान सुरक्षा महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० 10(1)/73-76/सी० ए० बी० II—कापास नियंत्रण
आदेश, 1955 के खंड 5(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 10(1)/
73-74/सी० ए० बी० II दिनांक 19 दिसम्बर 1974 में
निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ अर्थात् :—

1. उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में—

- (1) क्रम सं० 1 के सामने स्तंभ 3 की विद्यमान प्रविष्टि
में “तीन मास” इन शब्दों के स्थान पर “दो मास”
ये शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।
- (2) क्रम संख्या 2 के सामने स्तंभ 3 की विद्यमान प्रविष्टि
में “साढ़े चार मास” इन शब्दों के स्थान पर “साढ़े
तीन मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किये जाएंगे ।
- (3) क्रम संख्या 3 के सामने स्तंभ 3 की विद्यमान
प्रविष्टि में “चार मास” इन शब्दों के स्थान पर
“तीन मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।

2. अनुसूची के नीचे के दूसरे परंतुक में “छः मास” इन शब्दों
के स्थान पर “साढ़े चार मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।

गौरी शंकर भार्गव
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय

श्रोदोगिक विकास विभाग

कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1976

सं० 19018/235/76 प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त
(लघु उद्योग) नई दिल्ली, लघु उद्योग सेवा संस्थान पट्टना के कार्यालय में स्थायी अधीक्षक श्री एम० एच० अस्करी को, इसी संस्थान में 1-12-75 से 14-1-76 तक के लिये, तदर्थं आधार पर, सहायक निदेशक वर्ग (2) नियुक्त करते हैं । श्री एम० एच० अस्करी ने सहायक निदेशक (वर्ग 2) के पद का कार्यभार दिनांक 1-12-75 के पूर्वाह्न से संभाला ।

वी० बैकटरायलू,
उप निदेशक (प्रशासन)

दृष्टिकोण और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 9 जुलाई 1976

सं० ए० 19012 (44)/72-स्थापना ए०—भारत गोल्ड
माइन्स लिमिटेड में सांचिकी-विद और अर्थ शास्त्री के रूप में प्रति-
नियुक्ति होने पर इस विभाग के श्री एम० बी० वी० पेरी शास्त्री,
खनिज अधिकारी (सांचिकी) ने दिनांक 6 जुलाई 1976 के
अपराह्न से खनिज अधिकारी (सांचिकी) के पद का कार्यभार
छोड़ दिया है ।

ए० के० राघवाचारी,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
के नियंत्रक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 1 जुलाई 1976

सं० 2222(के० आर० पी० आर०)/19 ए०—भारतीय
भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री
के० रघु प्रसाद राव को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, वेतन
नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-
40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई
क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 14-5-76 के पूर्वाह्न
से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है ।

दिनांक 6 जुलाई 1976

सं० 2181 (आर० के० सी०) 19/वी०—भारतीय भू-
वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री राज
कुमार खोपड़ा को सहायक रसायनज के रूप में, उसी विभाग में,
वेतन नियमानुसार 650-35-740-35-810-द० रो०-35-880-

रो०-1000-द० रो०-40-1200 रु० वे० वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 10 मई, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० 50/66(के० सी० पी० एस०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के शिफट बौस श्री के० सी०पी० सिंह को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 15 अप्रैल, 1976 के अपराह्न से मुक्त किया गया ताकि वे भारतीय खान व्युरो, हजारीबाग में खान सहायक नियंत्रक के पद का कार्यभार संभाल सकें।

बी० के० एस० वरदन
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1976

सं० 12/12/75-सतर्कता स्टाफ दो—महानिदेशक आकाशवाणी, श्री सरयू प्रसाद को 7-6-76 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से कृषि रेडियो अधिकारी के पद पर आकाशवाणी, उदयपुर में नियुक्त करते हैं।

सं० 12/9/75-सतर्कता/स्टाफ दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री देवी प्रसाद देब बर्मन को 3-6-76 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से आकाशवाणी, इमफाल में कृषि रेडियो अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

मदन लाल टंडन,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 41-107/75-डी०—डा० ई० धवन ने, सहायक औषध नियंत्रक (भारत), मद्रास, के रूप अपने तबादले के फलस्वरूप 13 फरवरी, 1976 के अपराह्न को सहायक औषध नियंत्रक (भारत), बम्बई, के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा छट्टूं और कार्य ग्रहण काल पूरा होने पर 25 मई, 1976 के पूर्वाह्न को सहायक औषध नियंत्रक (भारत), मद्रास, के पद का कार्यभार संभाल लिया।

श्री टी० एस० वेंकटरामन ने सहायक औषध नियंत्रक (भारत) बम्बई के रूप में अपने तबादले के फलस्वरूप 25 मई, 1976 के अपराह्न को सहायक औषध नियंत्रक (भारत), मद्रास के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा छट्टूं और कार्य ग्रहण काल पूरा होने पर 18 जून, 1976 के अपराह्न को सहायक औषध नियंत्रक (भारत), बम्बई के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० एस० गोयोस्कर
औषध नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1976

सं० 21/6(1)/75-सी० जी० एच० एस०-1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई के अधिन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद पर कार्य कर रही डा० (श्रीमति) किरण कोठार के इस्तीफे की मंजूरी के फलस्वरूप उन्होंने 30-6-75 (अपराह्न) को जी० डी० एस० ग्र०-२ के अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राज कुमार जिवल
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 12-10/73-एमिन०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के एक स्थायी अनुभग अधिकारी श्री बी० बे० मजुमदार ने अधिवासिकी वय की प्राप्ति पर 30 जून, 1976 के अपराह्न को पद का कार्यभार छोड़ दिया।

भूरज प्रकाश जिवल,
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय
(ग्राम विकास विभाग)

पिण्ण एवं तिरीक्षण निदेशालय
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद दिनांक 4 मई, 1976

सं० फाईल 4-5(68)/76-प्र० III—संच लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार डा० मोहन राम राज, रोम को विषणन और निरीक्षण निदेशालय, जायनगर में दिनांक 19 अप्रैल, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न आधार पर विषणन अधिकारी, वर्ग-11, नियुक्त किया जाता है।

जे० एस० उपल;
कृषि विषणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋ एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400001, दिनांक 25 जून 1976

सं० डी० पी० एस० /१०/11013/64/75-स्थापना—इस निदेशालय की दिनांक 8 अप्रैल, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के ऋंम में, परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋ एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, कलकत्ता स्थित परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रान परियोजना के भंडार यूनिट (ऋ एवं भंडार निदेशालय) के स्थानापन्न भंडारी श्री परार्जिकान्त राधाकृष्णन को उसी निदेशालय में 30

सितम्बर, 1976 तक तीन मास की और अवधि के लिए ₹० ६५०-
३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-
४०-१२०० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक भंडार अधिकारी
नियुक्त करते हैं।

श्री० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्यपालक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन समिश्र

हैदराबाद-५००७६२, दिनांक 10 जुलाई 1976

सं० पी० ए० आर०/०७०५/११७१—मुख्य कार्यपालक,
नाभिकीय ईंधन समिश्र, सहायक लेखाकार श्री जे० सूर्यनारायण
राव को 1-६-१९७६ से ३१-८-१९७६ की अवधि अथवा आगामी
आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन
समिश्र, हैदराबाद में तदर्थ रूप से सहायक लेखा अधिकारी
नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए० आर०/०७०५/११७४—मुख्य कार्यपालक,
नाभिकीय ईंधन समिश्र, सहायक लेखाकार श्री सी० एच० नर-
सिंहा चारी को, १-७-१९७६ से ३१-८-१९७६ की अवधि अथवा
आगामी देशों तक लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय
ईंधन समिश्र, हैदराबाद में तदर्थ रूप से सहायक लेखा अधिकारी
नियुक्त करते हैं।

श्री प० म्हात्रे,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1976

सं० ए० ३२०१४/३/७५-ई०—महानिदेशक नागर विमा-
नन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ
नियुक्ति की अवधि ३१ अगस्त, १९७६ तक अथवा इनमें के
नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो,
बढ़ा दी है:—

क्रम संख्या	नाम	तैनाती	स्थेशन
(1)	(2)	(3)	
सर्वश्री			
1.	डी० के० गुहा	.	दम दम
2.	सरूप सिंह	.	पालम
3.	सुरिंदर सिंह	.	सांताकुज
4.	जे० ए० सेठी	.	सांताकुज
5.	एन० जी० गिडवार्नी	.	पालम
6.	एन० बी० धनपाल	.	मद्रास
7.	डी० आर० मलिक	.	जयपुर
8.	एस० एम० कौशल	.	रायपुर
9.	एस० टी० थामस	.	मद्रास
10.	सी० पी० वर्दाराजन	.	मद्रास

(1)	(2)	(3)
11.	पी० पी० जी० नायर	विशाखापत्ननम
12.	एम० के० बनर्जी	दमदम
13.	एम० गोविंदराजन	तिरुचिरापल्ली
14.	ए० सी० रायजादा	सफदरजंग
15.	सोतंतर लाल	जम्मू
16.	एस० के० सेन	दमदम
17.	के० के० एन० पिल्लै	कोचीन
18.	डी० पी० मजूमदार	दमदम
19.	एस० इश्काहीम	मद्रास
20.	ए० बी० दत्ता	दमदम
21.	एल० पी० सिंह	मुजफ्फरपुर
22.	के० सी० चन्द्रवानी	अहमदाबाद
23.	श्री ओ० पी० भट्टनागर	पालम
24.	जे० के० मिश्रा	वाराणसी
25.	एस० बसु मलिक	दमदम
26.	जी० एस० राजमणी	मद्रास
27.	मानवीर सिंह	लखनऊ
28.	जगजीत सिंह	सफदरजंग
29.	जे० सी० कार	पटना
30.	जे० ए० टी० टीकमदास	सफदरजंग
31.	ए० के० राय	तुलिहाल
32.	अमर शर्मा	मोहनबाड़ी
33.	पी० बी० माधुर	जूह :
34.	एल० आर० बोहरा	दमदम
35.	एच० एस० संधु	अमृतसर
36.	के० ए० हरीदास	साताकुज
37.	के० सी० मारिया	जूह
38.	सी० बी० जोसफ	तिरुपति

दिनांक 1 जुलाई 1976

सं० ए० २२०१३/१/७६-ई०—श्री एस० पी० यादव, निय-
क्षक विमानक्षेत्र, दिल्ली एयरपोर्ट, पालम निवर्तन आयु प्राप्त करने
पर ३१ मई, १९७६ के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त
हो गए।

दिनांक जून 1976

सं० ए० ३८०१२/१/७५-ई० सी०—क्षेत्रीय निदेशक मद्रास
के कार्यालय के श्री एस० कृष्णस्वामी, सहायक संचार अधिकारी
ने निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा
से निवृत्त होने पर ३१ मई, १९७६ (अपराह्न) से अपने पद
का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 7 जून 1976

सं० ए० ३२०१३/११/७५-ई० सी०—राष्ट्रपति ने रेलियो
निमाण एवं विकास एकक, नई दिल्ली के श्री एस० के० कक्कड़,
तकनीकी अधिकारी को 11 जून, 1976 से ३१ दिसम्बर,
1976 तक अथवा इस ग्रेड में नियमित नियुक्त होने तक,

इन में से जो भी पहले हो, तदर्थं प्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, पालम में तैनात किया है।

दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० ए०-३२०१३/१८/७५-ई० सी०—राष्ट्रपति ने 'रेडियो निर्माण एवं विकास एकक' सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के श्री एम० एस० कृष्णन, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी को 6 मई, 1976 से तथा अगले आदेश होने तक नियमित प्राधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें नागर विमानन विभाग (मुख्यालय), रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली में तैनात किया है।

दिनांक 12 जुलाई 1976

सं० ए०-३१०१३/३/७५-ई०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिखाई तारीखों से नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	पुष्टि की तारीख
1.	श्री एस० पी० यादव	1-4-72
2.	श्री जगदीश चन्द्र	27-8-73
3.	श्री आर० एल० परेरा	1-1-74
4.	श्री एस० के० बोस	1-3-74
5.	श्री जी० एस० गिल	1-7-74
6.	श्री सीर अनवर	1-10-74
7.	श्री एस० डब्ल्यू० जे० नार्टन	1-8-75

विश्व विनोद जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1976

सं० ए०-३२०१३/६/७६-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक संचार अधिकारियों को, जो कि इस समय तदर्थं प्राधार पर संचार अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, 17 मई, 1976 से तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में नियमित प्राधार पर संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा प्रत्येक के नाम के सामने दिखाए गए स्टेशन पर तैनात किया है।

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री पी० पालोज़	बम्बई
2.	श्री आर० एच० मुख्यालय	बम्बई

हरबंस लाल कोहली, निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1976

सं० ए०-१२०२५/४/७५-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० एस० वर्मा को 11 जून, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक अस्थायी प्राधार पर साइर्सेस्ड इंजीनियर के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें निरीक्षण कार्यालय बैगमपेट में तैनात किया है।

सुरजीत लाल खंडपुर, सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1976

सं० १/४०९/७६-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा विदेश संचार सेवा की बम्बई शाखा के स्थानापन्न पर्यवेक्षक, श्री आर० आर० नलकूर को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर १०-४-७६ से ६-५-७६ (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य मेकेनिशियन नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 जुलाई 1976

सं० १/४०७/७६-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के ज्येष्ठ फोरमेन, श्री ए० के० साहा को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर १६-२-७६ से १३-६-७६ (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य मेकेनिशियन नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी
कूले महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

वेहराहून, दिनांक 9 जुलाई 1976

सं० १/२४८/७६-स्था०-१—प्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, वेहराहून श्री सैयद मसूद हुसैन काजमी को वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, वेहराहून में 21 जून, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्व व्यायाम एवं खेल शिक्षक नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भट्टाचार्य,
कुल सचिव

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1976

सं० क-१९०१२/२७७/७१-प्रशा० पांच—३८ आयोग की सम संख्यक अधिसूचना दिनांक 25 फरवरी 1976 के आंशिक अशोधन में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग (अब केन्द्रीय जल आयोग) अपने प्रसाद से श्री एम० बी० केवलारामानी

पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (अब केन्द्रीय जल आयोग) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायता अधिकारी/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियर) के ग्रेड में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द०-रो०-30-830-35-900 रुपए (पूर्ण संशोधित) के बेतनमान में दिनांक 26 जुलाई 1965 से तपर्य रूप में सिद्धान्तता स्थानापन्न होने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम० बी० केवलरामानी द्वारा उपर्युक्त तिथि से केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल संधि) (अब केन्द्रीय जल आयोग) नई दिल्ली में अतिरिक्त सहायक निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया समझा जाए।

जसवंत सिंह,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रभुद्वादीनियर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० 27-एस०/एल०(1)/75-ई० सी०-2--राष्ट्रपति, श्री एम० एच० लेले, अधीक्षक इंजीनियर (प्रशिक्षण), के लो० नि० विभाग, नई दिल्ली के बतेमान पद से त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

पी० एस० पारवानी,
प्रशासन उप-निदेशक

दक्षिण मध्य रेलवे

महाप्रबन्धक का कार्यालय

कार्मिक शाखा

सिकन्दराबाद, दिनांक 5 जुलाई 1976

सं० पी०/जी० ए० जै०/185/लेखा—श्री एस० एन० राव, इस रेलवे की भारतीय रेल लेखा सेवा के अध्यक्ष बेतनमान/श्रेणी 1 अधिकारी को, उसी सेवा के प्रब्रह बेतनमान में 31-12-1975 (इकतीस दिसम्बर, उशीस सौ पचहत्तर) से स्थायी किया जाता है।

के० एस० राजन, महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पांडू, दिनांक 7 जुलाई 1976

(1) सं०ई०/283/iii/54 भाग-iii(O)—श्री एच० एन० अन्नबर्ती, द्वायलर निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) की नियुक्ति 2-3-76 से स्थानापन्न रूप से सहायक यांत्रिक इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) के पद पर की जाती है, जो पूर्णरूपेण तदर्थ है।

(2) सं० ई०/283/iii/143 भाग ii(O)—श्री डी० मुखर्जी, सहायक सुरक्षाविधिकारी/(द्वितीय श्रेणी) की नियुक्ति 25-3-76 से स्थानापन्न रूप से प्रब्रह बेतनमान में सुरक्षा अधिकारी के पद पर की जाती है जो पूर्णरूपेण तदर्थ है।

(3) सं० ई०/283/31 भाग ix (O)—श्री जे० के० को कपूर, रेलपथ निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) की नियुक्ति 6-5-76 से स्थानापन्न रूप से सहायक इंजीनियर द्वितीय श्रेणी के पद पर की जाती है जो पूर्णरूपेण तदर्थ है।

(4) सं० ई०/283/iii/142 भाग ii (O)—श्री जे० पी० हालदर, निरीक्षक (प्रगति शमन) (तृतीय श्रेणी) की नियुक्ति 17-5-76 से स्थानापन्न रूप से सहायक सुरक्षा अधिकारी द्वितीय श्रेणी के पद पर की जाती है जो पूर्णरूपेण तदर्थ है।

(5) सं० ई०/283/iii/54 भाग viii (O)—श्री एस० बी० चक्रवर्ती, सहायक उत्पादन इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) की नियुक्ति 25-5-76 से प्रब्रह बेतनमान में प्रब्रह यांत्रिक इंजीनियर (योजना) के पद पर की जाती है।

(6) सं० ई०/283/iii/142/भाग ii (O)—श्री जी० पी० दास गुप्त, रेल सुरक्षा निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) की नियुक्ति 31-5-76 से स्थानापन्न रूप से सहायक सुरक्षा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) के पद पर की जाती है।

एच० एल० वर्मा, महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनी रजिस्टर का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और दी आइडियल काफी एग्रिकलचरल डेवेलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद-500001, दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० 1231/टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दी आइडियल काफी एग्रिकलचरल डेवेलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है, और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और विसाखा काफी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद-500001, दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० 1246/टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर विसाखा काफी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुरुची काफी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद-500001, दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० 1245/टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर सुरुची काफी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शितन किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कूल हाइट्स काफी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद-500001, दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० 1243/टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर कूल हाइट्स काफी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शितन किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओ० पी० जैन, कम्पनी रजिस्ट्रार
आनन्द प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स अग्रवाल एंड्रो इन्डस्ट्रियल मैन्यूफैक्चरर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 6 जुलाई 1976

सं० सांख्यकी/1341—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स अग्रवाल एंड्रो इन्डस्ट्रियल मैन्यूफैक्चरर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भरतपुर डेरी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० सांख्यकी/1198—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि भरतपुर डेरी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1913 और दी स्कॉपी आईरन एण्ड स्ट्रील डीलर्स एसोसिएशन प्राईवेट लिमिटेड (समापन में) के विषय में

जयपुर, दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० सांख्यकी/904—भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1913 की धारा 247 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दी स्कॉपी आईरन एण्ड स्ट्रील डीलर्स एसोसिएशन प्राईवेट लिमिटेड (समापन में) का नाम आज 2—186G/76

रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स सेल इन्डस्ट्रीज (राजस्थान) प्राईवेट लिमिटेड, अजमेर

जयपुर, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० सांख्यकी/1083—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स सेल इन्डस्ट्रीज (राजस्थान) प्राईवेट, लिमिटेड, अजमेर का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

गम दयाल कुरील, कम्पनियों का रजिस्ट्रार राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नरटार्न इंडिया दि सेण्टिकेट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० 6441/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नरटार्न इंडिया दि सेण्टिकेट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एन० ६० दि इलेक्ट्रीकल प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० 25987/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एन० ६० दि इलेक्ट्रीकल प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ए० के० सरकार विलडरस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० 12153/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ए० के० सरकार विलडरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि० सेन्ट्रल कन्सार्नर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० 16871/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर दि० सेन्ट्रल कनसारन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिटि सप्लायर्स मेन्डिकेट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० 21775/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर सिटि सप्लायर्स सेन्डिकेट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री ब्रह्म आयुर्वेद भवन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० 23787/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ब्रह्म आयुर्वेद भवन प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एपिजय कस्मोटिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० 25680/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एपिजय कस्मोटिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ग्रंथ सी० नाथ
कम्पनियों का सहायक रजिस्टर
पश्चिम बंगाल

आयकर आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1976

आयकर

सं० जुरि-दिल्ली/4/76-77/14393—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली इस कार्यालय की दिनांक 29 मई, 1976 की अधिसूचना सं० जुरि-दिल्ली/4/76-77/6851 के साथ संलग्न, समय-समय पर यथा संशोधित, अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करते हैं।

इसी अनुसूची में दिल्ली रेंज-3 (बी०) और दिल्ली रेंज-3 (सी०), नई दिल्ली के सामने कालम 2 के हंदराजों के बदले निम्नलिखित हंदराज रखे जाएंगे :—

अनुसूची

रेंज

आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल

1

2

निरीक्षीय सहायक आयकर

आयुक्त, रेंज-3-बी०, नई

दिल्ली डिस्ट्रिक्ट-3 (15), 3 (16),
3 (16), एडीशनल, 3 (18), 3 (25), 3 (26), 3 (27), 3 (29), 3 (30), 3 (32), सर्वे
सर्किल-3, नई दिल्ली ट्रान्स-
पोर्ट सर्किल, नई दिल्ली तथा
पहला एडीशनल ट्रान्सपोर्ट
सर्किल नई दिल्ली।

निरीक्षीय सहायक आयकर

आयुक्त, रेंज-3 (सी०),

नई दिल्ली डिस्ट्रिक्ट-3 (3), 3 (4),
3 (5), 3 (6), 3 (10)
3 (11), 3 (12),
3 (14), 3 (17), 3 (24), 3 (28), स्पेशल
सर्किल तथा दूसरा सर्वे
सर्किल-3, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना दिनांक 7-7-76 से लागू होगी।

एन० एस० राघवन
आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली

कार्यालय, आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/76-पी०- - - श्री प्र० डी०
डी० यादवेन्द्र, अस्थायी सहायक पंजीकार, आयकर अपील
अधिकरण, इन्दौर न्यायपीठ, इन्दौर का भारत के खात्ते निगम
में उप प्रवंधक विधि के पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति हेतु
चयन हो जाने पर आयकर अपील अधिकरण, इन्दौर न्यायपीठ,
इन्दौर से दिनांक 18 जून, 1976 अपराह्न से अपने कार्य-भार
से मुक्त कर दिए गए हैं।

हरनाम शंकर
अध्यक्ष

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जून 1976

निदेश सं० 1573—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पत्:—

1. (1) नीनिहाल सिंह सुपुत्र श्री गुरुपाल सिंह निवासी गढ़ाह जलन्धर (2) जागीर सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह निवासी गढ़ाह जलन्धर (3) ज्ञानी शंकर सिंह सुपुत्र श्री वाल सिंह निवासी गढ़ाह गाँड़न कालोनी

(4) सर्वरण सिंह जाहैल सुपुत्र श्री लाभ सिंह, सिविल लाइन, जलन्धर (5) कर्मसिंह मान सुपुत्र श्री वसन्त सिंह 389, लाजपतनगर, जलन्धर। (अन्तरक)

2. (1) हरजिन्दर पाल सिंह सुपुत्र श्री हरभजन सिंह, गांव सिंगडीबाला, होशियारपुर (2) इन्द्रपाल सिंह सुपुत्र श्री हरभजन सिंह, निवासी सिंगडीबाला, होशियारपुर (3) हरमिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री हरभजन सिंह (4) हरभजन कौर पति श्री हरभजन सिंह (5) हरभजन सिंह सुपुत्र श्री तेजा सिंह, गांव सिंगडीबाला होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो अवित सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्री सम्पत्ति जैसा कि रजिस्क्रिप्ट विलेख नं० 6722, 6723, 6724, 6725 तथा 6726 नवम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर।

तारीख: 23-6-1976

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 मई 1976

निदेश सं० 1574—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नौनिहाल सिंह सुपुत्र श्री गुरपाल सिंह, निवासी
गढ़ाह, जलन्धर
(अन्तरक)

2. श्री हरजिन्दर पाल सिंह सुपुत्र श्री हरभजन सिंह
गांव सिगरीबाला तहसील तथा डिस्ट्रीक्ट, होशियारपुर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रभि-
भोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6722 नवम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 21-5-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 21 जून, 1976

निदेश सं० 1575—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधियिम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगीर सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, निवासी
गढ़ाह डिस्ट्रीक्ट, जालन्धर
(अन्तरक)

2. श्री दन्द पाल सिंह सुपुत्र श्री हरमजन सिंह निवासी
सिगडीवाला, होशियारपुर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6723,
नवम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा
है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 21-6-76

मोहर:

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 जून, 1976

निदेश सं० 1576—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधियिनम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ज्ञानी शंकर सिंह सुपुत्र श्री वाल सिंह, निवासी
गाडेंग कालौनी, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री हरमिन्द्र सिंह सुपुत्रा श्री हरभजन सिंह निवासी
सिंगडीबाला, हेशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यबाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6724 नवम्बर,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 21-6-76

मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 जून 1976

निदेश सं० 1577—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (198 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यागया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन वर देने के अन्तरक वे दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :—

1. श्री सर्वजन सिंह जौहल सुपुत्र श्री लाल सिंह, सिविल
लाइन, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरभजनकौर पत्नि श्री हरभजन सिंह
निवासी मिंगडीवाला, होशियारपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6725 नवम्बर,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख । 21-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 जून 1976

निदेश सं० 1578—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जलन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कर्मसिंह मान सुपुत्र श्री वसंत सिंह ३९,
लाजपतनगर, जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह सुपुत्र श्री तेजा सिंह निवासी,
सिंगडीवाला, होशियारपुर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभेद
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीबूत विलेख नं० 6726 नवम्बर,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-6-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जून 1976

निदेश सं० 1579—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जलन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के भीतर उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री नौनिहाल सिंह सुपुत्र श्री गुरपाल सिंह गाँव तथा पोस्ट आफिस गढाह, जलन्धर (2) जगीर सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, गांव तथा पोस्टआफिस, गढाह, जलन्धर
3—186 GI/76

(3) कर्म सिंह मान सुपुत्र श्री वसन्त सिंह, 389, लाजपत-नगर, जालन्धर (4) जानी शंकर सिंह सुपुत्र श्री बाल सिंह, गाँवन कालोनी, भाड़ल टाउन, जालन्धर (5) सवर्ण सिंह जीहल सुपुत्र श्री लाल सिंह, सिविल लाइन, जालन्धर। (अन्तरक)

2. (1) श्री सर्वेण सिंह सुपुत्र श्री नौरंग सिंह, गांव संदवान, जालन्धर (2) कुलविन्द्र सिंह सुपुत्र श्री सुरिन्दर सिंह, गांव संदवान, तहसील नवांशहर, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7643, 7644, 7645, 7646 तथा 7647 दिसम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 22 जून 1976

निदेश सं० 1580—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है अतथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, प्रब उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अधिकृतः—

1. श्री नौनिहाल सिंह सुपुत्र श्री गुरपाल सिंह निरीक्षण
गांव तथा पोस्टऑफिस, गदाह, डिस्ट्रीक्ट, जालन्धर
(अन्तरक)

2. श्री सर्वेण सिंह सुपुत्र श्री नौरंग सिंह गांव संदवान,
डिस्ट्रीक्ट, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में लूच रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति का द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अभी
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7643
दिसम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर, में
लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीखः 22-6-1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 जून 1976

निवेश सं० 1581—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या इन्हीं आस्तियों को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, वी, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

1. श्री जगीर सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह गाव तथा डाकखाना, गढ़ाह, डिस्ट्रिक्ट, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री सर्वेण सिंह सुपुत्र श्री नौरंग सिंह गाव संघ-बान, डिस्ट्रिक्ट, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभ्राषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7644 दिसम्बर, 1975 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी०० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 जून 1976

निदेश सं० 1582—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269—ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-₹
से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

कि पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कर्म सिंह मान सुपुत्र श्री वसन्त सिंह, 38^०,
लाजपतनगर, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्री कुलचिन्द्र तिह सुपुत्र श्री सुरिन्द्र सिंह, गांव
सदवान तहसील, नवांशहर, डिस्ट्रीक्ट जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7645
दिसम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 22-6-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 जून 1976

निदेश सं० 1583—यतः यमुङ्गे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. जानी शंकर सिंह हृष्पुत्र श्री बाल सिंह, गार्डन कालोनी (माडल टाउन) जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री कुलविन्द्र सिंह सुपुत्र श्री सुरिन्द्र सिंह, गांव, संदवान तहसील, नवांशहर, डिस्ट्रिक्ट, जालन्धर। (अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विसेख नं० 7646 दिसम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 22-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय।

जालन्धर, दिनांक 22 जून 1976

निक्षेप सं० 1584—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास उत्तर का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी कसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपदारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सर्वजीवन सिंह जाहैल सुपुत्र श्री लाभ सिंह
सिविल लाइन जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री कुलविन्द्र सिंह सुपुत्र श्री सुरिन्द्र सिंह गांव
संदर्भान तहसील नवांशहर, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० में है (वह अवित जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह अवित,
जिनके बारे में अधीक्षित जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तस्यमन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित जालन्धर के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत, विलेख नं० 7647 दिसम्बर,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० दी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जून 1976

निदेश सं 1585—गत: मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और दैससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्ती करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रष्ट आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

गत: इब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

(1) ज्ञानी शंकर सिंह सुपुत्र श्री वाल सिंह, (गाँड़ कालोनी), भाष्टलटाउन, जालन्धर (2) कर्म सिंह सुपुत्र श्री वसन्त सिंह निवासी 389, लाजपतनगर जालन्धर (3) जागीर सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह गाथ पोस्टऑफिस गढ़ाह, जालन्धर (4) सर्वें सिंह जौहल सुपुत्र श्री लाल सिंह, निवासी सिविल लाइन, जालन्धर (5) नौनिहाल सिंह सुपुत्र श्री गुरबद्ध निवासी गढ़ाह, जालन्धर (अंतरक)

2. श्री मनमोहन चौपड़ा सुपुत्र श्री बृहण चौपड़ा, मकान नं ० एन०टी०-३६ विक्रम पुरा, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं २ में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य शक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विले नं 7353, 7354, 7355, 7472, 7473 दिसम्बर, 1975 को रजिस्कर्ट अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 23-6-1976

मोद्दर :

प्ररूप माई० टी० एन० एस०—

1. श्री ज्ञानी शंकर सिंह सुपुत्र श्री वाल सिंह गाँड़ेन कालौदी
माडल टाउन, जालन्धर।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जून, 1976

निदेश सं० 1586—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री मनमोहन चौपड़ा सुपुत्र श्री कृष्ण चौपड़ा, एच०
न० एन०टी०-36, मोहल्ला विक्रम पुरा, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०-7353 दिसम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जून 1976

निदेश सं० 1588—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—186GI/76

1. श्री जागीर सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, गांव तथा पोस्ट आफिस, गढ़ाह, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री मनमोहन चोपड़ा सुपुत्र श्री कृष्ण चोपड़ा, मकान नं० एन०डी०-३६ विक्रम पुरा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 3 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7354 दिसम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 23-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश सं० 1588—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से
अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में है, तथा जो जालन्धर में स्थित
है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण,
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
दिसम्बर 1975
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कर्म सिंह सुपुत्र श्री वसन्त सिंह, निवासी-389
लाजपत नगर, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्री मनमोहन चोपड़ा सुपुत्र श्री कृष्ण चोपड़ा, मकान
नं० एन० डी०-36, मोहल्ला विक्रम पुरा, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह कि सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7355 दिसम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
तारीख : 23-6-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक, 23 जून 1976

निर्देश सं० 1589—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो जालन्धर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थति :—

1. श्री स्वर्ण सिंह जौहल सुपुत्र श्री लाभ सिंह, निवासी—
सिविल लाईन सामने सैशन कोर्ट, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री मनमोहन चौपड़ा सुपुत्र श्री कृष्ण चौपड़ा, एन०
टी०-36 मोहल्ला विक्रम पुरा, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियाग
है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7472 दिसम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 23 जून 1976

मोहर:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश सं० 1590—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में है, तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नीनिहाल सिंह सुपुत्र श्री गुरबक्ष सिंह, निवासी—
गदाह डिस्ट्रीक्ट—जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्री मनमोहन चौपड़ा सुपुत्र श्री कृष्ण चौपड़ा एन०
डी०-36, मोहल्ला विक्रम पुरा, जालन्धर (अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7473 दिसम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जून 1976

निर्वेश सं० 1591—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1591 जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कर्म सिंह मान सुपुत्र श्री बसंत सिंह, 389, लाजपत
नगर, जालन्धर (अन्तरक)

2. मैर्सर्ज हरपाल कौर पत्नी लेफ्टीनेंट कर्नल यशवंश सिंह,
53, डीफैन्स कालोनी, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7895 दिसम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 23 जून 1976

निर्देश सं० 1592—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः आबूउक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगीर सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, गांव—गढ़लु
जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरपाल कौर पत्नि लैफिटेनेट कर्नल जसवन्त
सिंह 53, डीफैन्स कालोनी, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7896 दिसम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 23-6-197

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश सं० 1593—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नौनिहाल सिंह सुपुत्र श्री गुरवक्ष राम सिंह निवासी गढ़ाह, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती हरपाल कौर पति लैफिलेन्ट कर्नल जसवन्त सिंह 53, डीफैन्स कालोनी, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7897 दिसम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 23-6-1976

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश सं० 1593ए—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कर्म सिंह मान सुपुत्र श्री वसन्त सिंह, ४९,
लाजपत नगर, जालन्धर।

(2) श्री जगीर सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, वासी—गढ़ाह,
जालन्धर।

(3) श्री नौनिहाल सिंह सुपुत्र श्री गुरपाल सिंह वासी—
गढ़ाह, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरपाल कौर पत्नि लैफिनेंट कर्नल जसवन्त
सिंह ५३, डीफैन्स कालोनी, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० २ में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7895, 7896
तथा 7897 विसम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 23-6-1976

मोहर :

प्रैरुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 जून 1976

निर्देश सं० 1594—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—186GI/76

- (1) 1. श्री कर्म सिंह मान सुपुत्र श्री वसंत सिंह, कोठी नं० 389 लाजपत नगर, जालन्धर,
 - 2. सर्वें सिंह जौहल सुपुत्र श्री लाभ सिंह, सिविल लाईन, जालन्धर,
 - 3. नौनिहाल सिंह सुपुत्र श्री गुरपाल सिंह, निवासी गढ़ाह, जालन्धर,
 - 4. जगीर सिंह सुपुत्र श्री रूप सिंह निवासी गढ़ाह, जालन्धर,
 - 5. गयानी शंकर सिंह सुपुत्र श्री बालसिंह निवासी, गाड़न कालौनी, जालन्धर (अन्तरक)
- (2) सर्वेंश्वी क्रांती कुमार, संतोष कुमार, महेश कुमार, राम कुमार सुपुत्र श्री अमर नाथ, 176, बाबा बिल्डिंग, जालन्धर (अन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6727 नवम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-6-1976

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 22 जून 1976

निर्देश सं० 1595—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो सखाकाल
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की घावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्त में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोषनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसूच
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सतिन्द्र कुमार सुपुत्र श्री अमर नाथ सेठी 124-प्रार्थना
माउल टाउन, होशियारपुर (अन्तरिती)

2. मैर्सर्ज अशोक कुमार तथा आर्द्ज वारेन रोड
होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलोख नं० 3100, नवम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 22-6-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 जून 1976

निर्देश सं० 1596—यतः, मुझ, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की आरा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, सथा जो रहों में
स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रत्युत्तमी में और पूर्ण रूप से
अण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य अन्य स्वास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवक्षितों पर्याप्ति :—

1. श्री ज्ञान मित्र सुपुत्र श्री हर प्रकाश, शीला वती पत्नी
श्री ज्ञान मित्र, निर्मल कुमार, उरमिला कुमारी, बीना कुमारी
रत्न कुमारी सुपुत्रिमा श्री ज्ञान मित्र, गांव—राहों, नवांशहर।
(अन्तरक)

2. श्री ज्ञान सिंह सुपुत्र श्री पुरण सिंह, गांव—राहों,
तमूलील—नवांशहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

तारीख:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3601 नवम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 22-6-1976

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 जून 1976

निर्देश सं० 1597—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार;
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री कर्म सिंह मान सुपुत्र श्री वसंत सिंह, तौनिहाल
सिंह, सुपुत्र श्री गुरपाल सिंह, जानी शंकर सिंह सुपुत्र श्री वाल
सिंह जागीर सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, सर्वेण सिंह जौहल
सुपुत्र श्री लाभ सिंह, निवासी, जालन्धर

(अन्तरक)

2. सर्वश्री ऋती कुमार, संतोष कुमार, महेश कुमार
राम कुमार सुपुत्र श्री अमर नाथ, 176, बाबा बिलिंग, जी०
टी० रोड, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7749 दिसम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 21-6-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 जून 1976

निर्देश सं० 1598—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धारात्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व,
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

1. श्री केवल जीत सिंह सुरुत श्री ऊधम सिंह निवासी—
जालन्धर शहर
(अन्तरक)

2. मैर्सर्ज रेडले स्पार्टेस, वस्ती नाऊ, जालन्धर शहर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6895 नवम्बर
1975 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 25-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी०० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 जून 1976

निर्देश सं० 1599—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कीं गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पारा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में
वास्तविक रूप से कष्टित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपशारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री परम जीत सिंह सुपुत्र श्री ऊधम सिंह, निवासी
जालन्धर (अम्बरक)

2. मैसर्जे केडले सर्पोर्ट्स, बस्ती नाउ, जालन्धर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय ने दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6897 नवम्बर
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 25-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1976

निवेश सं० 397/ए० सी० न्यू०-23-765/19-7/75-76—
अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापत्र सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 47 (न्यू० सं० नं० 54) एफ० पी० नं० 79 पैकी सब-फ्लोर नं० 15 है, तथा जो उमरा, ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

1. (1) श्री रशीद अब्दुल तैयब मस्कती
(2) जाकी अब्दुल तैयब मस्कती
(3) जौधील अब्दुल तैयब मस्कती, कुल मुल्लार रशीद
अब्दुल तैयब मस्कती, मस्कती विला नं० 7, विन्दी हाल लेन,
कोलाबा, बम्बई-5 । (अन्तरक)

2. (1) श्री शरदचन्द्र अमीचन्द्र शाह
(2) श्री हरीशचन्द्र अमीचन्द्र शाह, 13, सहयोग सोसायटी,
सुमुल डेरी के पास, सूरत-3 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापत्र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 47 (न्यू० सं० नं० 47 न्यू सं० नं० 54) एफ० पी० नं० 79 पैकी सब-फ्लोर नं० 15 कुल माप 352.55 वर्ग.गज है तथा जो उमरा, ता० चोरासी, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी सूरत के नवम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7667 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1976

मोहर :

प्रूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1976

निवेश सं० 398/ए० सी० क्य० 23-766 (19-7/75-76
—यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' वहा गढ़ा है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 47 (न्यू सं० नं० 54) एफ० पी०
नं० 79 पैकी सब पलोर-16 है, तथा जो उमरा, ना० चोरासी
जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख 21-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने,
का कारण है कि प्रयोग्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से बरित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. (1) श्री रशीद अब्दुल तैयब मस्कती
(2) जाकी अब्दुल तैयब मस्कती } कुल
(3) जीया अब्दुल तैयब मस्कती } मुख्तार,
रशीद अब्दुल तैयब मस्कती, मस्कती विला नं० 7, विन्दी हाल
लेन, कोलाबा, बम्बई-5 . (अन्तरक)

2. (1) श्री प्रदीप कमल कान्त शाह
(2) निर्मल कमलकान्त शाह 14, नर्मद नगर
सोसायटी अथवा लाइन्स, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 47 (न्यू सं० नं० 54)
एफ० पी० नं० 79 पैकी सब-पलोर नं० 16 कुल माप 494.22
तथा जो उमरा, ना० चोरासी, जिला: सूरत में स्थित है जैसा
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर 1975 के
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7668 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1976

मोहर :

प्रलूप आई०टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1976

निवेश सं० 399/एक्य०-23-767/19-7/75-76—यतः
मुझे पी० एन० मित्तल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे नं० 47(न्य० स० नं० 54) एफ० पी० नं०
79 पैकी सब प्लॉट नं० 38 है, तथा जो उमरा ता० ओरासी,
जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-11-1975को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6—186 GI/76

1. (1) श्री रशीद अब्दुल तैयब मस्कती
 (2) जाकी अब्दुल तैयब मस्कती } कुल मुख्तार :
 (3) जीया अब्दुल तैयब मस्कती } रशीद अब्दुल तैयब
 } मस्कती
- मस्कती विला नं० 7, विन्दी हाल लेन,
कोलाबा, बम्बई-5।

(अन्तरक)

2. श्री विपिन अन्न रत्नलाल सदरीवाला,
हरीपुरा, मुख्तिया, पोरी, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आलेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताकरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 47(न्य० स० नं० 54) एफ०
पी० नं० 79 पैकी सब प्लॉट नं० 38 कुल माप 425.71 वर्ग
मीटर है तथा जो उमरा, ता० ओरासी जिला सूरत में स्थित है जैसा
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 7666 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 14-6-1976।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिसंबर 14 जून 1976

निदेश सं० 400/एव्य०-23-768/19-7/75-76

बतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० स० नं० 47 (न्य० सं० नं० 54) एफ० पी० नं० 79 पैकी सब-ल्लोट नं० 32 है, जो उमरा, ना० ओरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचवह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए नौर; या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री/रशीद अब्दुल तैयब मस्कती
(2) जाकी अब्दुल तैयब मस्कती) कुल मुख्तार :
(3) जीया अब्दुल तैयब मस्कती रशीद अब्दुल तैयब मस्कती
मस्कती बिला नं० 7, बिन्दी हाल लेन, कोलाबा, बम्बई-5
(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योति बेन चुनीलाल ओकड़ी
नानाबन, मेन रोड, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्थानी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुली जमीन जिसका सर्वे नं० 47 (न्य० सं० नं० 54) एफ० पी० नं० 79 पैकी सब-ल्लोट नं० 32 कुल माप 420.83 बर्ग एक्ट है तथा जो उमरा, ना० ओरासी जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 7610 में प्रवर्णित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 14-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख : 14-6-1976

निवेश नं० 401/एसी/वय० 23-769/19-7/75-76-
अतः मुझे पी० एन० मिसल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 47 (क्य० स० नं० 54) फ० पी० नं० 79 पैकी सब प्लोट नं० 31 है जो उमरा ता ओरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे अचले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269घ के अन्तरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उपशारा

(1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात् :—

श्री (1) रशीद अब्दुल तैयब मस्कती (2) जाकी अब्दुल तैयब मस्कती (3) जीया अब्दुल तैयब मस्कती, कुल रशीद अब्दुल तैयब मस्कती, मस्कती विला नं० 7, विन्दी हाल लेन, कोलाबा, अम्बर्झ-5.

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक जयकान्त चोकशी, एल० एच० नीला बेंगे जै० चोकशी द्वारा नानाबत, मेन रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-

नियम के अध्याय-20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 47 (क्य० स० नं० 54) एफ० पी० नं० 79 पैकी सब-प्लोट नं० 31 कुल माप 334 वर्ग मीटर है तथा जो उमरा, ना० ओरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवाम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7609 में प्रदर्शित है।

पी० एम० मिसल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 14-6-1976.

मोहर :

प्र० श्री रघुवि अब्दुल तैयब मकस्ती
प्र० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1976

निदेश सं० 402/एक्य०/23-770/19-7/75-76—यतः मुझे
पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 47 (न्यू सं० नं० 54) एफ० पी० नं०
79 पैकी स्पॉट नं० 35 है, तथा और जो उमरा, सा० चोरासी जिला
सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रघुवि अब्दुल तैयब मकस्ती
(2) जाकी अब्दुल तैयब मकस्ती } कुल मुख्तार
(3) जीया अब्दुल तैयब मकस्ती } रशीन अब्दुल तैयब
मकस्ती

मकस्ती विला नं. 7, विन्धी हाल सेन,
कोलाबा, बम्बई-35।

(अन्तरक)

2. श्री निरमला बेन मदनलाल सवरीबाला,
खोरड़ी बाली शेरी, बाढ़ी पालिया,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्स्थिती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

बुली जमीन जिसका सं० नं० 47 (न्यू सं० नं० 54)
ए० पी० नं० 79 पैकी स्पॉट नं० 35 कुल माप 362.31 वर्ग
मीटर है तथा जो उमरा, सा० चोरासी जिला सूरत में स्थित है
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के नवम्बर, 1975 के
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1665 में प्रदर्शित है।

पी० न० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख : 14-6-1976।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून, 1976

निदेश सं० 403/ए०सी०ष्य०२३-७७१/१९-७/७५-७६:—यतः
मुझे, पी०एन० मिसल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 47 (न्य० सर्वे नं० 54) एफ० पी०
नं० 79 पैकी सब प्लॉट नं० 9 है, जो उमरा, ता० चोरासी, जिला
सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम से दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपशारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री रशीद अब्दुल तैयब मस्तकी
(2) जाकी अब्दुल तैयब मस्तकी } कुल मुख्तार :
(3) जीया अब्दुल तैयब मस्तकी } रशीद अब्दुल तैयब
मस्तकी

मस्तकी विला, नं० 7, विन्दी हाल लेन,
कोलाडा, अम्बई-5।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जाहेर ताहेर इब्राहीम
119, बाजार गेट, अम्बई-1।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता शुरू हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्रान्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 47 (न्य० सर्वे नं० 54)
एफ० पी० नं० 79 पैकी सब प्लॉट नं० 9 कुल माप 332.11
बर्ग मीटर है तथा जो उमरा, ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी सूरत के नवम्बर 1975 के
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7604 में प्रदर्शित है।

पी० एम० मिसल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख: 14-6-1976।

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 19 जून 1976

निदेश सं० 404/एसीक्यू०-23-773/19-8/75-76:—यतः,
मुझे, पी० एन० मितल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 178 पैकी प्लोट नं० 2 है, तथा जो
मजूरा ता० ओरासी जिला सूरत में स्थित है (तथा इससे उपाबद्ध
अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 1-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती धंबल बेन, नट्यर साल छविलदास की
पत्नी,

महीदर पुरा, घोषा शेरी, सूरत

(अन्तरक)

2. (1) महमद हनीफ हाजी इस्माईल,

(2) महमद सादिक हाजी इस्माईल

(3) महमद आरिफ हाजी इस्माईल

तुर्कीवाड, मुगलसारा, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 178 पैकी प्लोट नं० 2 कुल
माप 1 एकर 20 गुंथा अर्थात् 7139 वर्ग गज है तथा जो मजूरा,
ता० ओरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी सूरत को नवम्बर 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 7338
में प्रदर्शित है।

पी० एन० मितल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

दिनांक : 19-6-1976

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 19 जून 1976

निवेश सं० 405/एक्य०/23-774/19-8/75-76 :—अतः

मूले, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 178 पैकी प्लोट नं० 1 है, तथा जो मजूरा, ता० ओरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इसे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तभ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवश्य उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवश्य में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य प्रारिदायों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चंचल बेन, नटवर लाल छविलदास
की पत्नी,
महीदरपुर, घोबे शेरी, सूरत।

(अन्तरक)

2. (1) अब्दुल ससार हाजी इस्माईल
(2) उमरबाई हाजी इस्माईल,
(3) महमदसफी हाजी इस्माईल
तुर्की बाड़, मुगलसारा, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भित्ति पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 178 पैकी प्लोट नं० 1 कुल माप 1 एकर, 20 गंधा अर्थात् 7139 वर्ग गज है तथा जो मजूरा, ता० ओरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7343 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

दिनांक : 19 जून 1976

मोहर :

प्रस्तुत प्राइंटी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1976

निरेख सं० 406/एसी०ष्ट०-23-775/19-8/75-76-
अतः, मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 178 पैकी प्लाट नं० 3 है, तथा जो मजूरा,
ता० चोरासी, जि० सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती चंचल बेन, नटवरलाल उद्दिलदास

की पत्नी,
महीरपुरा, थोके शेरी, सूरत। (अन्तरक)

2. (1) महमद सिद्दिक हाजी ग्लि महमद
(2) महमद इकबाल हाजी ग्लिमहमद
(3) महमद कासरक हाजी ग्ली महमद

(अन्तरिती)

को अह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती-हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 178 पैकी प्लोट नं० 3 कुल
माप 1 एकड़ 20 गुणा अर्थात् 7139 वर्ग गज है तथा जो मजूरा,
ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सूरत के नवम्बर, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7340 में
प्रवर्णित है।

पी० एम० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी

लहानक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 19-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, प्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1976

निदेश सं० 407/एक्यु० 23-776/19-8/75-76:-अतः,
मुझे, पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 25 एफ० पी० नं० 247 पैकी प्लोट
नं० 3 है तथा जो खटोदरा, ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ को
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
7-186GI/76

1. मै० रतीलाल मगनलाल ईटवाला स्वयं
तथा एच० यू० एफ० के कर्ता
और राजेन्द्र रतीलाल तथा योगेश्वर कुमार
रतीलाल के बाली की हैसियत में।

- (2) नरेश कुमार रती लाल
- (3) सुरेशकुमार रतीलाल
- (4) फारसराम रतीलाल,
सचिव हाउस के सामने, सग्रामपुरा,
सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री एन० बी० डाइंग की ओर से
उसके सहित्तारी

- (1) बिनोद चन्द्र गमन लाल
- (2) नयनतारा मनहरलाल,
सग्रामपुरा, फारस मोहल्लो, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 25, एफ० पी० नं० 247
पैकी प्लोट नं० 3, पैकी कुल माप 867 वर्ग गज है तथा जो खटोदरा
ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है तथा जो रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी सूरत के नवेम्बर, 1975 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
7597 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, प्रहमदाबाद

तारीख : 22-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1976

निदेश सं० 408/एक्य० 23-777/19-8/75-76—अतः मुझे
पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 25, एफ० पी० नं० 247 पैकी है, तथा
जो खरोदरा, ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 6-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यात्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैं० रतीलाल मगनलाल इंटवाता स्वयं
तथा एच० य० एफ० के कर्ता की हैसियत में तथा
सगीर राजेन्द्र रतीलाल और योगेश कुमार
रतीलाल के बाली की हैसियत में
(2) नरेश कुमार रतीलाल
(3) सुरेश कुमार रती लाल
(4) फारस राम रतीलाल
सचिव हाउस के सामने, संग्रामपुरा, सूरत ।

(अन्तरक)

2. मैं० चोबासी सिल्क मिल्स की ओर से
उसके सहियारी
(1) अम्बुल सतार हाजी इस्माईल
(2) मोहम्मद सफी हाजी इस्माईल
(3) मोहम्मद हानीफ हाजी इस्माईल
बोधानी बाड़ी, लाल दरवाजा, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी श्रन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त पाल्डों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 25 एफ० पी० नं० 247
पैकी कुल माप 3423 वर्ग गज है तथा जो खरोदरा, ता० चोरासी
जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के
नवम्बर, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4679 में प्रदर्शित
है ।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1976

निदेश सं० 409/एक्यू०/ 23-778/19-8/75-76—यतः,
मुझे, पी० एन० मित्तलआयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० स० नं० 25 एफ० पी० नं० 247 पैकी है, तथा
जो खटोदरा, ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है (और इसे
अनुबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) अधीन 6-11-1975पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री नाथुभाई भगनलाल ईटवाला स्वयं
तथा एच० यू० एफ० के कर्ता और सगीर नरेशकुमार
नाथुभाई तथा विजय कुमार नाथुभाई के बाली की हैसियत
में
- (2) शांति लाल भगन लाल ईटवाला स्वयं
तथा एच० यू० एफ० के कर्ता और सगीर
 - (a) दिनेश कुमार शांति लाल
 - (b) धीरज कुमार शांति लाल
 - (c) प्रभोद कुमार शांतिलाल
 सचिव हाउस, सग्रामपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

2. मैं चोकसी सिल्क मिल्स की ओर से
उस के सहित्तारी

- (1) अब्दुल सतार हाजी इस्माइल
- (2) मोहमद सफी हाजी इस्माइल
- (3) मोहमद हनीफ हाजी इस्माइल
बोलानी बाड़ी, लाल दरवाजा, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्यों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

इष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 25 एफ० पी० नं० 247
पैकी कुल माप 6577 वर्ग गज है तथा जो खटोदरा ता० चोरासी
जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत
नवम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 4678 में प्रदर्शित है।पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख: 22-6-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1976

निरेश सं० 410/एक्य० 23-779/19-8/75-76—यतः
मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 25 एफ० पी० नं० 247 पैकी है तथा जो
खटोदरा, ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) अधीन 19-11-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० रत्नीलाल मगनलाल ईंटवाला स्वयं
तथा एच० यू० एफ० के कर्ता तथा सभीरों
राजेन्द्र रत्नीलाल और योगेश कुमार रत्नीलाल
के बाली की हैसियत में,
सचिव हाउस के सामने, सग्रामपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

2. मै० नाथुभाई भानुभाई की ओर से
उस के सहियारी
(1) मंछाराम नाथु भाई,
(2) काली दास नाथु भाई,
(3) अबे राम नाथु भाई,
(4) जमियत राम नाथु भाई
गोपीपुरा, मोटी छीप वाड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 25 एफ० पी० नं० 247
प्लॉट नं० 3 पैकी कुल माप 2000 वर्ग गज है तथा जो खटोदरा,
ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सूरत नवम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7598
में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1976

निर्देश नं० 411/ए० सी० क्य० 23-780/19-8/75-76—अतः मुझे, पी० एन० मित्तल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० सर्वे नं० 25, एफ० पी० नं० 247 पैकी है, तथा जो खरोदरा, ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तात् :—

(1) श्री रतीलाल मगनलाल इंटवाला स्वयं तथा एच० य० एफ० के कर्ता तथा सगीरों राजेन्द्र रतीलाल और योगेश कुमार रतीलाल के बाली की हैसियत में, सचीन हाऊस के सामने, सग्रामपुरा, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री मे० नाथुभाई भानुभाई की ओर से उसके सहियारी :—

1. मंछाराम नाथुभाई, (2) कालीदास नाथुभाई,
3. अब्देराम नाथुभाई, 4. जमियतराम नाथुभाई, गोपीपुरा,
मोटी छीपबाड़, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 25 एफ० पी० नं० 247 प्लॉट नं० 3 पैकी कुल माप 2000 वर्ग गज है तथा जो खरोदरा, ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7599 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1976

निर्देश नं० 412/ए० सी० क्य० 23-781/19-8/75-
76—अतः मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 25 एफ० पी० नं० 247 पैकी
है तथा जो खरोदरा, ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित
है (और इस उपांड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
31-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रत्नलाल मगनलाल इरवाला स्वयं तथा
एच० य० एफ० के कर्ता तथा सगीरो राजेन्द्र रत्नलाल और
योगेश कुमार रत्नलाल के बाली की हेसियत में, सचिन
हाउस के सामने, संग्रामपुरा, सूरत (अन्तरक)

(2) मैं नाथुभाई भानुभाई की ओर से उसके
सहियारी :

(1) मंदाराम नाथुभाई, (2) कालीदास नाथुभाई,
(3) श्रीबेराम नाथुभाई (4) जमियतराम नाथुभाई, मोपीपुरा,
मोरी छोपबाड़, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुली जमीन जिसका सर्वे नं० 25 एफ० पी० नं० 247
प्लाट नं० 3 पैकी कुल माप 2000 वर्ग गज है तथा जो
खरोदरा ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के दिसम्बर 1975 के रजिस्ट्री-
कृत लिखेख नं० 8487 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश नं० 413/ए० सी० क्य० 23-783/19-7/75-
76—अतः मुझे, पी० एन० मिस्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 68/2 पैकी है, तथा जो उधना
मगदला रोड, मजूरा, ता० चोरासी में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-11-
1975

को पूर्वोंवत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंवत्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखस में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्री मनीषेन, ठाकोरभाई कांजीभाई पटेल की
विधवा, कंचन लाल ठाकोर दास पटेल, हसमुख लाल कांजी भाई
पटेल, बेनीबेन हसमुखलाल पटेल, नटवरलाल हसमुखलाल
पटेल, हीरा मोदी घोरी, सग्रामपुरा, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री नरोत्तमदास लक्ष्मण भाई पटेल 1/97, सनमिल
रोड, मगन बाग, लोबर परेल, बम्बई-13 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंवत्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंवत्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

रपट्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं नं० 68/2 पैकी कुल माप
5022 वर्ग गज है तथा जो उधना मगदला रोड, मजूरा,
ता० चोरासी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सूरत के नवम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 7078
में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिस्त्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 23-6-1976

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश नं० 414/ए० सी० क्य० 23-783/19-7/75-
76—अतः मुझे, पी० एन० मित्तल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 68/2 पैकी है तथा जो उधना-मगदला रोड, मजूरा ता० चोरासी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मनोबेन, ठाकोरभाई कांजीभाई पटेल विधवा; कंचनलाल ठाकोरदास पटेल, हसमुखलाल कांजीभाई पटेल, वानीभाई हसमुखलाल पटेल, नटवरलाल हसमुखलाल पटेल, हीरा मोदी शेरी, सग्रामपुरा, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री नरोत्तमदास लक्ष्मणभाई पटेल 1/97 सुनमील रोड, मगनबाग, लोवर परेल, बम्बई-13 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 68/2 पैकी कुल माप 5021 बर्ग गज है तथा जो उधना-मगदला रोड, मजूरा, ता० चोरासी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7077 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जन 1976

निर्देश नं० 415/एसीक्य० 23-784/19-7/75-76—
अतः मझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 92, 98/2 और न्य० नं० 13/168/डी० पैकी खुली जमीन है तथा जो मजुरी भातार रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
8-186GI/76

(1) श्री मनहरलाल गोरखनदास कड़ीबाला, जुड़ा शेरी, सग्रामपुरा, सूरत
(अन्तरक)

(2) श्रांतिकुंज को० आ० हाउसिंग सोसायटी लि० एच०-३ आर्द्ध नगर सोसायटी, अठवा लाईन्स सूरत सूरत की ओर से उसके :

चेयरमैन : लल्लुभाई गांडाभाई नायक, आनंद नगर सोसायटी, सग्रामपुरा, सूरत

आ० सेक्रेटरी : मृदुला बेन गुणवंतराय बाणी, महादेव नगर सोसायटी, सग्रामपुरा, सूरत,

कमेटी मेम्बर : रामचन्द्र छगनलाल देसाई, अठवा लाईन्स, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका पुराना सं० नं० 92-98/2 है तथा जो वार्ड नं० 13/168-बी० पैकी मजुरा भातार रोड, सूरत में स्थित है तथा जिसका कुल माप 1570 वर्ग मीटर अर्थात् 1877.72 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7356 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 25-6-1976

मोहर :

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०----

(1) श्री रमणभाई जीवनभाई कोसमेडा, ता० कामरेज॑
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 23 जून, 1976

निर्देश नं० 416/ए सी क्य० 23-785/19-7/75-76—
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-थ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० स० नं० 78-1 पैकी खुली जमीन है तथा
जो फुलपाडा जिला : सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 17-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरिति की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) जय गंगेश्वर को० आ० हाउसिंग सोसायटी
की ओर से उसके :

प्रमुख : गिजभाई नारायणभाई,

सेकेटरी : शिवप्रसाद चुनीसाल,

मारफत : गंगेश्वर प्रिंटिंग प्रेस, मारफतिया कंपाउंड,
स्टेशन रोड, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासंबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, जिसका सं० नं० 78/1 पैकी कुल माप
2299 वर्ग गज है तथा जो फुलपाडा, कारंज, जिला सूरत
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर
1975 के रजिस्ट्रीकृत विलोख नं० 7552 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1976

निर्वेश नं० 417/ए सी क्र० 23-785/19-7/75-
76—अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० सं० 78-1 पैकी खुली जमीन है तथा जो
फुलपाड़ा जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 17-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रमणभाई जीवनभाई, कोसमेडा, ता० कामरेज
(अन्तरक)

(2) जय गोपेश्वर को० आ० हाउसिंग, सोसायटी की
ओर से उसके :

प्रमुख : गिरुभाई नारायणभाई,

सेक्रेटरी : शिवप्रसाद चुम्लीलाल,

मारकंत : गंगेश्वर प्रिंटिंग प्रेस मारकंतिया कंपाउंड,
स्टेशन रोड, सूरत (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 78/1 पैकी कुल माप
2299 वर्ग गज है तथा जो फुलपाड़ा, कारंज, जिला सूरत
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सूरत के नक्शार
1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7551 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्रूप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश नं० 418/ए सी क्य० 23-785/19-7/75-76—अतः मुझे पी० एन० मित्तल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 78-2 पैकी खुली जमीन है तथा
जो फुलपाड़ा, जिला सूरत में स्थित है (और इसे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 17-11-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का एवं ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डाह्याभाई कसनजी, धनसुखभाई डाह्य
के कुलमुखतार, केसमेडा, ता० कामरेज (अन्तरक)

(2) जय गंगेश्वर को० आ० हाउसिंग सोसायटी
की ओर से उसके:
प्रेसीडेंट: गिजुभाई नारायणभाई,
सेक्रेटरी: शिवप्रसाद चुनीलाल,
मारफत: गंगेश्वर प्रिटिंग प्रेस, मारफतिया कंपाउंड,
स्टेशन रोड, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 78/2 पैकी कुल माप
2299 बर्ग गज है तथा जो फुलपाड़ा, कारंज जिला सूरत
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर
1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7553 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 23-6-1976

मोहर:

प्रख्याप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश सं० 419/ए० सी० क्य० 23-785/19-7/75-76—अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 78-2 पैकी खुली जमीन है तथा जो फुलपाडा, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डाह्याभाई कसनजी, श्री धनसुखभाई डाह्या भाई के कुल मुखतार, कसमेणा, ताठ कामरेज (अन्तरक)

(2) श्री जय गंगेश्वर को० आ० हाउसांग सोसायटी की ओर से उसके:

प्रेसीडेंट : गिजुभाई नारायणभाई,
सेक्रेटरी : शिवप्रसाद चनोलाल,
मारफत : गंगेश्वर प्रिंटिंग प्रैस,
मारफतिया कंपाऊंड, स्टेशन रोड, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 78/2 पैकी कुल माप 2299 वर्ग गज है तथा जो फुलपाडा, कारंज, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवेम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7554 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश नं० 420/ए० सी० क्य० 23-785/19-7/75-
76—अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 78-3 पैकी खुली जमीन है तथा
जो फुलपाडा, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. श्री केवलभाई खाशालीभाई, कसमाडा, तां० का०
(अन्तरक)

2. जय गंगेश्वर को० श्रा० हाऊसिंग सोसाइटी की ओर
से उसके :

प्रेसीडंट : गिजुभाई नारायणभाई,
सेक्रेटरी : शिवप्रसाद चुनीलाल,
मारफत : गंगेश्वर प्रिंटिंग प्रेस,
मारफतिया कंपाऊंड, स्टेशन रोड, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसि
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 78-3 पैकी 2249 वर्ग
गज है तथा जो फुलपाडा, कारंज, जिला सूरत में स्थित
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर 1975
के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7547 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्रूल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश नं० 421/ए० सी० क्य० 23-785/19-7/75-76—उक्तः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 78-3 पैकी खुली जमीन है तथा जो फुलपाड़ा, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्तरः, जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री केवलभाई खुशालभाई, कोसमेडा, ता० कामरेज (अन्तरक)

(2) श्री जय गंगेश्वर को० आ० हाउसींग सोसायटी की ओर से उसके :

प्रेसीडेंट : गिजुभाई नारायणभाई,

सेक्टरी : शिव प्रसाद चुनीलाल,

मारफत : गंगेश्वर प्रिंटिंग प्रेस, मारफतिया कंपाउंड,

स्टेशन रोड, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 78-3 पैकी कुल माप 2228 वर्ग गज है तथा जो फुलपाड़ा, कारंज, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7548 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश नं० 422/ए० सी० क्य० 23-785/19-7/75-
76—अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 78-4-5 पैकी खुली जमीन है तथा
जो गांव फुलपाडा, जिला सूरत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य 'आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री 1. हसमुखभाई खुशालभाई, कसमाडा, झंगा०
कामरेज

2. भगाभाई मूलजीभाई, कसमाडा, ता० कामरेज (अन्तरक)

(2) श्री जय गंगेश्वर को० आ० हाउसींग सोसायटी
की ओर से उसके :

प्रेसीडेंट : गिजुभाई नारायणभाई,

सेक्रेटरी : शिव प्रसाद चुनीलाल,

मारफत : गंगेश्वर प्रिंटिंग प्रेस मारफतिया कंपाऊंड,
स्टेशन रोड, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 78-4-5 पैकी कुल माप
2369 वर्ग गज है तथा जो फुलपाडा, कारंज, जिला सूरत
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर
1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7544 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1976

निदेश सं० 423/ए० सी० अ० 23-785/19-7/75-76:—
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या नं० 78-4-5 पैकी खुली जमीन है, तथा जो फुलपाड़ा, जिला सूरत में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पद्धति से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा के (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

9-18601/76

1. श्री हसमुखभाई खुशालभाई कसमाडा, ता० कामरेज
2. भगाभाई मूलजी भाई कसमाडा, ता० कामरेज
(अन्तरक)
- (2) श्री जय गंगेश्वर को० आ० हाऊसिंग सोसायटी की
की ओर से उसके :—
प्रेसीडेंट : गिजुभाई नारायणभाई
सेक्रेटरी : शिव प्रसाद चुनीलाल
मारफत : गंगेश्वर प्रिंटिंग प्रेस मारकतिया कंपाउंड
स्टेशन रोड, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसकी सं० नं० 78-4-5 शूपैकी कुल माप
2374 वर्ग गज है तथा जो फुलपाड़ा, कारंज, जिला सूरत,
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर
1975 के रजिस्ट्रीकृत विलोख नं० 7545 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जन 1976

निर्देश सं० 424 /ए० सी० क्य० 23-785/19-7/75-76:—
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थाष्ठान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 78-4-5 पैकी खुली जमीन है, तथा जो गांव फुलपाड़ा, जिला सूरत में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1975
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और ! अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री हसमुखभाई खुशाल भाई कसमाड़ा, ता० कामरेज०
2. भगाभाई मूलजी भाई कसमाड़ा, ता० कामरेज०
(अन्तरक)
- (2) श्री जय गंगेश्वर को० आ० हाउसिंग सोसायटी
की ओर से उसके :—
प्रेसीडेंट : गिजुभाई नारायणभाई
सेन्ट्रेटरी : शिवप्रसाद खुनीलाल
मारफत : गंगेश्वर प्रिंटिंग प्रेस मारफतिया कंपाउंड
स्टेशन रोड, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्ठान सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नम्बर, 78-4-5 पैकी कुल माप
2396 वर्ग गज है तथा जो फुलपाड़ा, कारंज जिला सूरत में स्थित
है। जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर, 1975
के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7546 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्रहृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1976

मिदेश नं. 425/ए० सी० क्य० 23-785/19-7/75-76:—
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 80-2 पैकी खुली जमीन है,
तथा जो फुलपाड़ा, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपायद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 17-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 वा की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डाह्याभाई कसनजी, नीरभाई कसनजी के कुल
मुख्तार, कोसमेडा, ता० कामरेज
(अन्तरक)

(2) श्री जय गंगेश्वर को० आ० हाउसिंग सोसायटी
की ओर से उसके :—

प्रेसीडेंट : गिजुभाई नारायणभाई

सेक्टरी : शिवप्रसाद झुनीलाल

मारफत : गंगेश्वर प्रिंटिंग प्रेस मारफतिया कपाड़ड
स्टेशन रोड, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 80/2 पैकी कुल माप 1331
वर्ग गज तथा जो फुलपाड़ा, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर, 1975 को रजिस्ट्री-
कूट विलेख नं० 7549 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 जून 1976

निकेश नं० 426/ए० सी० क्य० 23-785/19-7/75-76:—

अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 80-2 पैकी खुली जमीन है, तथा जो फुलपाड़ा, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डाह्याभाई कसनजी, नीरभाई कसनजी के कुल मुख्तार कोसमेडा, ता० कामरेज
(अन्तरक)

(2) श्री जय गंगेश्वर को० आ० हाउसिंग सोसायटी की ओर से उसके :—

प्रेसीडेंट : गिजुभाई नारायणभाई

सेक्रेटरी : शिवप्रसाद चुनी लाल

मारफत : गंगेश्वर प्रिंटिंग प्रेस मारफतिया कपाउंड स्टेशन, रोड सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से विसी व्यवित्रित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध विसी अन्य व्यवित्रित द्वारा, अधोहृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टाकरण :— इसमें प्रदृश शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय ११-के अधिकारित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 80/2 पैकी कुल माप 1331 बर्ग गज है तथा जो फुलपाड़ा, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के नवम्बर, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7550 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख : 23-6-1976
मोहर :

प्रलृप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II-, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 76

निर्देश सं० पी० आर० नं० 428 :—यतः मुझ, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3341/1, 3341/3, 3341/5, 3346/1, 3342/ए० तथा 3342/बी० कक्ष क्षाण-पट्टी तथा हीरजी पट्टी है, जो नेशनश हाई बे नं०-8, नडीयाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडीयाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन कार्यालय नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दिं प्रीन्सपाल ओफीसर सेमा प्रा० लि०
(अब सेमा लि० से प्रख्यात है) 24, ब्रेल्वी सैयद
अब्दुल्ला रोड, बम्बई-400001

(अन्तरक)

(2) दिं प्रीन्सपाल ओफीसर, पावर कैबल्स प्रा० लि०
(अब एपार प्रा० लि० से प्रख्यात है) 24 ब्रेल्वी
सैयद अब्दुल्ला रोड, बम्बई-400001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट (जो बांध काम सहित है) जिसका कुल क्षेत्रफल 12 एकड़, 25 गुणा है तथा जिसका सर्वे नं० 3341/1, 3341/3, 3341/5, 3342/ए० 3332/बी० तथा 3346/1 है तथा जो काकड़ खाड़ तथा हीरजी पट्टी, नेशनल हाई बे नं० 8 पर, नडीयाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण, नवम्बर, 1975 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 1456 में दिया गया है।

पी० एन० मिस्स
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 13-7-76

मोहर :

प्र० प्र० श्रीमद् दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई, 1976

निवेश सं० पी० आर० नं० 429—यतः मुझे, पी० एन०-
मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 3341/2, तथा 3341/4 काकड़ खाड
तथा हीरजी पट्टी, है, जो नेशनल हाई वे नं० 8, नडीयाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नडीयाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, नवम्बर, 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्वमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविकार्यों, अर्थात् :—

(1) दि० प्रत्येषुल श्रीफीसर, सेमा प्रा० लि०
(अब सेमा लि० के नाम से प्रख्यात है) 24, ब्रेल्जी
सैयद अब्दुल्ला रोड, बम्बई-400001
(अन्तरक)

(2) दि० प्रत्येषुल श्रीफीसर, पावर कैबल्स प्रा० लि०
(अब एपार प्रा० लि० के नाम से प्रख्यात है) 24, ब्रेल्जी सैयद अब्दुल्ला रोड, बम्बई-400001
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदत्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट (जो बांध काम सहित है)
तथा जिसका सर्वे नं० 3341/2 तथा 3341/4 है तथा जिसका
कुल क्षेत्रफल 1 एकड़ 8 गुंठा है तथा जो काकड़ खाड़, हीरजी
पट्टी, नेशनल हाई वे नं० 8 पर नडीयाद में स्थित है तथा जिसका
पूर्ण विवरण नवम्बर, 1975 वाले विक्री दस्तावेज नं० 3953
में दिया गया है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 13-7-76

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई, 76

निदेश सं० ऐ० सी० क्य० 23-I-820(444)/2-1/75-76-
यतः मुझ, जे० कथूरिया आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० रिवेन्यू सर्वे नं० 1113, तथा 1114
है, जो अमरेली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमरेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 12-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतु :—

(1) मैसर्स एशियन इंडस्ट्रीज (इंडिया) की ओर से
भागीदार श्री रमेश चन्द्र शामजी तथा अन्य अमरेली
(अन्तरक)

(2) मैसर्स देवहूत इंडस्ट्रीज, जी ओर से भागीदार श्री
रावजीभाई कर्मशी पटेल, भावनगर रोड, पोस्ट
ब्रॉडवे नं० 32, अमरेली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं
वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 44165
वर्ग गज है तथा जिसका रिवेन्यू सर्वे नं० 1113 तथा 1114
है तथा जो अमरेली में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1,
अहमदाबाद

तारीख : 13-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

म्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 76

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-829 (445)/16-3/75-76

—यतः मुझे, जै० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 वाँ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० बाई लेन पर, घेटा बाला प्लाट में, है,
जो जेतपुर डिस्ट्रीक्ट राजकोट। में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टरीकर्ट प्राधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-75
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वाँ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 वाँ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहणतः:—

(1) श्री नर्सी दास गांगजी, फूलवाड़ी, जेतपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री जयकुवर विनोद राय, सांकड़ी ग्रामी नाका,
जेतपुर।

(अन्तरिती)

(3) श्री जय राधेश्याम डाइंग एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स, जेतपुर
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1227-1 वर्गज भूमि पर स्थित
है तथा जो बाई लेन पर, घेटाबाला प्लाट, जेतपुर, डिस्ट्रीक्ट,
राजकोट में स्थित है।

जै० कथूरिया;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I,
अहमदाबाद

तारीख : 13-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-869 (446) / 1-1/75-76
—यतः मुझे, ज० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 124-2, तथा 125-1, एफ०
पी० नं० 39, सब प्लाट, नं० 1-सी०, टी०पी० एस० -8 है,
जो दरीयापुर काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपावरु अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
29-11-75

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः यब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10-186GI/76

- (1) (1) श्री अविदभाई, नरोत्तमभाई, बेन मानिनी
ट्रेस्ट के द्रस्ट्री शाही बाग, अहमदाबाद ।
(2) श्री राजीव किशनचन्द्र बदलाणी, एलिस्ट्रिंज
अहमदाबाद : (अन्तरक)

- (2) प्रेम को० ओप० हाउसिंग सोसायटी की ओर से:—
प्रस्तावित

- (1) श्री शामसुन्दर चन्द्रलाल, दीपीका, को० ओप०
हाउसिंग सोसायटी, डकनाला, शाहीबाग,
अहमदाबाद ।
(2) राम अवतार द्वारका प्रसाद, मार्फत डी० एल०
एण्ड क०, बाम्बे मार्केट, क्रास लेन, अहमदाबाद ।
(अन्तरिती)

- (4) बेन मानिनी ट्रेस्ट के द्रस्ट्रीओ,
(1) श्री अरशिन्द भाई नरोत्तमभाई, शाहीबाग,
अहमदाबाद ।
(2) श्री श्रीणिक भाई कस्तुरभाई, शाहीबाग,
अहमदाबाद । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय ये दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट (जिसका लिंग तथा बांध
काम किया हुआ है) जिसका कुल क्षेत्रफल 3610 वर्गमीटर
है तथा जिसका सर्वे नं० 124-2, 125-1, फायनल प्लाट नं०
39, सब प्लाट नं० 1-सी०, टी०पी० एस० 8, है तथा जो दरीया-
पुर-काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I
अहमदाबाद

तारीख : 13-7-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई, 76

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1081 (447) /1-1/-75-
76—यतः मुझे, जै० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फायल प्लाट नं० 166, सब प्लाट
नं० 3, टी० पी० एस० नं० 3, है, जो गुजरात हाई कोर्ट रोड,
मेट्रो कैर्मिशियल सेन्टर अहमदाबाद। में स्थित है (और इससे
उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त सम्पत्ति के अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-क के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हाऊस आफ बैनीफिट (प्रा०) लि० मालिक मैसैस
एन० बी० एण्ड क०, की ओर से :—
डायरेक्टर श्री नानक साधूराम खियाणी, 587,
जवाहर कालोनी, सरदारनगर, अहमदाबाद
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलाबेन नरोत्तम दास पटेल, 16, फेन्डस
कालोनी, नारणपुरा, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राद्धेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो ओफस नं० 5 है तथा मेट्रो कैर्मिशियल सेन्टर में पहली मंजिल पर स्थित है तथा जो गुजरात हाई कोर्ट रोड पर, अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 13-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जूलाई 76

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1082 (448) /1-1/-
75-76 :—यतः मुझे, जे० कथूरिया;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 166, सब प्लाट नं० 3, टी० पी० एस० नं० 3 है, जो गुजरात हाई कोर्ट रोड, मेट्रो कैमरियल सेन्टर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में; मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) हाऊस आफ बेनीफिट (प्रा०) लि० मालिक मैसर्स एन० बी० एण्ड कं०, की ओर से :—
डायरेक्टर श्री नानक साधूराम खियाणी, 587
जवाहर कालोनी, सरदार नगर, अहमदाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री बिपिनचन्द्र भोगी लाल अमीन, 16 फॉन्डस
कालोनी, नारायणपुरा, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण——इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो ओफस नं० 6 है तथा मेट्रो कैमरियल सेन्टर में पहली मंजिल पर स्थित है तथा जो गुजरात हाई कोर्ट रोड पर, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 13-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

(1) श्री खोड़ाभाई मणीसाल पटेल, मेमनगर, अहमदाबाद
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1083 (449) /-1-/-
75-76 —यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 198, है जो मेमनगर अहमदा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्टर्कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 20-11-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व
में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरक्षियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्रीमती सूरजबन चूनीभाई पटेल, 5, दिनेश नगर
सोसायटी, नारपुरा, रेलवे ओसींग के पास, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 9½
गुणा है तथा जिसका सर्वे नं० 198 है तथा जो मेमनगर, अहमदा-
बाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1,
अहमदाबाद

तारीख : 13-7-76
मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—————

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1084 (450) 1-1/
75-76—यतः मुझे, जौ० कथूरिया,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 154-ए, 154-बी, है, जो नरोडा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से कुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थातः—

1. श्री मगनलाल राठोड़लाल पटेल, 2-बी, मस्कती मारकेट, अहमदाबाद
(अन्तरक)

2. मैसर्से शक्ति श्रिक्ष वर्क्स (फर्म), नया जी० वार्ड के पास, कुवेरनगर, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 10131 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 154-ए तथा 154-बी है तथा जो नरोडा, अहमदाबाद में स्थित है।

जौ० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख 13-7-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1976
निवेश सं० १० सी० क्य० 23-J-1085 (451) —यतः
मुझे जो० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लाट नं० 7 (भाग) तथा 8, ई० पी० न०.
70, 15 जागनाथ प्लाट, है, जो डाक्टर याजिक रोड के पूर्व में,
राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 17-11-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिघत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स वोराह कन्स्ट्रक्शन कं०, 7, जागनाथ प्लाट, राजकोट,
की ओर से :—

मैनेजिंग भागीदार, श्री नानालाल मकनजी वोरा,
(अन्तरक)

2. मैसर्स प्रशांत कन्स्ट्रक्शन कं०, की ओर से भागीदार
कापड़ मार्केट, राजकोट, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 634 वर्ग
गज है तथा जिसकी सब प्लाट नं० 7 (भाग) तथा 8 है ई० पी०
नं० 70, है तथा जो 15 जागनाथ प्लाट 42, डाक्टर याजिक रोड
के पूर्व में राजकोट में स्थित है।

जो० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

तारीख 13-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०—

1. श्रीमति संतोक बेन विधवा शानाभाई किशोरभाई भोडक-देव, तालुका, दसकोई, अहमदाबाद । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश मं० ए० सी० क्य० 23-I-1086 (452)/1-1/
75-76 :—यतः मुझे जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्व० नं० 242-1, है जो भोडकदेव, तालुका
दसकोई, अहमदाबाद में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 24-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप,
रा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. मैसर्स बी०पटेल एण्ड कं०, की ओर से भागीदार श्री वाबू
लाल गिरधरलाल तथा अन्य : देवांग सोसायटी, मजीनगर, अहमदा-
बाद । (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 0.33
गुंडा है तथा जिसका सर्व० नं० 242-1, है तथा जो भोडकदेव
तालुका दसकोई, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 13-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-881/453)/1-1/75-76

यतः मुझे जो० कशूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्व० नं० 9 (भाग), है, जो बैहरामपुरा रोड, दाणीलीमाडा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्त-सूची में और पूर्ण से वर्णित किया है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, [अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 14-11-75

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एफ० पटेल एंड क०, की ओर से भागीदारी श्री दशरथसाल फकीरभाई पटेल तथा अन्य दाणापीठ नवाबाद, अहमदाबाद ।
(अन्तरक)

2. जय भारत कबाई मारकेट, एसोसिएशन, बैहरामपुरा अहमदाबाद-22 की ओर से :

प्रमुख : श्री शामदास करम चंद, निहारिका पार्क के सामने, शांता मेनशन-2, पहली मजिस, बहाई सेंटर, शाही बाग, अहमदाबाद ।

सेक्रेटरी :—श्री कासमश्ली अबदुलगनी, खुरेशी ताजपुर, ताड नी शेरी, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 10222 वर्ग गज है तथा जिसका सर्व० नं० 9 (भाग) है तथा जो बैहरामपुरा रोड, दाणी लीमडा, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कशूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख 13-7-76

मोहर :

प्रूप्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1087 (454) 1/1/
75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 176, टी० पी० एस० नं०
29, है, जो नाराणपुरा चार रस्ता के पास, अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
29-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11—186GI/76

1. श्री दीनूभाई मगनलाल रावल, 26, मास्टर कालोनी,
शाहपुर दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद। (अन्तरक)।

2. न्यू मेघदूत को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी लि० 5/102,
सुन्दर नगर सीसायटी, नाराणपुरा चार रस्ता, अहमदाबाद की
ओर से :—

प्रमुख :—श्री रामभाई लानालाल पटेल,

सेकेटरी : श्री दिनेशकुमार प्रह्लादभाई अहमदाबाद।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 5445
वर्गगज है तथा जिसका एफ० पी० नं० 176 टी० पी० एस० नं०
29 है तथा जो नाराणपुरा चार तथा रस्ता, अहमदाबाद में स्थित
है तथा जिसकी विक्री दो निम्नलिखित दस्तावेजों द्वारा की गयी
है :—

नं०	सब प्लाट नं०	क्षेत्रफल	रजिस्टी नं०	तारीख
1	1	4500 वर्ग गज	19180	29-11-75
2	2	945 „ „	19189	29-11-75

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक 13-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1088(455)/1-1/75-
76 :—यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० ए० नं० 4304, 4305 तथा
4306, है, जो पांच कुवा, मिर्धा वाड़ कालपुर वाड़ नं० 1 अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
19-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स केस्वाणी बदर्स, की ओर से भागीदार :—

- (i) श्री एलदास भगवानदास केस्वाणी
- (ii) श्री गोपीचंद भगवानदास केस्वाणी
- (iii) श्री पूरण चन्द भगवानदास केस्वाणी,
- (iv) श्री वासुदेव परसराम केस्वाणी,
- (v) श्री पोकरदास द्वारकादास केस्वाणी

कट्टरी मरचंट्स, केस्वाणी बिल्डिंग, मिर्धा वाड, पांच कुवा,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार सुंदरदास वासवाणी, 10 तिलक नगर
सोमायटी, आश्रम रोड, वाडज, अहमदाबाद (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो कमरे जिनका खानगी नं० 2 तथा 3 हैं तथा जिसका कुल
क्षेत्रफल 15.43 वर्ग मीटर है तथा जो “परसराम चैम्बर्स” के नाम
से प्रख्यात है तथा जिसका सी० टी० एस० नं० 4304, 4305,
4306 तथा जो कालपुर वाड़ नं० 1, पांच कुवा, मिर्धा वाड,
अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक 13 जुलाई 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-885(456)/1-1/75-7—
यतः मुझे जे० कथुरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फाइनल प्लाट नं० 40, टी० पी० एस० नं०-7 है, जो खोखरा, मेहमदाबाद, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारंविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र आविस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. शारदावेन हिम्मतसाल शाह, शामला मी पोल, रायपुर, अहमदाबाद
(अन्तरक)

2. भलकेश्वर को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी (प्रस्तावित) की ओर से प्रोमोटर्स :—

1. श्री भरत कुमार कांतीलाल भावसार, मारफत: महेंद्र कुंज सोसायटी, खोखरा, मेहमदाबाद, अहमदाबाद
2. श्री बाडीलाल बेबलदास मोदी, स्टेट बैंक के पास, आस्टो-डीया रोड, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए कार्यकाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मनुष्यों

एक खुली जमीन घर्जा प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 4900 वर्ग गज है तथा जिसका फायदाल प्लाट नं० 40, टी० पी० एस० नं० 7, है तथा खोखरा, मेहमदाबाद, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथुरिया
सम्म स्प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 13 जुलाई 1976
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-887(457)/1-1
75-76:—यतः मुझे जै० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 195, सब प्लाट नं० 1 तथा
2 का (भाग) टी० पी० एस० नं० 41, है, जो शाही बाग, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 26-11-55

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गौतम साराभाई 2. सागीरा साराभाई । द्वाट
शाही बाग, असमादाबाद

3. श्रीमति लीना एम० मंगलदास, मंगलबाग एल्स ब्रिज,
अहमदाबाद, अम्बालाल साराभाई एस्टेट के जीवित एंजीक्यूटर्स
तथा ट्रस्टी :

2. साराभाई मैनेजमेंट कार्पोरेशन लि० शांती सदन, मिरजा-
पुर रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति () जो 4738. 38 वर्ग
मीटर भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 169, 172 तथा
173 फायनल प्लाट नं० 195 सब प्लाट नं० 1 तथा 2 का भाग,
टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो शाही बाग, अहमदाबाद में
स्थित है ।

जै० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 13 जुलाई, 1976

मोहरः :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निदेश सं० सी आर० 62/5123/75-76/ए० सी० क्य००/
बी०—अतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 65, 68, 69 व 70 है, तथा जो चंगलाटी गांव, जाल होब्ली, देवनहल्ली तालूक, बंगलूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रौदी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमति सुबम्मा, पत्नी स्व० बी० रामचन्द्र राव नं० 50/69 मोडल हाउस स्ट्रीट, बसवंगुडी, बंगलूर-4
2. बी० आर० अच्युत राव पुत्र स्व० बी० रामचन्द्र राव, नं० 371 VII क्रास मैन, VI मैन, एन० आर० कोलणी, बंगलूर-19
3. आर० ए० नरसिंह मूर्ति पुत्र बी० आर० अच्युत राव
4. पान्तला पुत्री बी० आर० अच्युत राव (प्रत्यक्षक) रक्षकर्ता बी० आर० अच्युत राव
5. बी० आर० प्रभाकर राव पुत्र बी० आर० रामचन्द्र राव
6. सक्षमीनारायण पुत्र बी० आर० प्रभाकर राव
7. बी० आर० कृष्ण पुत्र स्व० बी० रामचन्द्र राव, चिन्नदुर्गा।

8. हर्षा पुत्र बी० आर० कृष्ण (रक्षकर्ता बी० आर० कृष्ण)
9. बी० आर० प्रकाश पुत्र बी० रामचन्द्र राव
10. बी० आर० वेणुगोपाल पुत्र स्व० बी० रामचन्द्र राव (अंतरक)

2. श्री तरलबालु को-आपरेटिव हॉस्टिल एस्टेट लि० प्रतिनिधि :—एम० वसवराजप्पा पुत्र श्री सन्त मुरुगप्पा, नं० 341 राजमहल विलास एक्सटेंशन, बंगलूर-6

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2248/75-76 दिनांक 7-11-75)।
जमीन—23 एकड़ 12 गुंटास—सर्वे नं० 65, 68, 69 व 70 चंगलाटी गांव, जालहोब्ली तालूक, बंगलूर, जिला में स्थित।

सीमार्थ :—(1) सर्वे नं० 65—3 एकड़ 12 गुंटास पूर्व : श्रीमति गोरम्मा की जमीन

पश्चिम : सङ्क

उत्तर : मुनियम्मा की जमीन

दक्षिण : आवेदक की जमीन

(2) सर्वे नं० 68—4 एकड़-30 गुंटास

पूर्व : वसन्तस्या की जमीन

पश्चिम : सङ्क

उत्तर : आवेदक की जमीन

दक्षिण : सोन्नगानहल्ली यली

(3) सर्वे नं० 70—5 एकड़—28 गुंटास

पूर्व : सङ्क

पश्चिम : बंगलूर यली

दक्षिण : आवेदक की जमीन

उत्तर : मुनियम्मा की जमीन

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 29-4-1976

मोहर :

प्रस्तुति प्राई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 मई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5128/75-76/ए० सी० ₹५००/
बी०—अतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 98/सर्व० नं० 53 है तथा जो बोर्डेल रोड,
ब्हाईटफील्ड, बंगलोर सौथ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
बंगलूर सौथतालूक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 15-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

1. श्री आर० नागराजन नायर पुत्र राघवन पिल्लै, सूत्र
बैकर, एच० ए० एल० बंगलूर (कानपुर)

प्रतिनिधि : श्रीमति मेरी देवसिया

(अन्तरक)

2. श्रीमति हिमानी रोय पत्नि श्री सिद्धार्थ रोय
नं० 23 भक्तवार नारायण धाबोल खान रोड बंबई।

प्रतिनिधि : बी० अग्निहोत्रु

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

[वस्तावेज सं० 3243/75-76 ता० 15-11-75]

संपत्ति :—परिवर्तित जमीना—1 एकड़—गृहसहित नं० 98—
मनिविल्ला'—सर्व० नं० 53—भूखंड नं० 37—बोर बैल रोड,
ब्हाईट फील्ड, बंगलोर सौथ तालूक में स्थित।

गृह क्षेत्र :—9 स्कोर्पस।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर,

दिनांक : 21-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

अक्षयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 मई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5135/75-76/ए० सी० क्य०/
बी०—अतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 10-ए (नथा नं० 24) है, तथा जो म्युजियम रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के न्यूनतम प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269य के अनुसरण में, म, उक्त प्रधिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

- (1) 1. श्रीमति चन्द्र आई पत्नि स्व० के० आर० भवारिलाल जैन
2. आर० बी० हेमराज पुत्र स्व० के० आर० भवारिलाल जैन
3. श्री विमल चन्द्र जैन पुत्र स्व० के० आर० भवारिलाल जैन

4. कुमारी यशोदा बाई पुत्री श्री स्व० के० आर० भवारिलाल जैन

5. कुमारी कमला बाई पुत्री श्री स्व० के० आर० भवारिलाल जैन।

6. कुमारी मदन बाई पुत्री श्री स्व० के० आर० भवारिलाल जैन।

7. कुमारी जारा बाई पुत्री स्व० के० आर० भवारिलाल जैन।

4 से 7 (श्रावणस्क) रक्षकर्ता :—श्रीमति चन्द्र बाई नं० 61 पिल्लायर कोविल स्ट्रीट शूलै, बंगलूर-1।

8. श्री आर० बी० हेमराज—अपने को व परिवार के मैनेजर की हैसियत से। (अन्तरक)

2. एम० चैनराज पुत्र श्री मंगीलाल नं० 96-ईगणल रोड, विष्वेश्वरपुरम, बंगलूर-4 (अन्तरिती)

3. सर्जिमेंट (इंडिया) प्रतिनिधि : साक्षेदार ईश्वरदास मृद्घा, नं० 24, म्युजियम रोड, बंगलूर-1 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[वस्तावेज सं० 2420/75-76 ता० 12-11-75]

गृह नं० 10-ए० (पुराना नं०) नं० 24 (नथा नं०) का पश्चिमी आधा भाग, म्युजियम रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व : 30' 6"
पश्चिम : 45'

उत्तर : 30' 3"
दक्षिण : 27' 9"

सीमाएँ :—

पूर्व : गृह 10-एक का भाग
पश्चिम : म्युजियम रोड

उत्तर : श्रीमति फोरे का घर नं० 23 (पिटो का घर)

दक्षिण : बासप्पा की दुकान (नाई मुनिराम की दुकान)

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 21 मई 1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मई 1976

निदश सं० सी० आर० 62/5172/75-76/ए०सी०क्ष०/
बी०—अतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 13 (पुराना सं० नं० 60/2) है, तथा जो यशवन्तपुर-
गांव, भारपूरनपालय, राजाजी नगर, बंगलूर-10 में स्थित
है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर-10
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 17-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौत अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० मुनिबाचप्पा पुत्र स्व० चिकमाराघा
2. पद्मराजु } (अत्पव्यस्क)-प्रतिनिधि व रक्षकर्ता श्री पूरुष
3. जगदीश } मुनिवाचप्पा
नं० 2, II फ्रास, मोडल कोलनी, यशवन्तपुर, बंगलूर-22
(अन्तरक)

2. श्री बी० के० अनन्तराज शेट्टी पुत्र स्व० श्री कृष्णाय्य शेट्टी,
अगरबत्ती व्यापारी नं० 43/ए, एम० बी० समाज रोड, बसंगुडी
बंगलूर-4
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 3610/75-76 दिनांक 17-11-75]

गृह, अवस्थान नं० 13 पर (पहली सर्वे नं० 60/2, यशवन्तपुर
गांव) मरपूनपालय, राजाजी नगर, बंगलूर-10

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम—उत्तरी भाग—100'}
—,,— दक्षिणी भाग—84'} 3680 वर्ग फीट

उत्तर से दक्षिण : 40'

सीमायें :—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : चिकमुनिस्वाम्पा व बच्चों की संपत्ति

उत्तर : तिम्मम्पा व बच्चों की संपत्ति

दक्षिण : मैसर्स मैसूर मेटल रिफ़ेनरी की संपत्ति

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 28-5-1976

मोहर :

प्रेरणा प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5177/75-76/ए० सी०
क्षू०/भी०—ग्रतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

मीर जिसकी सं० 10-486 है, तथा जो अजीज़दीन, रोड, कसबा
बाजार गांव बन्दर, मंगलूर-1 में स्थित है (मीर इससे उपाबन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 10-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

12-186GI/76

1. श्री के० मोहम्मद पुत्र अब्दुल वारी, अजीज़दीन रोड
बन्दर, मंगलूर-1
(अन्तरक)

2. श्री एफ० अहमद पुत्र अब्दुल रहमान अजीज़दीन रोड,
बन्दर, मंगलूर-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यदाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 811/75-76 दिनांक 10-11-75]

बिना जोती-बोई खेती जमीन (गृह अवस्थान) नं० 10-486,
अजीज़दीन रोड, कसबा बाजार गांव बन्दर, मंगलूर 1।

आर० एस० नं० 1355-1/टी० एस० नं० 345-1।

किलम : बाग । क्षेत्रफल : 7 गुण्डास (पूर्वी खंड)।

गृह क्षेत्र : 1560 वर्ग फौट।

सीमाएँ :—

पूर्व : अजीज़दीन रोड

दक्षिण : सर्वे लाल्हन व जमीन टी० एस० नं० 344 व 340

पश्चिम : अब्दुल हमीद का गृह

उत्तर : सर्वे लाल्हन व जमीन टी० एस० नं० 317

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर,

दिनांक : 17 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 मई 1976

निदेश सं० सी० आर० 62/5178/75-76/ए० सी० आर०/बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 18-48 (18-2-22) है, तथा जो फलनीर, अन्तावर, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-11-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० सी० एफ० मस्करन्हास सुपुत्र स्वर्गीय ओलवर्ट मस्करन्हास, हंजीनियर स्टरोक रोड, मंगलूर

(अन्तरक)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 810/75-76 दिनांक 10-11-75)

बेखेती जमीन नं० 18-48 (18-2-22) अन्तावर गांव, फलनीर वार्ड, मंगलूर, (द० कान्ड) में स्थित।

आर० एस० नं० : 187—1

टी० एस० नं० : 30—1

किस्म : बाग

क्षेत्रफल : 29 सेंट्स।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बंगलूर।

दिनांक : 17-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मई 1976

निदेश सं० सी० आर० 62/5190/75-76/ए० सी० क्य००/
वी०—अतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2946/ई० (मत्या नं० 11) है, तथा जो मागडी रोड, कोई रोड एक्सटेंशन, बंगलूर-40 में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एन० केपेगोडा पुत्र एच० केम्पथ्या, नं० 1127
महूर टाउन, मंडया जिला।
(अन्तरक)

2. श्रीमति एम० आर० मंजुला पुत्री श्री एम० पी० रामारंध्या 1053, VII मैन रोड, होसहल्ली एक्सटेंशन, बंगलूर-40
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2344/75-76 दिनांक 10-11-75)

खाली अवस्थान नं० 11 (पुराना नं० 2946/ई०) मागडी रोड, कोट रोड एंड एक्सटेंशन, बंगलूर-40 (डिविजन नं० 21)

अवस्थान खेतफल :

पूर्व से पश्चिम : 89' } 4005
उत्तर से दक्षिण : 45' } वर्ग कोट

सीमाएं :

उत्तर : अवस्थान नं० 2945/ई०
दक्षिण : अवस्थान नं० 2947/ई०
पूर्व : अवस्थान नं० 2923/ई०
पश्चिम : सड़क

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर।

दिनांक : 28 मई, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जून 1976

निदेश सं० सी० आर० 62/5203/75-76/ए० सी० क्य०/
बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 141 है, तथा जो 16वाँ मैन रोड, IV ब्लाक,
जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में
और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 13-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वी० गणेश सिंग, पुत्र श्री ई० बजाजी सिंग, नं० 141
16वाँ मैन रोड, 'टी' ब्लाक, जयनगर बंगलूर-11।

(अन्तरक)

2. श्री वी० एन० शेषानन्दा सिंग पुत्र श्री वी० डी० नरसिंग
भान, अफसर, स्टेट बैंक आफ मैसूर, कुनिगल ब्रांच (कुनिगल
टाउन में रहने वाले) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2333/75-76 दिनांक 13-11-1975)

गृह नं० 141, 16वाँ मैन रोड, IV ब्लाक जयनगर 'टी'
एक्सटेंशन, बंगलूर-11।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 40'	2240
उत्तर से दक्षिण : 52', 6"	बर्ग फीट
गृह क्षेत्र : 8½ स्कोर्यर्स	

सीमाएं :

पूर्व : 16वाँ मैन रोड
पश्चिम : अवस्थान नं० 142
उत्तर : अवस्थान नं० 140
दक्षिण अवस्थान नं० 152

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 2 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जून 1976

निवेश सं० सी० आर० 62/5204/75-76/ए० सी० क्य००/
वी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 129 है, तथा जो VII मैन रोड, V ब्लाक, जय-
नगर बंगलूर-41 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 14-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० जी० तिम्मे गौडा, सुपुत्र स्वर्गीय बेंकटरमण
गौडा, बाजार स्ट्रीट, कनकापुरा टाउन, बंगलूर जिला।
(अन्तरक)
2. श्रीमति गिरिजा श्यामसुन्दर शेट्टी पत्नि श्याम सुन्दर शेट्टी
नं० 15 V मैन रोड, V ब्लाक जयनगर, बंगलूर-41
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2348/75-76 दिनांक 14-11-75)

खाली निवास अवस्थान नं० 129, VII मैन रोड, V ब्लाक, जय-
नगर बंगलूर-41।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 90'	4050
उत्तर से दक्षिण : 45'	वर्ग फीट

सीमाएँ :

उत्तर : अवस्थान नं० 130

दक्षिण : अवस्थान नं० 128

पूर्व : VII मैन रोड

पश्चिम : अवस्थान नं० 102

श्रीर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 2 जून 1976

मोहर :

प्रह्लप शाई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 2 जून 1976

निवेश सं० सी० आर० 62/5226/75-76/ए० सी०
क्य०/बी—अतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 101 है, तथा जो के० जी० व्यादरहली, बंगलूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 6-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भास्तीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति एस० के० वैदेही नं० 29, I ब्रास रोड, महलै-
श्वरम, बंगलूर-3
(अंतरक)

2. श्री जी० सत्येंद्रा, वर्कस मैनेजर, वाटर मैनेजर इंडस्ट्रीज
कं० लि० नासिक इंडस्ट्रीज एरिया, प्लाट नं० 75, सटपुर, नासिक-
422007 (महाराष्ट्र स्टेट)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधीरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2810/75-76 दिनांक 6 नवम्बर 75)

खाली निवास अवस्थान नं० 101 के० जी० वैदरहली
(विलियंस टाउन), बंगलूर (डिविजन नं० 46)

अवस्थान क्षेत्रफल : 50' × 75'—3750 वर्गफीट

सीमाएँ :

उत्तर : टी० एन० सुन्नत्यम की संपत्ति

दक्षिण : रहमान का गृह

पूर्व : सड़क

पश्चिम : निजी संपत्ति

श्रीमति एस० कृष्णामूर्ति
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 2 जून 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मई 1976

निकेश सं० सी० आर० 62/5227/75-76/ए० सी० क्य००/

वी—यतः मुझ आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जसकी सं० 323 (नया नं० 323/51 है, तथा जो XIV मैन रोड, राजमहल विलास एक्सटेंशन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपारद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी प्राधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता 6-11-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति शारदम्भा पत्नि श्री टी० रामथ्या नं० 176-VIII श्रास, V ब्लॉक, राजाजीनगर, बंगलूर-10 (अन्तरक)

2. के० एम० द्विकुमार, एम० डी० पुत्र डा० के० मंजुनाथ शट्टी, नं० 1480 ई, बुडवेड हाईट्स रोड, हजल, मिचिगन, यू० एम० ५०

प्रतिनिधि : एन० वजम शट्टी, नं० ९८ बुल टेंपुल रोड, वसंवगुडी, बंगलूर-४ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दहावेज सं० 2811/75-76 दिनांक 6-11-75)

कोने का खाली गृह अवस्थान नं० 323, नया मुनिसिपल नं० 323/51, 14बा० मैन रोड, राजमहल विलास एक्सटेंशन, बंगलूर, (डिविजन नं० 45-ए)

अवस्थान क्षेत्रफल

पूर्व से पश्चिम : 66', 8"

उत्तर से दक्षिण : 70' 4690 वर्गफीट

सीमायें :

पूर्व : Vth श्रास रोड

पश्चिम : अवस्थाहै नं० 322

उत्तर : अवस्थान नं० 270

दक्षिण : VII मैन रोड

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रोज-I, बंगलूर

दिनांक 28 मई 1976

मोहर :

प्र० प्र० श्री ए० आर० कृष्णस्वामी उर्फ ए० आर० कृष्णस्वामी
प्र० पुत्र स्व० अपूर्व कुडल ए० रामस्वामी अय्यर न० 15 ए०
IX छास, मल्लैश्वरम, बंगलूर-3।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 जून 1976

निवेश स० सी० आर० 62/5230/75-76/ए० सी० क्य०/वी—यतः, मुझे, आर० कृष्णस्वामी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी स० 15 है, तथा जो IX छास, वेस्ट पार्क रोड, मल्लैश्वरम, बंगलूर-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री ए० आर० कृष्णस्वामी उर्फ ए० आर० कृष्णस्वामी
प्र० पुत्र स्व० अपूर्व कुडल ए० रामस्वामी अय्यर न० 15 ए०
IX छास, मल्लैश्वरम, बंगलूर-3।
(अन्तरक)

2. श्री डी० ए० सुमतीकुमार पुत्र डी० के० नामिराजया,
न० 26, शेषाद्रि रोड, बंगलूर-9।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवृत्ति की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 2887/75-76 दिनांक 13-11-75)
गृह न० 15, IX छास, वेस्ट पार्क रोड, मल्लैश्वरम, बंगलूर का उत्तरी आधा भाग।

अवस्थान क्षेत्रफल

पूर्व से पश्चिम = 68'
उत्तर से दक्षिण = 41' 6" } 2822 वर्गफीट

गृह क्षेत्र :

गृह क्षेत्र : 13 स्कोर्यस

सीमायें :

पूर्व : वेस्ट पार्क रोड

पश्चिम : न० 25/ए, ए० के० बैंकटाचलपत्ती का घर

उत्तर : निजी संपत्ति

दक्षिण : गृह न० 15 का दक्षिणी आधा भाग जो डी० ए० नामराजया को बेचा है।

आर० कृष्णस्वामी
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 17-6-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 जून 1976

निदेश सं० सी० आर० 62/5231/75-76/ए०सी०क्य०/
बी० :—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, तथा जो वेस्ट पार्क रोड, IX क्रास,
मल्लेश्वरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गान्धीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन ता० 13-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—186G/76

(1) श्री ए० आर० कृष्णस्वामी उर्फ ए० आर० कृष्ण-
स्वामी अव्यर सुपुत्र स्व० अप्पु कुडल एस० राम-
स्वामी अव्यर नं० 15 ए०, IX क्रास, वेस्ट पार्क
रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3। (अन्तरक)

(2) श्री डी० एन० नागराजव्या सुपुत्र श्री डी० के०
नाभिराजव्या, नं० 26 शेषाद्री रोड बंगलूर-9।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2888/75-76 ता० 13-11-75)
गृह नं० 15, वेस्ट पार्क रोड, IX क्रास मल्लेश्वरम, बंगलूर
का दक्षिणी आधा भाग।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 68'
उत्तर से दक्षिण : 41. 6' } 2822 वर्गफीट

गृह क्षेत्र :—13 स्कोर्यस

सीमाएँ :—

पूर्व : वेस्ट पार्क रोड
पश्चिम : गृह नं० 26—आर० एन० मूर्ति का
उत्तर : गृह नं० 15 का उत्तरी आधा भाग जो डी०
एन० सुमतिकुमार को बेचा है।

दक्षिण : IX क्रास रोड

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 17-6-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मई, 1976

निर्वेश सं० सी० आर० 62/5234/75-76/ए०सी०क्य०/
बी० :—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति
ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है,

और जिसकी सं० 76-762 ' (नया मं० 252) है, तथा
जो ओ० टी० सी० रोड, चिकपेट, बंगलूर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीफर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरुपण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बावस उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती शान्तमा पत्नी स्व० बी० के० चन्द्रवीरस्स
- (2) बी० सी० किंडिंगश्पा गुप्त द्वा० बी० के० चन्द्रवीरस्स नं० 277 कब्दोणपेट, मैत रोड, बंगलूर (अन्तरक)
- (2) श्रीमति एल० गंगमा पत्नी श्री बी० आर० शिवन्ना, नं० 319 II फ्लोर, 6 ब्लाक, राजाश्रीनगर, बंगलूर-10 (अन्तरिती)
- (3) (1) मैसर्स॒ स्टेट इस्स्स
(2) मैसर्स॒ विशाल इस्स्स
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तावेज सं० 2917/75-76 ता० 15-11-75)

दूकान नं० 76-762 नया नं० 252 ओ० टी० सी० रोड
चिकपेट, बंगलूर

अवस्थान क्षेत्रफल : $10' \times 26' = 260$ वर्गफीट

गृह क्षेत्र : 260 वर्गफीट

सीमाएँ :—

पूर्व : ईश्वर टेंपुल दूकान

पश्चिम : जी० भवरसाल लोखण दूकान

उत्तर : ओ० टी० सी० रोड

दक्षिण : अटिवेले रुद्रप्पा की दूकान

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 28-5-76

मोहर :

प्रेरूप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 मई 1976

निदेश सं० सी० आर० 62/5256/75-76/ए० सी०क्य०-

बी० :—यतः मुझे, आरा० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 253/ए० है, तथा जो कनकापुरा, रोड
7 ब्लाक, जयनगर एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित है (श्री इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 27-11-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एस० सवाशिश्वराव सुपुत्र स्व० सप्ते बर्द्धोहस्ती
मुम्बाराव (किला) होलेनरासिपुर, हास्पन जिला
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० पी० मुजाता पत्नी श्री एम० पी०
देवराज 74/1 IV मैत रोड, एन० आर० कोलनी
बंगलूर - 19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2465/75-76 ता० 27-11-75)

खाली जमीन अवस्थान नं० 253/ए० कनकापुरा रोड
7 ब्लाक जयनगर, एक्सटेंशन, बंगलूर ।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 130'
उत्तर से दक्षिण : 67' } 8710 वर्गफीट

सीमाएँ :—

उत्तर : अब स्थान नं० 253/बी०

दक्षिण : अब स्थान नं० 253

पूर्व : अब स्थान नं० 250/ए०

पश्चिम : कनकापुरा रोड

प्रार० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 24-5-1976

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जून 1976

निर्देश सं० सी०आर० 62/5257/75-76/ए० सी० क्य०/-
भी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 96/13 है, तथा जो I आस, शंकरप्पा व्हाक, लक्ष्मानन्द्रा, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 28-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीत्र ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एन० रामचन्द्र नायुडु सुपुत्र नारायणस्वामी नायुडु, नं० 6/1 III आस, शामशा गार्डन, ब्रेरखट्टा रोड, बंगलूर-30

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० के० बीबी सुपुत्री स्व० इश्वराहिम खान नं० 27 पार्क एरिया, विल्सन गार्डन, बंगलूर-27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2485/75-76 ता० 28-11-75)

खाली निवास अवस्थान नं० 96/13 I आस, शंकरप्पा व्हाक, लक्ष्मानन्द्रा, बंगलूर (डिविजन नं० 36)

अवस्थान शेक्षणफल :—

पूर्व से पश्चिम : 40'	}	2400 वर्गफीट
उत्तर से दक्षिण : 60'		

सीमाएँ :—

पूर्व : अवस्थान नं० 97/14

पश्चिम : अवस्थान नं० 95

उत्तर : अवस्थान खुला नाला

दक्षिण : सङ्क

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 2-6-1976

मोद्दूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 17 जून, 1976

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/5261/75-76/ए० सी०व्यू०/
बी० :— यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति
सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
‘इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’, कहा गया है), की धारा 269व,
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है तथा जो केपन्ना रोड, जय भारती
नगर बंगलूर-33 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजीनगर, बंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 17-11- 1975
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती गौरमा पत्नी मुनिस्वाम्पा नं० 26
जी० नं० 10 वां स्ट्रीट, अल्सूर, बंगलूर-8 (अन्तरक)

(2) (1) श्री गोविन्दद्या उर्फ केशव सुपुत्र मुनिस्वामी
(2) श्रीमति के० वरलक्ष्मी पत्नी श्री गोविन्दद्या
उर्फ केशव नं० 9 केपन्ना रोड, जयभारती नगर,
बंगलूर-33
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त
अधिनियम’ के अध्याय 20क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2474/75-76 ता० 17-11-75)

गृह नं० 9, केपन्ना रोड, जयभारती नगर, बंगलूर-33
(दिवीजन नं० 49) -भूखण्ड नं० 9 पर बनाया हुआ :—

जोड़ी लिंगराजपुरम गांव, मार्स्टी सेवानगर, कसबा होड्ली,
बंगलूर तालूक में स्थित ।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व : 60'	}
पश्चिम : 63'	
उत्तर : 49'	
दक्षिण : 49'	

3013 वर्गफीट ।

गृह क्षेत्र :—

1 स्कोपर -आर० सी० सी०	}
19 स्कोपर्स मंगलूर खपरेल बाला धन	

20 स्कोपर्स

सीमाएँ :—

पूर्व : सड़क	}
पश्चिम : भूखण्ड नं० 12	
दक्षिण : सड़क	
उत्तर : भूखण्ड नं० 8	

आर० कृष्णमूर्ति
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 17-6-1976

मोहर :

प्रूप आई ० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5262/75-76/ए०सी०क्य०/-
बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 40 (पुराना नं० 8) है, तथा जो विधि-
यानी रोड, रिचर्ड्स टाउन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी
के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 17-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती बीबी खुर्शीद ताज बीगम पत्ती एम० के०
शानवाज साहिब, नं० 43-ए अटलास अपार्टमेंट्स,

II हार्कनस रोड मलबार हिल, बंबई फिलहाल
मार्फत बीबी हुमा बीगम, मं० 17 लायडस रोड,
कूक टाउन, बंगलूर-5 (अन्तरक)

2 (1) श्री मोहम्मद सामियुल्ला उर्फ बधीर सुपुत्र
मोहम्मद फकुल्ला साहिब

(2) एल० अहमदुल्ला खान सुपुत्र एम० ए०
सत्तार खान साहिब नं० 40 विवियानी रोड, रिचर्ड्स
टाउन, बंगलूर-5 (अन्तरिती)

4 (1) मोहम्मद सनाउल्ला उर्फ अमीर

(2) मोहम्मद करीमुल्ला उर्फ राफिक

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए
जा सकेंगे ।

स्थलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अमूसूची

[दस्तावेज सं० 2476/75-76 ता० 17-11-75]

संपत्ति 'लेन बेथल' का उत्तर पूर्वीय भाग कारपोरेशन नं०
40 (पुराना न० 8), विवियानी रोड, रिचर्ड्स टाउन (कारपो-
रेशन डिविजन नं० 48) बंगलूर, में स्थित ।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

उत्तर से दक्षिण : 58' 6" }
पूर्व से पश्चिम : 60' 6" } 3550 वर्गफीट

गृह क्षेत्र :— 460 वर्गफीट

सीमाएं :

उत्तर : विवियानी रोड

दक्षिण : मोहम्मद सनाउल्ला व अन्य को बेचा दक्षिण पूर्व भाग

पूर्व : गृह नं० 39 विवियानी रोड

पश्चिम : ए० के० सिद्धिकी हनीफ की व अन्य को बेची
सम्पत्ति का भाग ।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 4-6-1976

मोहर :

प्रह्लप प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5263/75-76/ए० सी० क्य०
बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० 40 (पुराना नं० 8) है, तथा जो विवि-
यानी, रोड, रिचर्ड टाउन, बंगलूर, में स्थित है (और इसे
उपायद्रव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 17-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पछाह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उसते अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

- श्रीमती बीबी खुर्शीद ताज बेगम पत्नी एम० के०
शानवाज साहिब नं० 43 प० अटलास अपार्टमेंट्स
II हारकनस रोड, मलबार हिल्स, बंगलूर - 6 फिल-
हाल मार्फत बीबी हुमा बेगम, नं० 17 लीयडस
रोड, कूक टाउन, बंगलूर - 5 (अन्तरक)

2. (1) मोहम्मद सनाउल्ला उर्फ श्रीमीर सुपुत्र मोहम्मद
फखरुल्ला साहिब (2) मोहम्मद करीमुल्ला उर्फ
रफीव सुपुत्र मोहम्मद फखरुल्ला साहिब, नं० 40,
(पुराना नं० 8) विवियानी रोड, रिचर्ड टाउन,
बंगलूर - 5 (अन्तरिती)

4. (1) मोहम्मद समियुल्ला उर्फ बरीर
(2) एम० श्रहमदुल्ला खान
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो हस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्द है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2475/75-76 ता० 17-11-75]

"म्लेन ब्यैल" सम्पत्ति नं० 40 (पुराना नं० 8), विवियानी
रोड, रिचर्ड्स टाउन, बंगलूर (डिविजन नं० 8)

अवस्थान क्षेत्रफल :—

उत्तर : 58'. 6"	}
दक्षिण : 62'	
पूर्व : 60'. 6"	
पश्चिम : 43'+ 7'. 6"	

3852 वर्गफीट

सीमाएँ :—

उत्तर : मोहम्मद समियुल्ला को बेची संपत्ति का उत्तरी
पूर्व भाग।

दक्षिण : कोणसर्वेन्सी लेन।

पूर्व : गूह नं० 39 विवियानी रोड।

पश्चिम : एन० उलगनायन, हनीफा बी व अन्य को बेची
संपत्ति का भाग।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 4-6-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून 1976

निर्देश सं० सी०आर० 62/5264/75-76/एम्य०/बी०

—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 40 (पुराना न० 8) है, तथा जो विविधानी रोड, रिचर्ड्स टाउन, बंगलूर-5 में स्थित है, (और इससे उपावद्ध प्रनुभुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों; को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बीबी खुशीद ताज बेगम पत्नी एम० के० शानवाज साहिब, न० 43-ए, अटलास अपार्टमेंट्स, 11 हार्केन्स रोड, मल-

बार हिल, बंबई फिलहाल मार्फत बीबी हुमा बेगम, न० 17, लायड्स रोड, कूक टाउन, बंगलूर-5। (अन्तरक)

2. श्री ए० के० सिद्धीखी पुत्र स्व० अब्दुल अजीज सिद्धीखी, न० 11-4-634, पिश्चर हाउस रोड, ए० सी० घाट्स, हैदराबाद, फिलहाल न० 218 ओ० पी० एच० रोड, बंगलूर। (अन्तरिती)

3. (1) मोहम्मद सनाउल्ला उर्फ अमीर

(2) मोहम्मद सामियुस्ला उर्फ बशीर

(3) मोहम्मद करीमुल्ला उर्फ रफीक

(4) एस० अहमदुल्ला खान

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2478/75-76 दिनांक 4-6-76)
कोने में खाली अवस्थान—'लेन बेथल' नामक संपत्ति का भाग—कोरपोरेशन न० 40 (पुराना न० 8), विवानी रोड, रिचर्ड्स टाउन, बंगलूर-5 (डिवीजन न० 48)।

अवस्थान क्षेत्रफल :

उत्तर : 47'. 6"	}
दक्षिण : 47'. 6"	
पूर्व : 53'. 6"	
पश्चिम : 43'. 6"	

2066 वर्ग फुट

सीमाएँ :

उत्तर : विविधानी रोड

दक्षिण : श्रीमती हनीफा बी व अन्य को बेची संपत्ति का भाग

पूर्व : मोहम्मद सामियुल्ला उर्फ बशीर व अन्य को बेटी संपत्ति का पूर्वी भाग।

पश्चिम : कूकसण रोड।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, बंगलूर

तारीख : 4-6-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूरु. दिनांक 4 जून 1976

निवेश में० मी०आर० 62/5265/75-76/ए क्य०/वी—
यतः मुझे, आर० बृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 40 (पुराना नं० 8) है, तथा जो विवियानी रोड,
रिचर्ड्स टाउन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 17-11-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती बीबी खुर्शीद ताज बेगम पत्नी श्री एम० के०
शानवाज साहिब, नं० 43-ए अट्लास अपार्टमेंट्स, हरकली रोड,
मलबार हिल्स, बम्बई-6 फिलहाल मार्फत बीबी हुमा बेगम, नं०
17, लायड्स रोड, कूक टाउन, बंगलूर-5। (अन्तरक)

14-186GI/76

2. (1) श्रीमती हनीफा बी० पत्नी स्व० ग्रन्डुल गफार
साहिब (2) मुर्वेदा प्राह्लाद पत्नी मोहम्मद इब्राहीम नं० 40
विवियानी रोड, रिचर्ड्स टाउन, बंगलूर-5। (अन्तरिती)

- (1) मोहम्मद सनाउल्ला उर्फ अमीर
- (2) मोहम्मद मियूल्ला उर्फ बशीर
- (3) मोहम्मद करीमुल्ला उर्फ रफीक
- (4) एम० ग्रहमदुल्ला खान

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 2479/75-76 दिनांक 7-11-75)

'ग्लेन ब्रेथल' नामक संपत्ति का भाग—कारपोरेशन नं० 40
(पुराना नं० 8) विवियानी रोड, रिचर्ड्स टाउन, बंगलूर-5
(डिवीजन नं० 48)

अवस्थान क्षेत्रफल :

उत्तर : 47'. 6"	} 2120.5 वर्गफीट
दक्षिण : 45'. 6" + 2'	
पूर्व : 34'. 6" + 10'. 6"	
पश्चिम : 45'	

गृह क्षेत्र :—870 वर्गफीट

सीमाएँ : उत्तर : ए० के० सिटीबी को बेची जमीन का भाग ।

दक्षिण : एम० उलगनाथन को बेची संपत्ति का भाग ।

पूर्व : सनाउल्ला व अन्य को बेची सम्पत्ति का भाग ।

पश्चिम : कूकसन रोड ।

श्रीरा० बृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 4-6-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17-6-1976

निदेश सं० सी०आर० 62/5266/75-76/ए० सी० क्य०/

B—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 75 (पुराना नं० 82) है, तथा जो ब्रिगेड रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती रामलक्ष्मा पत्नी वी० वी० वरदराजू, डेविटोपेट, चिकबल्लापुर, कोलार जिला।

(अन्तरक)

2. श्री बद्धीर परीफ पुत्र अव्वुल वहाब साहिब नं० 86 ब्रिगेड रोड, अशोकनगर, सिविल स्टेशन, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2499/75-76 दिनांक 18-11-75]

अवस्थान पुराने गृह के साथ (पुराना नं० 82) नया नं० 75 ब्रिगेड रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 63'

उत्तर से दक्षिण : 33 3/4'

सीमाएँ :—

पूर्व : बखर आली का निवास स्थान

पश्चिम : ब्रिगेड रोड

उत्तर : ब्रिगेड रोड रेस्टारेंट

दक्षिण : क्रास स्ट्रीट, नं० 4

} 2129 वर्गफीट

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 17-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राप्ति 10 दी 10 एनोएसो—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 28-5-1976

निर्देश संसी० आर० 62/5276/75-76/ए०सी० अम०/

B—यथः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 2 है, तथा जो हैस रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 27-11-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० चन्द्रशेखर पुत्र स्व० एम० शिवनंजप्ता
नं० 14/1 IX क्रास, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3
(अन्तरक)

2. श्री विनय बजाज
(विनय कुमार बजाज)
नं० 34 V क्रास, लक्ष्मी रोड, शान्तिनगर, बंगलूर-27
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त हो जाए हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2594/75-76 दिनांक 27; 11-75]

गृह नं० हैस रोड सिविल स्टेशन, बंगलूर का भाग।

अवस्थान क्षेत्रफल :

उत्तर : 48 1/2'	} 4935 वर्ग फीट
दक्षिण : 45'	
पूर्व से पश्चिम : 100'	

सीमाएं :

उत्तर : चारों मकानों को जाने वाला रास्ता।

दक्षिण : नं० 3 हैम रोड

पूर्व : सेमिनरी का अहाता।

पश्चिम : श्री प्रभु राजशेखर की संपत्ति :

श्री एस० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 28-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 4 जून, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5278/75-76/ए०सी०क्य०/
धी—यतः मुझे कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है, तथा जो डेविस रोड, रिचर्ड्स टाउन,
बंगलूर-5 में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, णिवाजी नगर,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 27-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उधत अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री फ़रिक कोलिलस पुत्र स्व० आन्टनी कोलिलस
मार्केट कोलिलस लाइन्स (प) लि०, विलिंगटन आईलान्ड
कोघीन-3 (केरल), कैप : बंगलूर (अन्तरक)
2. मैसर्स ए०बी०आर० एक्सपोर्ट्स (प०) लि० 26/ए०/२,
सांकी रोड, बंगलूर-20।

प्रतिनिधि : श्री एच० आर० वसवराज पुत्र स्व० एच०
रामद्या (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2621/75-76 दिनांक 27-11-75)
निवास गृह नं० 14 (पुराना नं० 31/धी), डेविस रोड,
रिचर्ड्स टाउन, सिविल स्ट्रेन, (डिवीजन नं० 49)

अवस्थान क्षेत्रफल :

उत्तर : 112'

दक्षिण : 98'. 6"

पूर्व : 67'. 6"

पश्चिम : 59'+ 16'

8148 वर्ग फीट

गृह क्षेत्र : निचली मंजिल :

प्रधान मकान	1480 वर्गफीट
-------------	--------------

नौकर निवास	105 "
------------	-------

गोणाला	451 "
--------	-------

<hr/>	
-------	--

कुल	2036 "
-----	--------

सीमाएँ :

उत्तर : गृह नं० 15 डेविस रोड

दक्षिण : निजी संपत्ति व सड़क

पूर्व : गृह नं० 16 हुचिन्स रोड

पश्चिम : गृह नं० 16 डेविस रोड

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 4-6-1976

मोहर :

प्रेस प्राईंटी टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, वंगलूर

वंगलूर, दिनांक 17-5-1976

निर्देश सं० सी०आर० 62/5285/75-76/ए०सी० क्र००/
बी—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 25-4-275 (पुराना सं० 25-107) है, तथा जो कंकनडी गांव, मंगलूर शहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) टेल्डी जोर्ज रिचर्ड डिसा पुत्र पोल अल्पन्सो डिसा
(2) श्रीमती फिलोमिना मेरी डिसा पत्नी टेल्डी जोर्ज रिचर्ड डिसा, पी० डी० बॉक्स नं० 136, अबू धाबी, संयुक्त अरब गणराज्य।
प्रतिनिधि: श्रीमती फिलोमिना मेरी अग्नेस पैस, बजै, मंगलूर-4।
(अन्तरक)

2. मोहम्मद उर्फ उन्हों पुत्र श्री के० अब्बोनु 10/145 अजीजुद्दीन रोड, बंगलूर-1 या 25/4-275 बलान्सीस चर्च रोड, मंगलूर-575002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 824/75-76 दिनांक 13-11-75)

मूलगानी संपत्ति—कंकनडी गांव, 84 बी-मंगलूर शहर—वाई नं० 25 में स्थित।

आर० एस० नं० : 12/आई०ए०आई०, विस्म : सूखी, क्षेत्रफल : 30 सेंट्स, मूल्य दर 30 पैसे—भाग पूर्वी।:
गृह सहित—नं० 25-107—नया सं० 25-4-275।
गृह क्षेत्र : 314.48 मीटर्स या 3385 वर्गफीट

सीमाएं :

उत्तर : पानी का नाला
दक्षिण : बिस्मी डि सोजा की संपत्ति
पूर्व : मामूल लेन
पश्चिम : मोक्षा डी सोजा की संपत्ति नाले के आगे।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, वंगलूर।

दिनांक 17-5-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई, 1976

निरेंश सं० सी०आर० 62/5304/75-76-ए०सी०आर०/
बी—यतः मुक्त, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 135, 136 व 137 है, तथा जो पट्टन्द्र अग्रहार गांव, कृष्णराजपुरम होब्ली, बंगलूर सौथतालूका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर सौथ तालूका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रृः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री एम० तारापूरवाला। (2) श्रीमती एम०एम० तारापूरवाला नं० 16 II मैन रोड, जयमहल, बंगलूर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स मोणालि भारत इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड
प्रतिनिधि : श्री प्रकाश चन्द्र जैन, मैनेजिंग डायरेक्टर,
कुमरधुबी जिला, धनबाद, बिहार/नं० 4 नेताजी सुभास रोड,
कलकत्ता-1।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त संपत्ति के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

(दस्तावेज सं 3405/75-76 दिनांक 28-11-75)

इन्डस्ट्रियल जमीन, सर्वे नं० 135, 136 व 137, पट्टन्द्र अग्रहार गांव, कृष्णराजपुरम होब्ली, बंगलूर सौथ तालूका में स्थित।

ध्वनिकरण :	एकड़	गुणास
4	32	सर्वे नं० 135 में
8	27	सर्वे नं० 136 का भाग
1	05	सर्वे नं० 138 का भाग
—	—	—
14	24	—

गृह क्षेत्र : (1) कारखाना : 3753 वर्गफीट। (2) प्रशासनीय

दफ्तर : निचली मंजिल : 1249 वर्ग फीट, पहली मंजिल, 1249

वर्गफीट। (3) सुरक्षा दफ्तर व साइक्ल स्टैन्ड : 709.5 वर्गफीट।

(4) पोर्टिको - 225 वर्गफीट (5) पंप हाउस : 15'×15'।

(6) बाटर टांक : 20'×30'×10' (7) नौकर निवास : 20'×10'।

सीमाएः पूर्व : पुराना सर्वे नं० 35 व 36 का भाग जो प्लाट गोविन्दन नायर का।

पश्चिम : मेजर रोकी एस्टेट को जाने वाला रास्ता।

उत्तर : कृष्णराजपुरम हूँडी वाईटफील्ड रोड।

दक्षिण : मेजर रोकी एस्टेट।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक : 27-5-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जून 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/54-24/75-76/ए० सी० क्षू०
वी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 53/ए० 3/2— है, तथा जो पूर्व लाल बाग रोड,
सुधाम नगर, बंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बसंतगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 14-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, इब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ई० कृष्णथ्या नायडु पुर्व एडला बैंकटस्वामी नायडु
नं० 53/ए-3/2 लालबाग रोड (पूर्व) बंगलूर-27 (अन्तरक)

2. श्री बी० एम० शंकर पुत्र स्व० बी० मल्लिकार्जुन, नं० V
76 III आस पाइप लाइन एक्सटेंशन, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3।

(अन्तरिती)

3. सर्वश्री

- (1) ए० बी० बी० माधव
- (2) एम० कल्याण सुन्दरम
- (3) के० अनन्तराम भट्ट

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. (1) श्री एन० एस० राजेश्वररथा

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यसाहित्यों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2671/75-76 दिनांक 14-11-75)

गृह नं० 53/ए० 3/2, लाल बाग रोड, (पूर्व)

(सुधामनगर) बंगलूर-27 (छिंवीजन नं० 38)

अवस्थान अंकेफल :

पूर्व से पश्चिम : 40'
उत्तर से दक्षिण : 15' } 600 वर्ग फीट

गृह शेत्र : निष्ठली मंजिल : 5 वर्ग मीटर्स

पहली मंजिल : 4½ वर्ग मीटर्स

सीमाएं : पूर्व : सड़क । पश्चिम : श्रीमती अन्नपूर्णा की संपत्ति ।

उत्तर : श्री हांश्चया की संपत्ति ।

दक्षिण : श्री मायना की संपत्ति ।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 2-6-1976

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन०एस० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 24 मई 1976

निर्देश सं० सी०आर० 62/5434/75-76/ए०सी०आर०/
वी—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 146 है, तथा जो II मेन रोड, लाल बाग फोर्ट रोड,
पार्वती पुरम, बंगलूरु-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बसवंगुडी, बंगलूरु में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 27-11-1975
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (या 1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० श्रीनिवास पुल मुनिवेंकटप्पा
नं० 137, लाल बाग फोर्ट रोड, पार्वतीपुरम, बंगलूरु-4। (अन्तरक)

2. (1) श्री जी० मोहम्मद अक्रमुल्ला
पुल मोहम्मद खौस साहब (अन्तरिती)

(2) जी० मोहम्मद नजामुल्ला पुल मोहम्मद खौस साहब
नं० 21 मावल्ली टांक बंड रोड, बंगलूरु-2। (अन्तरिती)

- 4 (1) संयद यूसुफ
(2) बणीर
(3) अरीफुल्ला
(4) अहमद कुट्टी

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2813/75-76 दिनांक 27-11-75]

गृह संपत्ति नं० 146 II मन रोड, लालबाग फोर्ट रोड, पार्वती-
पुरम, बंगलूरु-4।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : उत्तरी भाग — 17'	
पूर्व से पश्चिम : दक्षिणी भाग — 6'. 3" व 5'. 9" = 12'	
उत्तर से दक्षिण : 54' कुल	783 वर्ग फीट

गृह क्षेत्र :—

निचली मंडिल : 7 स्क्वेयर्स

पहली मंजिल : 7 स्क्वेयर्स

सीमाएं : पूर्व : हैसेनसाब अब्दुल रहमान की संपत्ति

पश्चिम : II मन रोड, पार्वती पुरम

उत्तर : गली

दक्षिण : अब्दुल गफार साहब

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु

दिनांक : 24 मई, 1976

मोहर :

प्रूप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 जून, 1976

निर्देश सं० सी०आर० 62/5438/75-76/ए०सी०आर०/
वी—यह, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12/1 व 12/2 है, तथा जो अग्रहार तिम्मसन्दा
गांव, मिशन रोड, के पास बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्वा
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बसवंगुडी, बंगलूर में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

15-186 GI/76

1. (1) श्री एन० वेंकटेशलू नायुडु उर्फ एन० बी० नायुडु
पुत्र स्व० थी० नारायणस्वामी नायुडु।

(2) श्रीमप्रकाश (अल्पवयस्क) प्रतिनिधि व रक्ष कर्ता: एन०थी०
नायुडु: 'भारती-निवास', 73 आस रोड, टी० आर० मिलसक्किल
के पास V मैन रोड, चामराजपेट, बंगलूर-18। (अन्तरक)

2. श्री स्यालाल वैद्या

पुत्र श्री मूलशंकर वैद्या
न० 21 IV आस, जै० सी० रोड, बंगलूर-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिवर्तित जमीन—इन्डस्ट्रियल खाली अवस्थान न० 12/1
य 12/2, अग्रहार तिम्मसन्दा गांव, मिशन रोड, के पास (हिंदीजन
न० 38) का दक्षिणी भाग।

अवस्थान अक्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : दक्षिणी भाग—98' पूर्व से पश्चिम : उत्तरी भाग—94' उत्तर से दक्षिण—पूर्वी भाग—40' उत्तर से दक्षिण : पश्चिमी भाग — 46'	}	383
वर्गमीटर्स		

सीमाएँ :

पूर्व : सड़क :

पश्चिम : निजी संपत्ति

उत्तर : अवस्थान न० 12/1 का भाग जो बैचा गया है

दक्षिण : बैचने वाले की संपत्ति का भाग

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 1-6-1976

मोहर :

प्रूफ आई टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध^व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 4 मई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5802/75-76/ए० सी० क्य०
/बी०—यतः, मुझे आर० कृष्णमृति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 304/15, 304/10, 304/21, 304/22, 304/19, 304/5-78, 17/10, 304/23, 304/24, 230/3, 17/24-25, 17/26, 304/26, 311, 17/24, 230/2, 17/10 आदि है, तथा जो कोडगाड़ व हकातुर गांव, मरकरा, कुर्ग जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मरकरा, कुर्ग जिला में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-11-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के परद्वाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने वे अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीरथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स कोचिन प्लान्टेशन लिं (पब्लिक लिं का०)
रजिस्टर्ड दफतर: पुनलूर, केरल स्टेट,
प्रतिनिधि: मैनेजिंग डायरेक्टर, (1) टी० के० उम्मन पुत्र श्री
कुरियन (2) प्रसाद उम्मन पुत्र श्री टी० के० उम्मन,
पुनलूर, केरल स्टेट (अन्तरक)

2. (1) के० पापा राव पुत्र वीरया (2) के० सीता-राममा पत्नी के० पापा राव (3) के० रघि बाबू पुत्र पापा राव (4) के० किशोर बाबू पुत्र के० पापा राव (5) के० राधा राणी पुत्री पापा राव (अल्पवयस्क) (6) के० लता राणी (अल्पवयस्क) पुत्री पापा राव (7) के० सन्द्या राणी (अल्पवयस्क) पुत्री पापा राव (8) कारुष्टीरी सूर्या राव पुत्र पेदा बेकाना (9) के० यशोदा पत्नी सूर्या राव (10) के० सत्यवती (अल्पवयस्क) पुत्री सूर्याराव (11) के० बेंकटेश्वर राव (अल्पवयस्क) पुत्र सूर्या राव (12) के० एस० रामकृष्ण (अल्पवयस्क) पुत्र सूर्या राव (13) आर० रामलक्ष्मी पुत्री भास्कर राव (14) एन० सम्बद्धा पुत्र वीरया सब विनेश्वर कैप, सिन्धनूर तालूका, रायचूर जिला में रहने वाले। (15) डी० योषगिरि राव पुत्र परदेशी, कुकटपल्ली हैदराबाद (16) बी० बी० रायनम पुत्र बेंकटरत्नम, चल्लूर, पूर्व गोदावरी (17) एन० बी० कृष्ण राव पुत्र सूर्यनारायण, विनेश्वर कैप, रायचूर जिला। (18) बी० श्री देवी पत्नी अप्पा राव, कट्टाक, ओडीसा। (19) पी० राज्य लक्ष्मी पत्नी कोदाण्ड-रामया, बंगलूरु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यवित्रित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 745/75-76 दिनांक 26-11-1975)

संपत्ति—कोफी एस्टेट 239 एकड़ 33 गुण्टास—खाली जमीन, सागु भीगी जमीन व बन—300 एकड़ व 33 गुण्टास—सर्वे नं० 304/15, 304/10, 304/21, 304/22, 304/19, 304/5-78, 17/10,—खाली जमीन सर्वे नं० 304/23, 304/24, 230/3, 17/24-25, 17/26, 304/26 में—सागु

भीमी जमीन सर्वे नं० 311, वन सर्वे नं० 17/24 क्लोस वर्ण,
काडगडल गांव में :—

कोफी एस्टेट—19.4 एकड़ 33 गुण्टास—दाली जमीन
व सागु भीमी जमीन—कुल : 270 एकड़ 3 गुण्टास—सर्वे
नं० 230/2, 17/10, 16/1, 16/2, 16/3, 15/1, 17/8,
15/2, 15/3, 15/6, 15/4, 15/5—दाली जमीन—सर्वे
नं० 17/9 व 17/29 में सागु भीमी जमीन —सर्वे नं० 11 व
12 में—हकातुर गांव, काडगडल व हकातुर गांव, मडिकेरी—
उपर्युक्त सम्पत्ति का नाम 'क्लोसवर्ण व हकातुर एस्टेट' है।

गृह खेत : मकान—क्लोसवर्ण डिविज़न—प्रधान मकान
 $40' \times 100' + 20' \times 10' = 4200$ वर्ग फीट। लेवर लाइन्स
(1) $90' \times 15' = 1350$ वर्ग फीट (2) $25' \times 15' \times 2 =$
750 वर्ग फीट (3) $70' \times 15' = 1050$ वर्ग फीट।

हकातुर डिविज़न—पर्यवेक्षक मकान : 1200 वर्ग फीट
मज़दूर लाइन्स : 2025 वर्ग फीट।

आर० कृष्णमृति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-5-1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०.....
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० एम०एन०जी०/1537/75-76/—अतः मुझे ग०प० मिह०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० किंगन वाग को जाने वाली सङ्क पर स्थित है
जरनैली कोठी के नाम से जानी जाने वाली सम्पत्ति और उस
के साथ की भूमि का 1/3 भाग है तथा जो संग्रहर में स्थित है
(और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संग्रहर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति दीप कुमार कौर, विधवा महाराजा रनबीर
सिंह जींद, संग्रहर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री हाकम गिह, (2) श्री प्रगट सिंह, पुत्र
श्री कौर सिंह, निवासी संग्रहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

किसी वाग को जाने वाली सङ्क पर स्थित जरनैली कोठी
के नाम से जानी जाने वाली संपत्ति और उस के साथ की 56
कनाल भूमि जिसका खाता नं० 1559/2151/1, 2152,
खसरा नं० 547/1-मिन, 544 और 546 का 1/3 भाग, संग्रहर
(जैसा कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 1908 नवम्बर 1975 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संग्रहर के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6 जुलाई 1976

मोहर:

प्रैरुप आई० टी एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० एस०एन०जी०/1538/75-76/—अतः मुझे
ग० प० सिह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० किशन बाग को जाने वाली सड़क पर स्थित
जरनैली कोठी के नाम से जानी जाने वाली संपत्ति और उसके साथ
की भूमि का 1/3 भाग है तथा जो संग्रहर में रिक्त है (और इससे
उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता
अधिकारी के कार्यालय, संग्रहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति दीप कुमार कौर, विधवा महाराजा रनबीर
सिंह जींद, संग्रहर।

(अन्तरक)

2. (i) श्रीमति गुरदयाल कौर, पत्नी श्री जागर सिंह,
(ii) श्री बलदेव सिंह, पुत्र श्री जागर सिंह (iii) श्री सुखदेव
सिंह, पुत्र श्री जागर सिंह निवासी संग्रहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्य वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

किशन बाग को जाने वाली सड़क पर स्थित जरनैली कोठी
के नाम से जानी जाने वाली संपत्ति और उस के साथ की भूमि
(56 कनाल जिसका खाता नं० 1559/2151/1, 2152,
खसरा नं० 547/1,-मिन, 544 और 546 का 1/3 भाग (जैसे
कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1909, नवम्बर, 1975 में रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी संग्रहर के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6 जुलाई 1976
मोहर :

प्रारूप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 जुलाई 1976

निर्देश सं० एस० एन० जी०/1539/75-76/—अतः मुझे
ग० प० सिंह,सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,और जिसकी सं० किशन बाग को जाने वाली सड़क पर स्थित
जरनेली कोठी के नाम से जानी जाने वाली संपत्ति और उसके
साथ की भूमि का 1/3 भाग है तथा जो संगरुर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय' संगरुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975
को पूर्णकृतसम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्रीमति दीप कुमार कोर, विधवा महाराजा रनबीर
सिंह जीव, संगरुर ।

(अन्तरक)

2. (i) श्रीमति बलबन्त कोर, पत्नी श्री मधर सिंह,
(ii) श्री प्रितपाल सिंह, पुत्र श्री मधर सिंह, (iii) श्री संजी
सिंह, पुत्र श्री मधर सिंह, निवासी तनड़ हाऊस, कालेज रोड,
संगरुर । (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, वे अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

किशन बाग को जाने वाली सड़क पर स्थित जरनेली कोठी
के नाम से जानी जाने वाली संपत्ति और उस के साथ की (भूमि
(56 कनाल भूमि जिसका खाता नं० 1559/2151/1-2152
खसरा नं० 547/1-मिन, 544 और 546 का 1/3 भाग, संगरुर
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1910 नवम्बर 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगरुर के कार्यलय में लिखा है ।)

ग० प० सिंह

सक्तम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 6 जुलाई 1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९ घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
चण्डीगढ़, दिनांक ६ जुलाई १९७६

निदेश सं० पी० टी० ए०/१५०१/७५-७६/—अतः मुझे,
ग० प० सिंह,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा मकान नं० ७५५०/५ अजीत नगर है
तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६)
के अधीन, तारीख दिसम्बर १९७५ को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२
का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
१९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्रीमति अजमेर कौर पत्नी श्री गुरबचन सिंह, मकान
नं० ७५५०/५, अजीत नगर, पटियाला ।
(अन्तरक)

२. श्रीमति बलबीर कौर पत्नी श्री जोगिन्दर सिंह ढिल्सों,
निवासी मकान नं० १००, बच्चितर नगर, पटियाला ।
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि; जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा मकान नं० ७५५०/५, अजीत नगर, पटियाला ।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० ३३६८, दिसम्बर १९७५
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : ६ जुलाई १९७६

मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० पी० टी० ए०/1502/75-76—अतः मुझे,
ग० प० सिह०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 7550/5, अजीत नगर है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वावृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और आन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थति :—

1. श्रीमति अजमेर कौर पत्नी श्री गुरवचन सिंह निवासी मकान नं० 7550/5, अजीत नगर, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति सविन्दर कौर, पत्नी श्री बरजिन्दर सिंह दिल्लों निवासी मकान नं० 100-बचित्र नगर पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितझड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भाग मकान नं० 7550/5, अजीत नगर पटियाला ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 3369, दिसम्बर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है ।

ग० प० सिह०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 जुलाई 1976

निवेश सं० पी० टी० ए०/1503/75-76—अतः मुझे,
ग० प० सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा मकान नं० 7550/5, अजीत नगर,
है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति अजमेर कोर, पत्नी श्री गुरबचन सिंह, मकान नं०
7550/5, अजीत नगर, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री बरजिन्दर सिंह डिल्सों, पुना श्री जोगिन्दर सिंह
डिल्सों, मकान नं० 100, अन्नितर नगर पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20 क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

हिस्सा मकान नं० 7550/5, अजीत नगर, पटियाला ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3370, दिसम्बर 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है ।)

ग० प० सिह
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6 जुलाई 1976

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th June 1976

No. A-11013/2/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri G. V. Mathur, permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission presently working as Research Assistant, on *ad hoc* basis, in the Committee on Recruitment Policy and Selection Methods, to officiate on an *ad hoc* basis, as Selection Officer (Special) in the Commission's Office w.e.f. 7th June 1976 (F.N.) to 31st July 1976, or until further orders whichever is earlier.

The appointment of Shri Mathur as Section Officer (Special) will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E.III/60 dated 4th May 1961 as amended from time to time.

No. A. 11013/2/74-Admn. II—In continuation of the Union Public Service Commission notification of even number dated 6-9-75, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Section Officers/Assistants of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer (Special) in the Commission's office, for further periods as indicated against each w.e.f. 1-3-76 or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period	Post held in C.S.S. cadre
1.	Shri V.S. Riat	Five months	Section Officer
2.	Shri B.S. Jagopota	Do.	Section Officer
3.	Shri J.P. Goel	Do.	Section Officer
4.	Shri S. Srinivasan	Do.	Section Officer
5.	Shri R.N. Khurana	Do.	Section Officer
6.	Shri S.K. Arora	Do.	Assistant
7.	Shri H.R. Rishiraj	Three months	Section Officer

2. The appointment of the aforesaid officers as Section Officer (Special) will be on deputation and their pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10 (24) -E. III/60 dated 4-5-61 as amended from time to time.

B. S. JOLLY
Under Secy.,
for Secy.

New Delhi-110011, the 2nd June 1976

No. A-12019/5/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis, as Junior Analyst in the Commission's Office for the period from 2nd June 1976 to 31st August 1976, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Chhabra will continue to be on deputation to an *ex-cadre* post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance's O.M. No. F. 10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
for Secy.

New Delhi-110011, the 26th May 1976

No. A-32013/2/75-Admn.I.—Miss S. T. Keswani, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission appointed to officiate in Grade I of the CSS with effect from 1st March 1976 (F.N.) until further orders *vide* Department of Personnel & Administrative Reforms (Cabinet Secretariat) Notification No. 4/19/76-CS(I), dated 10th May 1976, has been appointed to officiate as Under Secy. 15-135 GI/76

tary in the office of Union Public Service Commission with effect from the same date until further orders.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F.

New Delhi-110001, the 8th July 1976

No. O.II-1042/76-Estt.—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. Nibaran Mohanty, as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on an *ad hoc* basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 23rd May 1976.

2. Dr. Nibaran Mohanty, is posted to 23rd Bn. C.R.P. Force.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm).

DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 9th July 1976

No. A-38/11/75-Wireless.—Shri B. K. Das Gupta, Extra Assistant Director (Cipher), on *ad hoc* basis is appointed as Extra Assistant Director (Cipher) in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of 7th June, 1976 until further orders.

No. A-38/11/75-Wireless.—Shri P. L. Harding, Cipher Assistant is appointed as Extra Assistant Director (Cipher) in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of 18th June, 1976 until further orders.

No. A-38/15/75-Wireless.—Shri K. V. BHAND is appointed as Extra Assistant Director in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of 24th June, 1976, until further orders.

C. P. JOSHI
Director
Police Telecommunications.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 7th July 1976

No. P/S(9)-Ad.I.—Consequent on his selection for appointment as Senior Evaluation Officer in the Ministry of Irrigation, Department of Agriculture, Shri Sunil Kumar Sinha, an officer belonging to Grade IV of ISS, relinquished charge of the post of Research Officer in the office of the Registrar General, India, with effect from the afternoon of 22nd June 1976.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India and
ex-officio Deputy Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
INDIA SECURITY PRESS, NASIK ROAD

Nasik Road, the 30th June 1976

No. 521/A.—Shri R. D. Kulkarni, Administrative Officer whose present term of *ad hoc* appointment as Administrative Officer expires on 30th June 1976 *vide* Notification No. 449/A dated 15th June 1976 now stands reverted to his original post of Sectional Officer w.e.f. 1st July 1976.

The 7th July 1976

No. 551/A.—The undersigned hereby appoints Shri S. T. Pawar, Inspector Control, C.N.P., Nasik Road (Class III non-Gazetted), to officiate as Deputy Control Officer (Class II Gazetted post) in New Currency Note Press in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the leave vacancy of Shri S. V. Chandwadkar, Dy. Control Officer, with effect from 28th June 1976.

No. 552/A.—In continuation of Notification No. 150/A, dated 23rd April, 1976 the *ad hoc* appointment of Shri D. P. Jambotkar as Purchase Officer is further extended up to 30th September, 1976 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

N. RAMAMURTHY
Sr. Dy. General Manager.

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 3rd July 1976

F. No. BNP/E/8/M-8.—Shri S. K. Mathur, a permanent, Inspector Control who was officiating as Deputy Control Officer on *ad hoc* basis w.e.f. 9th July 1975 in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) is reverted to the post of Inspector Control, w.e.f. the afternoon of 3rd July 1976.

The 13th July 1976

Shri S. K. Mathur, a permanent Inspector Control is hereby appointed on *ad hoc* basis, as Deputy Control Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200— in the Bank Note Press for a period of three months w.e.f. the forenoon of 13th July 1976 or till regular appointment is made to this post whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA
General Manager.

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 14th June 1976

No. Admn.I/O.O.342/5-5/Promotion/76-77/1033.—The Accountant General, Central Revenues, hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts officer in the time scale of pay of Rs. 840—1200, w.e.f. 1st July 1976 F.N. until further order.

H. S. DUGGAL
Sr. Dy. Accountant-General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
MADHYA PRADESH II

Gwalior, the 6th July 1976

No. OE-VI/PF/DGP/687.—Shri D. G. Patwardhan, temporary, Accounts Officer, in the office of the Accountant General, Madhya Pradesh II Gwalior, retired from Govt. service, on attaining the age of superannuation w.e.f. 30th June 1976 A.N.

M. M. NARSIGHANI
Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KERALA

Trivandrum, the 8th July 1976

No. Estt.A/VII/9-86/Vol.II/90.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the following permanent Section

Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers in the same office with effect from the dates shown against each, until further orders.

1. Shri V. Sivasankaran Nair—7th July 1976 Afternoon.
2. Shri T. S. Ramachandran Nair—7th July 1976 Afternoon.

R. S. AIER
Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 8th July 1976

No. Admn.I/60(83)/76-77/2210-12.—The Accountant General Jammu & Kashmir has appointed Shri Prithvi Nath Mattoo, Section Officer (Date of birth 30-1-1922) of this office to officiate as Accounts Officer with effect from 2nd July, 1976 (F.N.) until further orders.

R. CHANDRASEKARAN
Sr. Deputy Accountant General (A&E).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

Hyderabad-50004, the 9th July 1976

Sri I. SUBBA RAO, Accounts Officer, of the A.G. A.P.I., Hyderabad, has retired from service w.e.f. 31st May 1976 (A.N.).

Sri P. SATYA NARAYANA, Accounts Officer, Office of the A.G.A.P.I., Hyderabad, has retired from service w.e.f. 30th June 1976 (A.N.).

Sd/- ILLEGIBLE
Senior Deputy Accountant General (Admn.).

MINISTRY OF LABOUR
DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the July 1976

No. 2A(2)76-Adm.I/12294.—Shri Ram Suresh Singh has been appointed as Assistant Director of Mines Safety in this Directorate on probation for a period of two years with effect from the afternoon of 18th June, 1976.

Sd/- ILLEGIBLE
Director-General of Mines Safety.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 7th July 1976

No. 10(1)/73-76/CLB-II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the Textile Commission's Notification No. 10(1)/73-74/CLB II, dated the 19th December, 1974, namely :—

1. In the schedule appended to the said Notification—
 - (1) in the existing entry in column 3 against S. No. 1, for the words "three months," the words "two months" 55 shall be substituted.
 - (2) in the existing entry in column 3 against S. No. 2, for the words "four and half months", the words "three and half months" shall be substituted.
 - (3) in the existing entry in column 3 against S. No. 3, for the words "four months" the words "three months" shall be substituted.

2. In the second proviso below the schedule, for the words "six months" the words, "four and half months" shall be substituted.

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 2nd July 1976

No. A-19018/235/76-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri M. H. Askari permanent Superintendent, in the Small Industries Service Institute, Patna to officiate as Asstt. Director (Gr. II) in the Small Industries Service Institute, Patna, on an *Ad hoc* basis for a period from 1st December 1975 to 14th January 1976. He assumed charge as Asstt. Director (Gr. II) in the forenoon of 1st December 1975.

V. VENKATRAYULU
Deputy Director (Admn).

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur the 9th July 1976

No. A-19012(44)/72-Estt.A.—On his deputation to the Bharat Gold Mines Limited as Statistician and Economist, Shri M. V. V. Peri Sastry, Mineral Officer (S) of this department has relinquished the charge of the post of Mineral Officer (Statistics) with effect from the afternoon of 6th July, 1976.

A. K. RAGHAVACHARYA
Senior Administrative Officer
for Controller.

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 1st July 1976

No. 2222(KRPR)/19A.—Shri K. Raghu Prasad Rao, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 14th May 1976, until further orders.

The 6th July 1976

No. 2181(RKC)/19B.—Shri Raj Kumar Chopra, Senior Technical Assistant (Chemical), Geological Survey of India is appointed as Assistant Chemist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—35—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10th May, 1976, until further orders.

The 7th July 1976

No. 50/66(KCPS)/19B.—Shri K. C. P. Singh, Shift Boss, Geological Survey of India, is released from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of the 15th April, 1976, for joining the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines, Hazaribagh.

V. K. S. VARDAN
Director General.

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th July 1976

No. 12/12/75-Vig./SII.—The Director General, All India Radio appoints Shri Sarayu Prasad as Farm Radio Officer at All India Radio, Udaipur with effect from 7th June 1976 (F.N.) in a temporary capacity until further orders.

The 8th July 1976

No. 12/9/75-Vig./SII.—The Director General, All India Radio appoints Shri Debiprasad Deb Barman as Farm Radio Officer at All India Radio, Imphal with effect from 3rd June 1976 (F.N.) in a temporary capacity and until further orders.

M. L. TANDON
Deputy Director of Admn.
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 13th July 1976

No. 41-107/75-D.—Consequent on his transfer as Assistant Drugs Controller (India), Madras, Dr. D. Dhawan relinquished charge of the post of Assistant Drugs Controller (India), Bombay on the afternoon of the 13th February, 1976 and after availing of leave and joining time, assumed charge of the post of Assistant Drugs Controller (India), Madras, on the forenoon of the 23rd May, 1976.

Consequent on his transfer as Assistant Drugs Controller (India), Bombay, Shri T. S. Venkataraman relinquished charge of the post of Assistant Drugs Controller (India), Madras on the forenoon of the 25th May, 1976 and after availing of leave and joining time, assumed charge of the post of Assistant Drugs Controller (India), Bombay, on the afternoon of the 18th June, 1976.

S. S. GOTHSKAR
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services.

New Delhi, the 5th July 1976

No. 21/6(1)/75-CGHS-L.—Consequently on acceptance of resignation of Dr. (Mrs) Kiron Kochhar, Junior Medical Officer (*Ad hoc*) working under CGHS, Bombay relinquished charge of her post of G.D.O. Grade II on 30th June 1975. (Afternoon).

R. K. JINDAL
Deputy Director Administration (CGHS).

New Delhi, the 14th July 1976

No. 12-10/73-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri B. K. Mazumdar a permanent Section Officer in the Directorate General of Health Services, relinquished charge of the post on the afternoon of the 30th June, 1976.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

N. H. IV, Faridabad, the 4th May 1976

No. F. 4-5(68)/76-A.III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Dr. Mohan Ram Rajah Rom is appointed as Marketing Officer, Group II in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an officiating basis in the Directorate of Marketing & Inspection at Jamnagar, with effect from 14th April 1976 (F.N.) until further orders.

J. S. UPPAL
Agricultural Marketing Adviser.

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES**

Bombay-400001, the 25th June 1976

No. DPS/A/11013/64/75/Est.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated April 8, 1976, Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Parari Kizhakkodan Radhakrishnan, officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPS), VEC Project at Calcutta as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—10000—EB—40—1200 in the same Directorate for a further period of three months upto September 30, 1976.

**B. G. KULKARNI,
Asstt. Personnel Officer.**

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 10th July 1976

No. PAR/0705/1170.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri J. Suryanarayana Rao, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, on *ad hoc* basis, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for the period from 1st June 1976 to 31st August 1976, or until further orders, whichever is earlier.

The 1st July 1976

No. PAR/0705/1173.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Ch. Narasimha Chary, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, on *ad hoc* basis, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for the period from 1st July 1976 to 31st August 1976, or until further orders, whichever is earlier.

**S. P. MHATRE
Senior Administrative Officer.**

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 1st July 1976

No. A. 32014/3/75-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of the following Assistant Aerodrome Officers upto the 31st August, 1976 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri D.K. Guha	Dum Dum
2.	Shri Sarup Singh	Palam
3.	Shri Surinder Singh	Santacruz
4.	Shri J. S. Sethi	Santacruz
5.	Shri N.G. Gidwani	Palam
6.	Shri N.V. Dhanapal	Madras
7.	Shri D.R. Malik	Jaipur
8.	Shri S.M. Kaushal	Raipur
9.	Shri S.T. Toamas	Madras
10.	Shri C.P. Vardarajan	Madras
11.	Shri P.P.G. Nair	Visakhapatnam
12.	Shri M.K. Banerjee	Dum Dum
13.	Shri M. Govindarajan	Tiruchirappalli
14.	Shri A.C. Raizade	Safdarjung
15.	Shri Sotantar Lal	Jammu
16.	Shri S.K. Sen	Dum Dum
17.	Shri K.K.N. Pillai	Cochin
18.	Shri D.P. Mazumdar	Dum Dum
19.	Shri S. Ibrabhim	Madras

S. No.	Name	Station of Posting
20.	Shri A.B. Dutta	Dum Dum
21.	Shri L.P. Sinha	Muzaffarpur
22.	Shri K.C. Chandwani	Ahmedabad
23.	Shri O.P. Bhatnagar	Palam
24.	Shri J.K. Misra	Varanasi
25.	Shri S. Basu Mallick	Dum Dum
26.	Shri G. S. Rajamani	Madras
27.	Shri Manvir Singh	Lucknow
28.	Shri Jagjit Singh	Safdarjung
29.	Shri J.C. Kar	Patna
30.	Shri J.M. Tikamdas	Safdarjung
31.	Shri A.K. Roy	Tulihal
32.	Shri Amar Sharma	Mohanbari
33.	Shri P.B. Mathur	Juhu
34.	Shri L.R. BORAH	Dum Dum
35.	Shri H.S. Sandhu	Amritsar
36.	Shri K.M. Haridas	Santacruz
37.	Shri K.C. Jharia	Juhu
38.	Shri C.V. Joseph	Tirupathi

The 12th July 1976

No. A-22013/1/76-EA.—Shri S. P. Yadav, Controller of Aerodrome, Delhi Airport, Palam retired from Government service on the 31st May, 1976 (AN) on attaining the age of superannuation.

The 3rd July 1976

No. A-38012/1/75-EC.—Shri S. Krishnaswamy, Assistant Communication Officer in the office of the Regional Director, Madras relinquished charge of his office on the 31st May, 1976 (A.N.) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 7th July 1976

No. A-32013/11/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Kakar, Technical Officer, Radio Construction and Development Units, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on *ad hoc* basis upto the 31st Dec., 1976 or till regular appointments to the grade is made whichever is earlier with effect from the 11th June, 1976 and to post him at the Aeronautical Communication Station, Palam.

The 8th July 1976

No. A-32013/18/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Krishnan, Senior Technical Officer, Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi to officiate in the grade of Assistant Director of Communication on regular basis with effect from the 6th May, 1976 and until further orders and to post him in the Civil Aviation Department (Headquarters) R. K. Puram, New Delhi.

The 12th July 1976

No. A. 31013/3/75-EA.—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Senior Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department, with effect from the dates mentioned against their names:—

S. No.	Name	Date of confirmation
1.	Shri S.P. Yadav	14-3-1972
2.	Shri Jagdish Chandra	27-8-73
3.	Shri R.L. Pereira	1-1-74
4.	Shri S.K. Bose	1-3-74
5.	Shri G.S. Gill	1-7-74
6.	Shri Mir Anwar	1-10-74
7.	Shri S.W.J. Norton	1-8-75

V. V. JOHRI
Assistant Director (Administration).

New Delhi, the 2nd July 1976

No. A 32013/6/76 EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers working as Communication Officers on *ad-hoc* basis as Communication Officers on regular basis in the Civil Aviation Department with effect from 17th May 1976 and until further orders, at the station indicated each:—

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri P. Paulose	Bombay
2.	Shri R. H. Subramaniam	Bombay

H. L. KOHLI
Director of Administration

New Delhi, the 2nd July 1976

No. A.12025/4/75-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. S. Verma as Licensed Engineer on a temporary basis with effect from the 11th June, 1976 (FN) and until further orders and post him at Inspection Office, Begumpet.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 3rd July 1976

No. 1/409/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. R. Nalkur, Officiating Supervisor, O.C.S. Bombay Branch as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 19-4-76 to 6-5-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

The 9th July 1976

No. 1/407/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Saha, Senior Foreman, Calcutta Branch as Chief Mechanician in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 16-2-76 to 13-6-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 7th July 1976

No. 16/248/76-Ests.I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Syed Masood Husain Kazmi as P.T. and Games Instructor at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 21st June, 1976, until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 8th July 1976

No. A.19012/277/71-Adm.V.—In partial modification of this Commission's Notification of even number dated 25th February, 1972, the Chairman, Central Water & Power Commission (now Central Water Commission) is pleased to appoint Shri M. B. Kewalramani, Supervisor to officiate notionally in the

grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water & Power Commission (Water Wing) (now Central Water Commission), on an *ad hoc* basis in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 (pre-revised) with effect from the 26th July, 1965.

2. Shri M. B. Kewalramani, may be deemed to have taken over charge of the post of Extra Assistant Director, in the Central Water & Power Commission (Water Wing) (now Central Water Commission), New Delhi with effect from the above date.

JASWANT SINGH
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi-11, the 8th July 1976

No. 27-S/L(1)/75-ECII.—The President is pleased to accept the resignation of Shri M. H. Lele at present posted as Superintending Engineer (Training), C.P.W.D., New Delhi with immediate effect.

P. S. PARWANI
Dy. Director of Admn.
for Engineer-in-Chief

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 5th July 1976

No. P/GAZ/185/ACCOUNTS.—Shri S. N. Rao, a Junior Scale/Class I Officer of the Indian Railway Accounts Service of this Railway is confirmed in Senior Scale of that service with effect from 31-12-1975 (Thirty first December Nineteen hundred and seventy five).

K. S. RAJAN
General Manager/SC.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 7th July 1976

1. E/283/III/54Pt. III (O)—Shri H. M. Charkraborty, BOI (Class III) is appointed to officiate in Cl. II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Mechanical Engineer with effect from 2-3-76.

2. E/283/III/143 PII (O)—Shri D. Mukherjee, Asstt. Security Officer (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale purely on *ad hoc* measure as Security Officer with effect from 25-3-76.

3. E/283/31 Pt. IX (O)—Shri J. K. Kapoor, PWI (Class III) is appointed to officiate in Cl. II service as Asstt. Engineer with effect from 6-5-76.

4. E/283/III/142 PII (O)—Shri J. P. Halder, Inspector (Fire) (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt. security Officer (Fire) with effect from 17-5-76.

5. E/283 /III/54 PVIII(O)—Shri S. B. Chakraborty, A.P.E. (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as SME (PI) with effect from 24-5-76.

6. E/283/III/142/PII (O)—Shri G. B. DAS Gupta, IPF (Class III) is appointed to officiate in Cl. II service as Assit. Security officer with effect from 31-5-76.

H. L. VERMA
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
(COMPANY LAW BOARD)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
the ideal Coffee Agricultural Development Company
Private Limited*

Hyderabad-500001, the 7th July 1976

No. 1231/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the *Ideal Coffee Agricultural Development Company Private Limited* has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Vishaka Coffee India Private Limited*

Hyderabad-500001, the 7th July 1976

No. 1246/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the *Vishaka Coffee India Private Limited* unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Suruchi Coffee India Private Limited*

Hyderabad-1, the 7th July 1976

No. 1245/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the *Suruchi Coffee India Private Limited* unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Cool Heights Coffee India Private Limited*

Hyderabad-1, the 7th July 1976

No. 1243/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the *Cool Heights Coffee India Private Limited* unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s
Agarwal Agro Industrial Manufacturers Private Limited*

Jaipur, the 6th July 1976

No. Stat/1341/9161.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Agarwal Agro Industrial Manufacturers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bharatpur
Dairy Private Limited*

Jaipur, the 7th July 1976

No. Stat/1198.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that

the name of Bharatpur Dairy Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Indian Companies Act, 1913 and of
the Scrap Iron and Steel Dealers Association Private Limited.
(in Liquidation)*

Jaipur, the 7th July 1976

No. Stat/904/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 247 of the Indian Companies Act, 1913 that the name of the *Scrap Iron and Steel Dealers Association Private Limited (In Liquidation)* has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s
Seth Industries (Rajasthan) Private Ltd., Zahoor Manzil,
Civil Lines, Ajmer*

Jaipur, the 8th July 1976

No. Stat/1083/9223.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Seth Industries (Rajasthan) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies, Rajasthan

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Northern India Tea Syndicate Private Limited*

Calcutta, the 8th July 1976

No. 6441/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1856, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the *Northern India Tea Syndicate Private Limited* unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
N.E.T. Electrical Private Ltd.*

Calcutta, the 8th July 1976

No. 25987/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the *N.E.T. Electrical Private Limited* unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
A. K. Sardar (Builders) Private Limited*

Calcutta, the 8th July 1976

No. 12153/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the *A. K. Sardar (Builders) Private Limited* unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Central Concerns Private Limited*

Calcutta, the 8th July 1976

No. 16871/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the The Central Concerus Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of City Suppliers Syndicate Private Limited.

Calcutta, the 8th July 1976

No. 21775/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the City Supplier Syndicate Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the Matter of Companies Act, 1956 and of Shri Brahma Ayurved Bhawan Private Limited

Calcutta, the 8th July 1976

No. 23787/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Shri Brahma Ayurved Bhawan Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the Matter of Companies Act, 1956 and of Apeejoy Cosmetics Private Limited

Calcutta, the 8th July 1976

No. 25680/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Apecjoy Cosmetics Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH,
Registrar of Companies,
West Bengal

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

New Delhi, the 7 July 1976

INCOME TAX

No. JUR-DLI/IV/76-77/14393.—In exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby makes the following amendments in the Schedule appended to this office notification No.JUR-DLI/IV/76-77/6851 dated 29th May, 1976 as amended from time to time.

In the said Schedule the entries in column 2 against Delhi Range-III-B and Delhi Range-III-C, New Delhi shall be substituted by the following:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/ Circles
1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Range-III-B, New Delhi	Distt. III (15), III (16), III (16) Addl. III (18), III (25), III (26), III (27), III (29), III (30), III (32), Survey Circle III, New Delhi, Transport Circle, New Delhi and 1st Addl. Transport Circle, New Delhi.
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Range-III-C, New Delhi.	Distt. III (3), III (4), III (5) III (6), III (10), III (11), III (12) III (13), III (17) III (24), III (28), Special Circle-V, and 2nd Addl. Survey Circle-III, New Delhi.

This notification shall take effect from 7-7-1976

N. S. RAGHAVAN,
Commissioner of Income-Tax,
Delhi-IV, New Delhi

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL, CENTRAL GOVERNMENT OFFICES BUILDING

Bombay-20, the 8th July 1976

No. F.48-Ad(AT)/76-P-II.—On his selection for appointment as Deputy Manager (Legal) on direct recruitment in the Food Corporation of India, Shri R. D. Yadvendu, a temporary Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal, Indore Bench has been relieved of his duties in the Income-tax Appellate Tribunal, Indore Bench, Indore with effect from the afternoon of 18th June, 1976.

HARNAM SHANKAR,
President

CORRIGENDUM

Ahmedabad, the 17th July 1976

In the notice U/s. 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) dated 20th October, 1973 and bearing No. Acq. 23-16/19-7/73-74 published in Part III Section I of the Gazette of India dated 3rd November, 1973 at page 5422 in respect of the property purchased by Shri Dhulabhai Bhimbhai Veeras and Punambhai Bhimbhai Veeras from Smt. Parvatiben Kalyanji Desai and Lalitaben Kalyanji Desai, please read the Survey No. of the property as No. 1/1395 instead of No. 1/1394 wherever it occurs in the said notice.

P. N. MITTAL,
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

FORM ITNS

(1) Shri Naumihal Singh son of Shri Gurpal Singh R/O Garha, Jullundur.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st June 1976

Ref. No. AP-1574.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Harjinder Pal Singh s/o Sh. Harbhajan Singh, Vill. Singriwala, Teh & Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) at S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 6722/ November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur

Date : 21st June, 1976.
Seal :

FORM ITNS —————

- (1) Shri Jagir Singh son of Sh. Partap Singh R/O Garha, Distt. Jullundur.
 (Transferor)
- (2) Shri Inderpal Singh s/o Sh. Harbhajan Singh R/O Singriwalla, Hoshiarpur.
 (Transferee)

- (3) at S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 6723/ November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range,
 Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Giani Shanker Singh son of Sh. Bal Singh R/O Garden Colony, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st June 1976

(2) Shri Harminder Singh s/o Harbhajan Singh R/O V. Singriwala, Hoshiarpur.
(Transferee)

(3) at S. No. 2. (Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property as mentioned in the Registration Deed no. 6724/ November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21st June 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Swarn Singh Johal s/o Sh. Labh Singh, Civil Lines, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Harbhajan Kaur w/o Shri Harbhajan Singh, R/O V. Singriwala, Hoshiarpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st June 1976

Ref. No. AP-1577.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in November 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(3) at S. No. 2. (Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 6725/ November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Jullundur

Date : 21st June 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karam Singh Maan s/o Shri Basant Singh,
389, Lajpat Nagar, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harbhajan Singh s/o Sh. Teja Singh, V. Singri-
wala, Hoshiarpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st June 1976

(3) at S. No. 2. (Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property. [Person whom
the undersigned knows to be interested in the
property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
Said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 6726/
November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

Date : 21st June, 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd June 1976

Ref. No. AP-1579.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sh. Naunihal Singh s/o Sh. Gujpal Singh, V & PO Garba, Distt. Jullundur.
- (2) Sh. Jagir Singh s/o Sh. Partap Singh, V&PO Garba Distt. Jullundur.
- (3) Sh. Karam Singh Maan s/o Sh. Basant Singh, 389, Lajpat Nagar, Jullundur.
- (4) Giani Shanker Singh s/o Sh. Bal Singh, Garden Colony, Model Town, Jullundur.
- (5) Sawarn Singh Johal s/o Sh. Labh Singh, Civil Lines, Jullundur.

(Transferor)

- (2) (1) Sh. Sawarn Singh s/o Sh. Narang Singh, V. Sandhwan, Distt. Jullundur.
- (2) Sh. Kulwinder Singh s/o Sh. Surinder Singh, V. Sandhwan, Tch. Nawanshahr. Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) at S. No. 2. (Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deeds Nos. 7643, 7644, 7645, 7646 & 7647/December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 23rd June, 1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Naunihal Singh s/o Sh. Gurpal Singh V&PO
Garha Distt. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd June 1976

Ref. No. AP-1580.—Whereas, I RAVINDER KUMAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Swarn Singh son of Shri Norang Singh V. Sandhwan, Distt. Jullundur.
(Transferor)
- (3) at S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7643/December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Jullundur

Date : 22nd June, 1976.
Seal:

FORM ITNS

- (1) Shri Jagir Singh son of Shri Partap Singh V&PO Garha, Distt. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Swarn Singh son of Shri Norang Singh V. Sandhwan, Distt. Jullundur.
(Transferee)
- (3) at S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 22nd June 1976

Ref. No. AP-1581.—Whereas, I RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7644/December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Jullundur

Date : 22nd June, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karam Singh Maan son of Sh. Basant Singh,
389, Lajpat Nagar, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd June 1976

Ref. No. AP-1582.—Whereas, I RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur December 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(2) Shri Kulwinder Singh s/o Surinder Singh V. Sandhuwan, Teh. Nawanshahr, Distt. Jullundur.
(Transferee)

*(3) at S. No. 2. (Person in occupation of the property)

*(4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

* Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7645/ December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Jullundur

Date : 22nd June, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Giani Shanker Singh s/o Sh. Bal Singh, Garden Colony, (Model Town), Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd June 1976

Ref. No. AP-1583.—Whereas, I RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Kulwinder Singh son of Shri Surinder Singh, V. Sandhwan, Teh. Nawanshahr Distt. Jullundur.
(Transferee)

(3) At S. No. 2, (Person in occupation of the property)
(4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7646/December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—186GI/76

Date : 22nd June, 1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sawaran Singh Johal s/o Sh. Labh Singh, Civil Lines, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd June 1976

Ref. No. AP-1584.—Whereas, I RAVINDER KUMAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jullundur on December 1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Kulwinder Singh son of Shri Surinder Singh, V. Sandhwan, Teh. Nawanshahr Distt. Jullundur.
(Transferee)

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEQUE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7647/ December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Jullundur

Date : 22nd June, 1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

- (1) (1) Giani Shanker Singh s/o Sh. Bal Singh, Garden Colony, Model Town, Jullundur.
(2) Sh. Karam Singh s/o Sh. Basant Singh r/o 389, Lajpat Nagar, Jullundur.
(3) Sh. Jagir Singh s/o Sh. Partap Singh, V&PO Garha, Distt. Jullundur.
- (4) Sh. Sawaran Singh Johal s/o Sh. Labh Singh r/o Civil Lines, Jullundur.
(5) Sh. Naunihal Singh s/o Sh. Gurbux Singh r/o Garha, Distt. Jullundur.
(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd June 1976

Ref. No. AP-1585.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Shri Manmohan Chopra s/o Sh. Krishan Chopra H. No. ND-36, Bikampura, Juliundur.
(Transferee)

- *(3) at S. No. 2. (Person in occupation of the property)
- *(4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deeds Nos. 7353, 7354, 7355, 7472 & 7473/December, 1875 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 23rd June 1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Giani Shanker Singh S/o Sh. Bal Singh,
Garden Colony, Model Town,
Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd June 1976

Ref. No. AP-1586.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) Shri Manmohan Chopra S/o Shri Krishan Chopra, H. No. ND-36, Mohalla Bikrampura, Jullundur.

(Transferee)

(3) at S. No. 2
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7353/ December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date : 23-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagir Singh S/o Shri Partap Singh,
V&PO Garha, Distt. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd June 1976

Ref. No. AP-1588.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on December 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagir Singh S/o Shri Partap Singh,
V&PO Garha, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Manmohan Chopra S/o Shri Krishan Chopra, H. No. ND-36, Bikampura, Jullundur.

(Transferee)

(3) as at S. No. 2
[Person in occupation of the property](4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7354/ December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date : 23-6-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Karam Singh S/o Shri Basant Singh,
R/o 389, Lajpat Nagar, Jullundur.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd June 1976

- (2) Shri Manmohan Chopra S/o Shri Krishan Chopra,
H. No. ND-36, Mohalla Bikrampura,
Jullundur.
(Transferee)
- (3) at S. No. 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AP-1588.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration No. 7355/December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Date : 23-6-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Swaran Singh Johal S/o Shri Labh Singh
R/o Civil Lines, Opposite Session Court,
Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 23rd June 1976

Ref. No. AP-1589.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Swaran Singh Johal S/o Shri Labh Singh
R/o Civil Lines, Opposite Session Court,
Jullundur.
- (2) Shri Manmohan Chopra S/o Shri Krishan Chopra,
H. No. ND-36, Mohalla Bikampura,
Jullundur.
- (3) as at S. No. 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7472/ December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Naunihal Singh S/o Shri Gurbux Singh,
R/o Garha, Distt. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 23rd June 1976

Ref. No. AP-1590.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Manmohan Chopra S/o Shri Krishan Chopra, H. No. ND-36, Mohalla Bikampura, Jullundur.

(Transferee)

(3) as at S. No. 2
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7473/ December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karam Singh Maan S/o Shri Basant Singh,
389, Lajpat Nagar, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd June 1976

Ref. No. AP-1591.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Mrs. Harpal Kaur W/o Lt. Col. Jaswant Singh, 53, Defence Colony, Jullundur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7895/December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—186 GI/76

Date : 23-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagir Singh S/o Shri Partap Singh,
R/o V. Garha, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd June 1976

Ref No. AP-1592.—Whereas, I, RAVINDER
KUMARbeing the Competent Authority under Section 269B of
the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. As per Schedule situated at Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at
Jullundur on December 1975,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—(1) Shri Jagir Singh S/o Shri Partap Singh,
R/o V. Garha, Jullundur.

(Transferor)

(2) Mrs. Harpal Kaur W/o Lt. Col. Jaswant Singh,
R/o 53, Defence Colony, Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2
[Person in occupation of the property](4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act, shall have the same meaning as
given in that chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
liability of the transferor to pay tax under
Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7896/
December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.Date : 23-6-1976
Seal :Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Naunihal Singh S/o Sh. Gurbux Singh,
R/o Gurha, Distt. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd June 1976

Ref No. AP-1593.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Mrs. Harpal Kaur W/o Lt. Col. Jaswant Singh,
R/o 53, Defence Colony, Jullundur.
(Transferee)

(3) At S. No. 2
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7897/ December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 23-6-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Karam Singh S/o Basant Singh,
R/o 389, Lajpat Nagar, Jullundur.
2. Sh. Jagir Singh S/o Partap Singh,
R/o Vill. Garha, Jullundur.
3. Sh. Naunihal Singh S/o Sh. Gurpal Singh.
R/o Vill. Garha, Jullundur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

- (2) Mrs. Harpal Kaur W/o Lt. Col. Jaswant Singh,
R/o 53, Defence Colony, Jullundur.

(Transferee)

- (3) at S. No. 2
[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deeds Nos. 7895, 7896 & 7897/December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 25-6-1976

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 21st June 1976

Ref. No. AP-1594.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Karam Singh Man S/o Sh. Basant Singh, R/o Kothi No. 389, Lajpat Nagar, Jullundur.
2. Sh. Swarn Singh Johal S/o Sh. Labh Singh, R/o Civil Lines, Jullundur.
3. Sh. Naunihal Singh S/o Sh. Gurpal Singh, R/o Garha Distt. Jullundur.
4. Sh. Jagir Singh S/o Sh. Roopa Singh, R/o V. Garha Distt. Jullundur.
5. Gyani Shanker Singh S/o Sh. Bal Singh, R/o Garden Colony, Jullundur.

(Transferor)

- (2) S/Shri Kranti Kumar, Santosh Kumar, Mahesh Kumar, Ram umar S/o Sh. Amar Nath, R/o 176, Bawa Building, Jullundur.

(Transferee)

- (3) At S. No. 2
[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 6727/ November, 1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-6-1976

Seal :

FORM ITNS —

(1) Satinder Kumar S/o Shri Amar Nath Sethi,
R/o 124-R, Model Town, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd June 1976

Ref. No. AP-1595.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Salwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Ashok Kumar & Bros.
Bharwain Road, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2
[Person in occupation of the property](4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 3100/ November, 1975 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd June 1976

Ref. No. AP-1596.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Rahon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawanshahr on November, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gian Mitter S/o Sh. Harpakash Smt. Sheela Wati W/o Shri Gian Mittar, Smt. Nirmal Kumari, Urmil Kumari, Bena Kumari Rattan Kumari Ds/o Shri Gian Mittar, R/o V. Rahon, Tehsil Nawanshahr.

(Transferor)

(2) Shri Gian Singh S/o Sh. Puran Singh R/o V. Rahon, Tehsil Nawanshahr.

(Transferee)

(3) At S. No. 2
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 3601, November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-6-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st June 1976

Ref. No. AP-1597.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Karam Singh Man S/o Sh. Basant Singh, Sh. Naunihal Singh S/o Sh. Gurpal Singh, Gyani Shankar Singh S/o Shri Bal Singh, Sh. Jagir Singh S/o Sh. Partap Singh, Sh. Swaran Singh Johal S/o Sh. Labh Singh, R/o Jullundur.

(Transferor)

(1) S/Sh. Kranti Kumar, Santosh Kumar, Mahesh Kumar, Ram Kumar S/o Sh. Amar Nath, R/o 176, Bawa Building, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7749/ December, 1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date 21-6-1976

Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Kewaljit Singh S/o Shri Udhamp Singh
R/o Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th June 1976

Ref. No. AP-1598.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on November 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—186GI/76(2) M/s Reddy Sports,
Basti Nau, Jullundur City.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2
[Person in occupation of the property](4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 6895/November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 25-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Paramjit Singh S/o Shri Udhamp Singh
R/o Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Redlay Sports,
Basti Nau, Jullundur City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR(3) As at S. No. 2
[Person in occupation of the property](4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Jullundur, the 25th June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1599.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 6897/ November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th June 1976

Ref. No. P.R. No. 397 Acq. 23-765/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 47 (New S. No. 54) F.P. No. 79 paiki Sub-Plot No. 15 situated at Umra, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 21-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Rasid Abdul Taiyab Maskati;
2. Zaki Abdul Taiyab }
Maskati; } Power of Attorney
3. Miss Zia Abdul Taiyab } holder : Rashid Abdul
Maskati; } Taiyab Maskati,
Maskati Villa No. 7, Vindi Hall Lanc,
Colaba, Bombay-5.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sharadchandra Amichand Shah; 2. Shri Harishchandra Amichand Shah; 13, Sahyog Society, Near Sumul Dairy; Surat-3.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Umra Tal. Choryasi bearing S. No. 47 (New S. No. 54) F.P. No. 79 paiki, sub-plot No. 15 admeasuring 352.55 sq. mts. as fully described in registered sale-deed No. 7667 of November, 1975 duly registered with registering authority at Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition-Range-II, Ahmedabad.

Dated : 14-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Rasid Abdul Taiyab Maskati;
 2. Zaki Abdul Taiyab Maskati;
 3. Miss Zia Abdul Taiyab Maskati;
- Power of Attorney
holder : Rasid Abdul
Taiyab Maskati.
Maskati Villa No. 7, Vindi Hall Lane, Colaba,
Bombay-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th June 1976

Ref. No. P.R. No. 398 Acq. 23-766/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 47 (New S. No. 54) F.P. No. 79 paiki, Sub-Plot No. 16 situated at Umra, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 21-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Pradip Kamalkant Shah; 2. Shri Nitin Kamalkant Shah; 14, Narmadnagar Society, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Umra, Tal. Choryasi bearing S. No. 47 (New S. No. 54) F.P. No. 79 paiki Sub-plot No. 16 admeasuring 494.22 sq. mts. as fully described in registered sale-deed No. 7668 of November, 1975 duly registered with registering authority at Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 14-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th June 1976

Ref. No. P.R. No. 399 Acq. 23-767/19-7/75-76.—
Whereas, I, P. N. MITTAL,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Sur. No. 47 (New S. No. 54) F.P. 79 paiki sub-plot No. 38 situated at Umra, Tal. Choryasi, Dist. Surat,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 21-11-1975
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Rasid Abdul Taiyab Maskati;
2. Zaki Abdul Taiyab } Power of Attorney
Maskati; } holder : Rasid Abdul
3. Miss Zia Abdul Taiyab } Taiyab Maskati.
Maskati Villa No. 7, Vindi Hall Lane, Colaba,
Bombay-5.

(Transferor)

- (2) Bipinchandra Ratilal Sadriwala; Haripura, Sukhadia Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Umra and Choryasi, Dist. Surat bearing S. No. 47 (New S. No. 54) F.P. No. 79 paiki sub-plot No. 38, admeasuring 425.71 sq. mts. ad fully described in registered sale-deed No. 7666 of November, 1975 registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition-Range-II, Ahmedabad.

Dated : 14-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Rashid Abdul Taiyab Maskati;
 2. Zaki Abdul Taiyab } Power of Attorney
 Maskati; holder : Rasid Abdul
 3. Miss Zia Abdul Taiyab } Taiyab Maskati.
 Maskati Villa No. 7, Vindi Hall Lane, Colaba,
 Bombay-5.
- (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 14th June 1976

Ref. No. P.R. 400 Acq. 23-768/19-7/75-76.—Whereas, I,

P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 47 (New S. No. 54) F.P. No. 79, paiki sub-Plot No. 32 situated at Umra, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Jyotiben Chunilal Chokshi; Nanavat Main Road, Surat.
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Umra, Tal. Choryasi, Dist. Surat bearing S. No. 47 (New S. No. 54) F.P. No. 79, paiki, sub-plot No. 32 admeasuring 420.83 sq. mts. as fully described in registered sale deed No. 7610 of Nov., 1975 registered with registering authority at Surat.

P. N. MITTAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition-Range-II, Ahmedabad.

Dated : 14-6-1976.
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th June 1976

Ref. No. P.R. No. 401 Acq. 23-769/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 47 (New S. No. 54) F.P. No. 79, paiki, Sub-Plot No. 31 situated at Umra, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-11-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Rashid Abdul Taiyab Maskati;
2. Zaki Abdul Taiyab Maskati; } Power of Attorney
3. Zia Abdul Taiyab Maskati; } holder Rasid Abdul Taiyab Maskati
Maskati Villa No. 7, Vindi Hall Lane, Colaba,
Bombay-5.

(Transferor)

(2) Deepak Jaykant Chokshi; through : L. H. Nilaben J. Chokshi; Nanavat, Main Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Umra, Tal. Choryasi, Dist. Surat bearing S. No. 47 (New S. No. 54) F.P. No. 79 paiki, Sub plot No. 31, admeasuring 334 sq. mts. as fully described in registered sale-deed No. 7609 of November, 1975 duly registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 14-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th June 1976

Ref. No. P.R. No. 402 Acq.23-770/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 47 (New S. No. 54) F.P. No. 79, Paiki Sub-Plot No. 35 situated at Umra, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 21-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) 1. Rashid Abdul Taiyab Maskati;
2. Zaki Abdul Taiyab Maskati; } Power of Attorney
3. Zia Abdul Taiyab Maskati; } holder Rasid Abdul
} Taiyab Maskati,
} Maskati Villa No. 7, Vindi Hall Lane, Colaba,
} Bombay-5.

(Transferor)

(2) Nirmalaben Madanlal Sadriwala, Khordiwala Sherl, Vadi Falia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 47 (New S. No. 54) F.P. No. 79 paiki, sub-plot No. 35 admeasuring 362.31 sq. mts. as fully described in registered sale deed No. 1665 of November, 1975 duly registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition-Range-II, Ahmedabad.

Dated : 14-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1976

Ref. No. P.R. No. 403 Acq. 23-771/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Sur. No. 47 (new S. No. 54) F.P. No. 79, paiki, sub-plot No. 9 situated at Umra, Tal. Choryasi, Dist. Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on November, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21—186GI/76

1. (1) Rasid Abdul Taiyab Maskati;
2. Zaki Abdul Taiyab Maskati; } Power of Attorney
3. Miss Zia Abdul Taiyab Maskati; } holder; Rashid Abdul
Maskati Villa No. 7, Vindi Hall Lane, Colaba,
Bombay-5.

(Transferor)

- (2) Mrs. Zaher Taher Ibrahim; 119, Bazar Gate, Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Umra, Tal. Choryasi, Dist. Surat bearing S. No. 47 (new S. No. 54, F.P. No. 79) paiki, sub-plot No. 9, admeasuring 332.11 sq. mts. as fully described in registered sale-deed No. 7604 of November, 1975 duly registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 14-6-1976,

Seal :

FORM ITNS

- (1) Chanchalben w/o, Natverlal Chhabildas; Mahidhpura, Thobha Sheri, Surat.
(Transferor)
- (2) 1. Muhammad Hanif Haji Ismail; 2. Mohamed Sadik Haji Ismail; 3. Mohamed Arif Haji Ismail; Turkyved, Mugalsara, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 19th June 1976

Ref. No. P.R. No. 404 Acq. 23-773/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 178 paiki Plot No. 2 situated at Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 178 paiki Plot No. 2, admeasuring 1 Acre 20 gunthas i.e. 7139 sq. yds. situated at Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in registered sale-deed No. 7338 of November, 1975 duly registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 19-6-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Chanchalben w/o, Natverlal Chhabildas; Mahidhpura, Thobha Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Abdulsattar Haji Ismail; 2. Umarbhai Haji Ismail; 3. Mahmedsafi Haji Ismail; Turkeyvad, Mugalsara, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th June 1976

Ref. No. P.R. No. 405 Acq. 23-774/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 178 paiki Plot No. 1 situated at Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 1-11-1975 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An open plot of land bearing Sur. No. 178 paiki Plot No. 1 admeasuring 1 acre 20 gunthas i.e. 7139 sq. yds. situated at Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in registered sale-deed No. 7343 of Nov. 1975 duly registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 19-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Chanchalben w/o, Natverlal Chhabildas; Mohdhar-pura, Thobhe Sheri, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th June 1976

Ref. No. P.R. No. 406 Acq. 23-775/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 178 paiki Plot No. 3 situated at Majura Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 1-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. Mahmed Sidik Haji Alimahmed; 2. Mahmed Iqbal Haji Ali Mohmud; 3. Mahmad Faruk Haji Ali Mohmud; Turkeyvad, Mugalsara, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An open plot of land bearing S. No. 178 paiki Plot No. 3, admeasuring 1 Acre 20 gunthas i.e. 7139 sq. yds. situated at Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in registered sale-deed No. 7340 of Nov., 1975 duly registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Dated : 19-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd June 1976

Ref. No. P.R. No. 407 Acq. 23-776/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 25, F.P. No. 247, Paiki, Plot No. 3 situated at Khatodra, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 19-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) 1. Ratilal Maganlal Intwala as a self and Karta of H.U.F. and as a guardian of minors Rajendra Ratilal & Yogeshkumar Ratilal; 2. Nareshkumar Ratilal; 3. Sureshkumar Ratilal; 4. Farasram Ratilal; Opp. Sachin House, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) N. B. Dyeing, through its partners; 1. Vinodchandra Gamanlal; 2. Nayantara Manharlal; Rustompura, Farem Mahollo, Surat.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 25, F.P. No. 247 paiki plot No. 3 paiki admeasuring 867 sq. yds. situated at Khatodra, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in registered sale-deed No. 7597 of November, 1975 duly registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition-Range-II, Ahmedabad.

Dated : 22-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Ratilal Maganlal Intwala as a self and Karte of H.U.F. and as a guardian of minors Rajendra Ratilal & Yogeshkumar Ratilal; 2. Nareshkumar Ratilal; 3. Sureshkumar Ratilal; 4. Farasram Ratilal; Opp. Sachin House, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

- (2) Chokshi Silk Mills; through its partners; 1. Abdulsatar Haji Ismail; 2. Mohmedsafi Haji Ismail; 3. Mahmud Hanif Haji Ismail; Boghani Vadi, Lal Darwaja, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad-380009, the 22nd June 1976

Ref. No. P.R. No. 408 Acq. 23-777/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 25, F.P. No. 247 paiki situated at Khalodra Tal. Choryasi, Dist. Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer officer at Surat on 6-11-1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 25, F.P. No. 247 paiki; admeasuring 3423 sq. yds. situated at Khalodra, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in registered sale-deed No. 4679 of November, 1975 duly registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 22-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd June 1976

Ref. No. P.R. No. 409 Acq. 23-778/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 25 F.P. No. 247 paiki, situated at Khatodra, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Nathubhai Maganlal Intwala as a self and karta and Manager of H.U.F. and as a guardian of minors Nareshkumar Nathubhai and Vijaykumar Nathubhai; 2. Shantilal Maganlal Intwala as a self and karta and manager of H.U.F. and as guardian of minors (a) Dineshkumar Shantilal, (b) Dhirajkumar Shantilal and (c) Pramodkumar Shantilal; Opp. Sachin House, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Chokshi Silk Mills through its partners; 1. Abdulsatar Maji Ismail; 2. Mohamed Safi Haji Ismail; 3. Mohamed Hanif Haji Ismail; Boghani Vadi, Lal Darwaja, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 25 F.P. No. 247 paiki admeasuring 6577 sq. yds. situated at Khatodra, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in registered sale-deed No. 4678 of Nov., 1975 duly registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition-Range-II, Ahmedabad.

Dated : 22-6-1976,

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd June 1976

Ref. No. P.R. No. 410-Acq. 23-779/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 25, F.P. No. 247 paiki, situated at Khatodra, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 19-11-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Ratilal Maganlal Intwala as a self Karta and Manager of H.U.F. and as guardian of minors Rajendra Ratilal & Yogeshkumar Ratilal and others, Opp. Sachin House, Sagarpura, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Nathubhai Bhanabhai; through its partners : 1. Manchharan Nathubhai; 2. Kalidas Nathubhai; 3. Amberam Nathubhai; 4. Jamiyatram Nathubhai; Copipura, Moti Chhipvad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 25 F.P. No. 247 Plot No. 3 paiki, admeasuring 2000 sq. yds. situated at Khatodra, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in registered sale-deed No. 7598 of November, 1975 duly registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 22-6-1976.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) 1. Ratilal Maganlal Intwala as a self Karta and Manager of H.U.F. and as a guardian of minors Rajendra Ratilal & Yogeshkumar Ratilal and others, Opp. Sachin House, Sagrampura, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 22nd June 1976

Ref. No. P.R. No. 411 Acq. 23-380/19-8/75-76.—

Whereas, I, P. N. MITTAL,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 25, F.P. No. 247 paiki situated at Khatodra, Tal.
Choryasi, Dist. Surat,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer
at Surat on 19-11-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(2) M/s. Nathubhai Bhanubhai; through its partners : 1. Manchharam Nathubhai; 2. Kalidas Nathubhai; 3. Amberam Nathubhai; 4. Jamiyatram Nathubhai; Gopipura, Moti Chhipvad, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 25 F.P. No. 247 Plot No. 3 paikl, admeasuring 2000 sq. yds. situated at Khatodra, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in registered sale deed No. 7599 of November, 1975 duly registered with registering authority, Surat.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

22—186GI/76

Dated : 22-6-1976,
Seal .

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 22nd June 1976

Ref. No. P.R. No. 412 Acq. 23-781/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 25, F.P. No. 247 paiki situated at Khatodra, Tal. Choryasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Surat on 31-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely : —

(1) 1. Ratilal Maganlal Intwala, as a self, Karta and Manager of H.U.F. and as guardian of minors Rajendra Ratilal & Yogeshkumar Ratilal and others, Cpp. Sachin House, Sagampura, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Nathubhai Bhanubhai; through its partners : 1. Manchharan Nathubhai; 2. Kalidas Nathubhai; 3. Ameeram Nathubhai; 4. Jamiyatram Nathubhai; Gopipura, Moti Chhipvad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 25, F.P. No. 247 Plot No. 3 paiki, admeasuring 2000 sq. yds. situated at Khatodra, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in registered sale deed No. 8487 of December, 1975 duly registered with registering authority, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 22-6-1976,

Seal :

FORM ITNS

(1) Maniben Wd/o. Thakorhai Kanjibhai Patel; Kanchanlal Thakordas Patel; Hasmukhlal Kanjibhai Patel; Venibhai Hasmukhlal Patel; Natverilal Hasmukhlal Patel; Hiru Modi Sheri, Sagampura, Surat.
(Transferor)

(2) Shri Narottamdas Laxmanbhai Patel; 1/97, Sunnil Road, Maganbag, Lower Parel, Bombay-13.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1976

Ref. No. P.R. No. 413 Acq. 23-783/19-7/75-76.—
I, P. N. MITTAL,
being the competent authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 68/2 paiki situated at Udhna Magdalla Road,
Majura, Tal. Choryasi,
(and more fully described in the schedule annexed
hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering
officer at Surat on 24-11-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act'
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 68/2 paiki admeasuring 5022 sq. yds. and situated on Udhna-Magdalla Road, Majura, Tal. Choryasi as fully described in the registered sale-deed No. 7078 of Nov., 1975 with the registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 23-6-1976.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1976

Ref. No. P.R. No. 414 Acq.23-783/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 68/2 paiki situated at Udhna Magdalla Road, Majura Tal. Choryasi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 24-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Maniben Wd/o. Thakorbhai Kanjibhai Patel;
(2) Kanchanlal Thakordas Patel;
(3) Hasmukhlal Kanjibhai Patel;
(4) Vanibhai Hasmukhlal Patel;
(5) Natverlal Hasmukhlal Patel;
Hira Modi Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Narottamdas Laxmanbhai Patel;
1/97, Sunnil Road, Maganbag, Lower Parel, Bombay-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 68/2 paiki admeasuring 5021 sq. yds. and situated on Udhna-Magdalla Road, Majura, Tal. Choryasi as fully described in the registered sale-deed No. 7077 of Nov. 1975 with the registering officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 23-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Manharlal Gordhandas Kadiwala;
Zunda Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th June 1976

Ref. No. P.R. No. 415Acq.23-784/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 92-98/2 and New No. 13/168/D paiki open land situated at Majura Bhatar Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shantikunj Coop. Housing Society Ltd., H. 3, Adarsh Nagar Society, Athwa Lines, through Chairman : Lallubhai Gandabhai Nayak, Anandnagar Society, Sagrampura, Surat. Mrudulaben Gunvantrai Vashi, Hon. Secretary : Mahadeonagar Society, Sagrampura, Surat. Ramchandra Chhaganlal Desai; Committee Member, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing old S. No. 92-98/2 situated in Ward No. 13/168-D paiki admeasuring 1570 sq. mts. equivalent to 1877.72 sq. yds. situated on Majura Bhatar Road, Surat as fully described in the registered sale-deed No. 7356 of November, 1975 with the registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 25th June, 1976
Seal:

FORM ITNS

(1) Ramanbhai Jivanbhai; Kosmeda, Tal. Kamrej.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th June 1976

Ref. No. P.R. No. 416 Acq.23-785/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 78-1 paiki open land situated at Fulpada, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Jay Gangeshwer Coop. Housing Society;
Through : President : Gijubhai Narayanbhai;
Secretary : Shivprasad Chunilal;
C/o. Gangeshwer Ptg. Press,
Marfatia Compld., Sln. Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA. of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 78/1 paiki admeasuring 2299 sq. yds. situated at Fulpada, Karanj, Dist. Surat as fully described in sale-deed registered No. 7552 of Nov. 1975 registered with registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 23rd June, 1976

Seal :

FORM ITNS(1) Ramanbhai Jivanbhai; Kosmeda, Tal. Kamrej.
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1976

Ref. No. P.R. No. 417 Acq.23-785/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 78-1 paiki, open land situated at Fulpada, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jay Gangeshwer Coop. Housing Society;
Through : President : Gijubhai Narayanbhai;
Secretary : Shivprasad Chunilal;
C/o. Gangeshwer Ptg. Press,
Marfatia Compd., Stn. Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 78/1 paiki admeasuring 2299 Sq. yds. situated at Fulpada Karanj, Dist. Surat as fully described in sale-deed registered No. 7551 of Nov., 1975 registered with registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 23rd June, 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Dahyabhai Kasanji,
Power of Attorney Holder of Shri Dhansukhbhai
Dahyabhai; Kesmeda, Tal. Kamrej.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 78/2 paiki admeasuring 2299 sq. yds., situated at Fulpada Karanj, Dist. Surat as fully described in sale-deed registered No. 7553 of Nov., 1975 registered with registering Officer, Surat.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated : 23rd June, 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1976

Ref. No. P.R. No. 419 Acq.23-785/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 78-2 paiki open land situated at Fulpada, Dist. Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—186GI/76

- (1) Dahyabhai Kasanji, Power of Attorney Holder of Shri Dhansukhbhai Dahyabhai; Kesmeda, Tal. Kamrej. (Transferor)
- (2) Jay Gangeshwer Coop. Housing Society, through President : Gijubhai Naryanbhai; Secretary : Shivprasad Chunilal; C/o. Gangeshwer Printing Press, Marfatia Compd., Stn. Road, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 78/2 paiki admeasuring 2299 sq. yds., situated at Fulpada Karanj, Dist. Surat as fully described in sale-deed registered No. 7554 of Nov., 1975 registered with registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated : 23rd June, 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Kevalbhai Khushalbhai
at Kosmeda, Tal. Kamrej.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1976

Ref. No. P.R. No. 420 Acq.23-785/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Sur. No. 78-3 paiki open land situated at Fulpada, Dist. Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Jay Gangeshwer Coop. Housing Society, through President : Gijubhai Narayanbhai; Secretary : Shivprasad Chunilal; C/o. Gangeshwer Printing Press, Marfatia Compd., Stn. Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter 'XXA' of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 78-3 paiki admeasuring 2249 sq. yds. situated as Fulpada Dist. Surat as fully described in sale-deed registered No. 7547 of Nov., 1975 registered with registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated : 23rd June, 1976
Seal :

FORM ITNS(1) Kevalbhai Khushalbhai;
at Kosmeda, Tal. Kamrej.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**(2) Jay Gangeshwer Coop. Housing Society,
through President : Gijubhai Narayanbhai;
Secretary : Shivprasad Chunilal;
C/o. Gangeshwer Printing Press,
Marfatia Compd., Stn. Road, Surat.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1976

Ref. No. P.R. No. 421 Acq.23-785/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 78-3 paiki open land situated at Fulpada, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 78-3 paiki admeasuring 2228 sq. yds. situated at Fulpada of Karanj, Dist. Surat as fully described in sale-deed registered No. 7548 of Nov., 1975 registered with registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 23rd June, 1976
Seal.

FORM ITNS

- (1) 1. Hasmukhbhai Khusalbhai at Kosmada, Tal. Kamraj.
2. Bhagabhai Muljibhai at Kosmada, Tal. Kamraj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1976

Ref. No. P. R. No. 422 Acq.23-785/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 78-4-5 paiki open land situated at village Fulpada, Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 17-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Jay Gangeshwer Coop. Housing Society, through President Gijubhai Narayanbhai; Secretary : Shivprasad Chunilal; C/o Gangeshwer Printing Press, Marfatia Compd. Stn. Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 78-4-5 paiki admeasuring 2369 sq yds. situated at Fulpada, Karanj, Dist. Surat as fully described in sale-deed registered No. 7544 of Nov., 1975, registered with registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated : 23rd June, 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Hasmukhbhai Khusalbhai at Kosmada, Tal. Kamraj.

2. Bhagabhai Muljibhai
at Kosmada, Tal. Kamraj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1976

Ref. No. P.R. No. 423 Acq.23-785/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 78-4-5 paiki open land situated at village Fulpada, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Jay Gangeshwar Coop. Housing Society, through President Gijubhai Narayanbhai; Secretary : Shivprasad Chunilal; C/o. Gangeshwar Printing Presa, Marfatia Compd. Stn. Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

An open plot of land bearing S. No. 78-4-5 paiki admeasuring 23/4 sq. yds. situated at Fulpada, Karanj Dist. Surat as fully described in sale-deed registered No. 7545 of Nov., 1975, registered with registering Officer, Surat.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 23rd June, 1976

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1976

Ref. No. P.R. No. 424 Acq. 23-785/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 78-4-5 palki open land situated at village Fulpada, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Hasmukhbhai Khusalbhai at Kosmada, Tal. Kamrej.

2. Bhagabhai Muljibhai at Kosmada, Tal. Kamrej.

(Transferor)

(2) Jay Gangeshwar Coop. Housing Society, through : President : Gijubhai Narayanbhai; Secretary : Shivprasad Chunilal; C/o Gangeshwar Printing Press, Marfatia Compd. Stn. Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 78-4-5 palki admeasuring 2396 sq. yds. situated at Fulpada Karanj, Dist. Surat as fully described in sale-deal registered No. 7546 of Nov., 1975, registered with registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 23rd June, 1976

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1976

Ref. No. P.R. No. 425-Acq.23-785/19-7/75-76.—Whereas,

I, P. N. MITTAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 82-2 Paiki, Open land situated at Fulpada, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Dahyabhai Kesani; Power of Attorney Holder of Shri Nirubhai Kasanji, at Kosmeda, Tal. Kamrej.

(Transferor)

(2) Jay Gangeshwar Coop. Housing Society, through : President : Gijubhai Narayanbhai; Secretary : Shivprasad Chunilal; C/o Gangeshwar Ptg. Press; Marfatia Compd., Stn. Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 80/2, paiki admeasuring 1331 sq yds. situated at Fulpada, Dist. Surat as fully described in sale-deed registered No. 7549 of November, 1975 registered with registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 23-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dahyabhai Kesanji;
Power of Attorney Holder of Shri Nirubhai Kesanji;
at Kosmeda, Tal. Kamrej.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Jai Gangeshwar Coop. Housing Society,
through : President : Gijubhai Narayanbhai;
Secretary : Shivprasad Chunilal;
C/o Gangeshwar Ptg. Press;
Marfatia Compd., Stn. Road, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1976

Ref. No. P.R. No. 426-Acq. 23-785/19-7/75-76.—Whereas,

I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 82-2 Paiki Open land situated at Fulpada, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-11-1975.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 80/2, paiki admeasuring 1331 sq. yds. situated at Fulpada, Dist. Surat as fully described in sale-deed registered No. 7550 of November, 1975 registered with registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 23-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) The Principal Officer.
Cema Private Ltd. (Now known as Cema Ltd.)
24, Brelvi Sayed Abdulla Road,
Bombay-400 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. P.R. No. 428 Acq. 23-669/13-8/76-77.—Whereas,

I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3341/1, 3341/3, 3341/5, 3346/1, 3342/A & 3342/B of Kakarkhad Patti & Hirji Patti situated at National Highway No. 8, Nadiad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad in November, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

24—186GI/76

(2) The Principal Officer,
Power Cables Private Ltd.,
(Now known as Apar Private Ltd.)
24, Brelvi Sayed Abdulla Road,
Bombay-400 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 12 acre 25 gunthas bearing Sur. No. 3341/1, 3341/3, 3341/5, 3342/A, 3342/B and 3346/1 situated at Kakarkhad and Hirjipatti Nadiad on National Highway No. 8, alongwith structures etc. as described in the sale-deed registered under registration No. 1456 in the month of November, 1975 by registering Officer, Nadiad.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 13-7-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) The Principal Officer,
Cema Private Ltd. (Now known as Cema Ltd.)
24, Brelvi Sayed Abdulla, Road,
Bombay-400 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. P.R. No. 429 Acq. 23-669/13-8/76-77.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3341/2, and 3341/4, Kakarkhad and Hirji Patti situated at National Highway No. 8, Nadiad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad in November, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) The Principal Officer,
Power Cables Private Ltd.,
(Now known as Apar Private Ltd.)
24, Brelvi Sayed Abdulla Road,
Bombay-400 001.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 8 gunthas bearing No. 3341/2, 3341/4, situated at Kakarkhad and Hirji Patti, Nadiad on National Highway No. 8, alongwith structures etc. as described in the sale-deed registered under registration No. 3953 in the month of November, 1975 by registering Officer, Nadiad.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 13-7-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Asian Industries (India)
through partner Shri Rameshchandra Shahji and
others, Amreli.
(Transferor)

(2) M/s Devdoot Industries, (through partner Shri
Ravjibhai Karmshi Patel)
Bhavnagar Road, Post Box No. 32, Amreli.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. 444 Acq. 23-820 (444) 2-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Revenue Survey No. 1113 & 1114 situated at Amreli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amreli on 12-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 44165 Sq. Yards and bearing Revenue Survey No. 1113 and 1114, situated at Amreli.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 13-7-1976

Seal .

FORM ITNS—

(1) Shri Narsidas Gangaji,
Fulwadi, Jetpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. 445 Acq. 23-829 (445)/16-3/75-76.—Whereas,

I, J. KATHURIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

On a byelane in ghetawala plot situated at Jetpur, Distt. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 12-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Jaykunwar Vinodrai,
Sankdisheri naka, Jetpur.

(Transferee)

(3) Shri Jay Radheshyam Dyeing and Ptg. works,
Jetpur.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 1227-1 Sq. Yards and situated on a bye lane in ghetawala plot, Jetpur Dist, Rajkot.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-7-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. 446 Acq 23-869(446)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 124-2 & 125-1, F.P. 39 Sub plot No. 1 C.T.P.S. No. 8 situated at Dariapur Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Arvindbhai Narottambhai Trustee of Ben Manini Trust, Shahibag, Ahmedabad.
2. Shri Rajiv Kishorchan Badhani, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) For and behalf of Prem Co-op. Housing Society (proposed)

1. Shri Sham Sunder Chandulal Deepika Co Op Housing Society, Dafnala, Shahibag, Ahmedabad.
2. Shri Ram Avtar Dwarka Prasad M/s D.L. & Co. Bombay Market Cross Lane, Ahmedabad.

(Transferee)

(3) Trustees of ben manini trust :—

1. Shri Arvindbhai Narottambhai, Shahibag, Ahmedabad.
2. Shri Shrenikbhai Kasturbhai, Shahibag, Ahmedabad.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land (With construction up to plinth) ad-measuring in all 3610 Sq. Yards, Bearing survey Nos. 124-2 & 125-1, final plot No. 39 sub plot No. 1-c, T.P.S. No. 8 and situated at Dariapur Kazipur, Shahibag Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-7-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. 447 Acq. 23-1081(447) 1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 166, Sub plot No. 3, T.P.S. 3 situated at Gujarat high court road, Metro Commercial centre, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) House of Benefit (P) Ltd. proprietor
M/s Envee and Co. through its director
Shri Nanik Sadhuram Kha Yani,
587, Jawahar Colony,
Sardar nagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kalaben Narottambhai Patel
16, Friends Colony, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property consisting of office No. 5, on 1st floor of Metro Commercial centre, situated at Gujarat High Court Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-7-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) House of Benefit (P) Ltd. proprietor,
M/s Enves and Co. through its director
Shri Nanik Sadhuram Khiyani
587, Jawahar Colony,
Sardar nagar, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. 448 Acq. 23-1082 (448)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Final Plot No. 166, Sub plot No. 3, T.P.S. 3 situated at Gujarat high court road, Metro Commercial centre, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Bipinchandra Bhogilal Amin
16, Friends Colony,
Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property consisting of office No. 6, on first floor of Metro Commercial centre, situated at Gujarat High Court Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-7-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Khodabhai Manilal Patel Memnagar, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. P.R. No. 449 Acq. 23-I-1083(449)/1-1/75-76.—

Whereas, I J. Kathuria,
being the Competent Authority under Section 269B^a of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

No. Survey No. 198,
situated at Memnagar, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 20-11-75.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-
tion (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following
persons, namely :—

(2) Smt. Sarojben Chunibhai Patel 5, Dinesh Nagar
Society, Naranpura, Nr. Railway Crossing,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the Said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 9½ Gunthas bearing
survey No. 198, situated at Memnagar, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date : 13th July, 1976.
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Maganlal Ranchhodlal Patel 2B, Maskati

Market, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shakti Brick Works (Firm) Near G Ward, Kuber Nagar, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. P. R. No. 450 Acq. 23-I-1084(450)/I-1/75-76.—
Whereas, I, J. KATHURIA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey Nos. 154A, 154B,
situated at Naroda, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-11-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open plot of land admeasuring in all 10131 Sq. Yards, bearing Survey Nos. 154A & 154B, Situated at Naroda, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

25—186 GI/76

Date : 13th July, 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
 HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. P.R. No. 451 Acq. 23-I-1085 (451)/16-6/75-76.—
 Whereas, I. J. KATHURIA,
 being the competent authority under
 Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
 the 'Said Act'), have reason to believe
 that the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Sub Plot Nos. 7 (part) and 8 E.P. No. 70, 15 Jagnath
 plot situated at East of Dr. Yagnik Road, Rajkot,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Rajkot, on 17-11-1975,
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the Said Act, in
 respect of any income arising from the transfer,
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) M/s. Worah Construction Co, 7, Jagpath Plot,
 Rajkot, through Managing Partner Shri Nanalal
 Makanji Worah.

(Transferor)

(2) M/s Prashant Construction Co (through its
 Partner) Cloth Market, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever
 period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the Said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring in all 634 Sq. Yards
 and bearing Sub plot Nos 7 (Part) and 8, E.P. No. 70, and
 situated at 15, Jaganath Plot, East of Dr. Yagnik Road,
 Rajkot.

J. KATHURIA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I
 Ahmedabad.

Date : 13th July, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Santokben Widow of Shanabhai Kishorhai Bhodakdev, Taluka Daskoi, Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. B. Patel & Co. through Partner, Shri Babulal Girdharlal and others Devanji Society, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ahmedabad-380009, the 13th July 1976

Ref. No. P.R. No. 452 Acq. 23-I-1086(452)/1-1/75-76 —
Whereas, I, J. KATHURIA,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Survey No. 242-1,
situated at Bhodakdev, Taluka Daskoi, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 24-11-1975
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 0.33 guntha bearing Survey No. 242-1, and situated at Bhodakdev, Taluka Daskoi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date : 13th July, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D. F. Patel & Co. through partners
1. Shri Dashrathlal Fakirbhai Patel & others.
Danapith, Navavas Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th July 1976

Ref. No. P. R. No. 453 Acq. 23-I-881(453)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. KATHURIA
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'Said Act') have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 9 (part),

Situated at

Behrampura Road, Danilimda, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 14-11-1975

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
Parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

(1) M/s. D. F. Patel & Co. through partners
1. Shri Dashrathlal Fakirbhai Patel & others.
Danapith, Navavas Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Jaybharat Kabadi Market Association, Behrampura,
Ahmedabad 22.

through President Shri Shamdas Karamchand
Opp.—Nihariaka park; Shanta mention-2, 1st floor,
bahai Centre, Shahpur, Ahmedabad,
and Secretary—Kasamali Abdulganj, Qureshi, Taj-
pur, Tad ni shri, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 10222 Sq. Yards bearing
S. No. 9 (Part) east side, situated at Behrampura road
Danilimda Distt., Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13th July, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dinubhai Maganlal Raval 26, Master Colony,
Out side Shahpur Gate, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 13th July 1976

Ref. No. P. R. 454 Acq. 23-I-1087 (454)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. KATHURIA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Final plot No. 176 of T.P.S. No. 29
situated at Near Naranpura Char Rasta, Ahmedabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 29-11-1975.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

(2) New Megh Doot Co-op. Housing Society Ltd.
5/102, Sunder Nagar Society, Naranpura Char
Rasta, through Chairman Shri Rambhai Chandulal
Patel, Secretary Shri Dineshkumar Preladbhai
Ahmedabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring in all 5445 Sq. Yards, bear-
ing final plot No. 176 of TPS No. 29 situated near naranpura
char rasta and registered under two different documents, the
detail of which are as under :—

Sr. No.	Sub. Plot No.	Area	Regd No.	Date
1	1	4500 Sq. Yds	19180	29-11-75
2	2	945	„	19189 29-11-75

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 13th July, 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. P. R. No. 455 Acq. 23-I-1088(455)/1-1/75-76.—
 Whereas, I. J. KATHURIA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 4304, 4305 and 4306 situated at Panchkuva, Mirghawad, Kalupur Ward No. 1, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Keswani Bros, through its partners 1. Shri Aildas Bhagwandas Keswani, 2. Shri Gopichand Bhagwandas Keswani, 3. Shri Puranchand Bhagwandas Keswani 4. Shri Vasudev Parshram Keswani, 5. Shri Pokerdas Dwarkadas Keswani, 6. Cutlary Merchants, Keswani Building, Mirghawad, Panchkuva, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Sunderdas Vaswani, 10-Tilak Nagar Society, Ahmedabad Road, Vadej, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two rooms bearing private Nos. 2 and 3, admeasuring 15.43. S. meters situated in the building known as "Parsram Chamber" bearing C.T.S. Nos. 4304, 4305 and 4306, situated at Kalupur ward No. I, Panchkuva, Mirghawad, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Ahmedabad.

Date : 13th July, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shardaben Himatil Shah Shamlanipole, Raipur,
Ahmedabad-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. P. R. No. 456 Acq. 23-I-885 (456)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. KATHURIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Final Plot No. 40, of T.P.S. No. 7
situated at Khokhra Mehmedabad, Ahmedabad.
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 1-11-1975
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the property aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice, under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the
following persons, namely :—

(2) Bhal Keshwar Co.op. Housing Society Ltd. (Proposed)
Through its promoters 1. Shri Bharatkumar
Kantilal Bhavsar C/o Mahendra Kunj Society,
Khokhra Mehmedabad, Ahmedabad. 2. Shri Vadilal
Babuldas Modi, Near State Bank, Astodia Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 4900 Sq. Yds, bearing
Final Plot No. 40 of T.P.S. No. 7 and situated at Khokra,
Mehmedabad, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date : 13th July, 1976

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th July 1976

Ref. No. P. R. No. 457 Acq. 23-1-887 (457)/1-1/75-76.—
Whereas, I. J. KATHURIA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Final Plot No. 195, part of Sub-Plot Nos. 1 and 2 of T.
P. S.
No. 14 situated at Shahibaug, Ahmedabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 26-11-75
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE E

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An immovable property (with structure) standing on land admeasuring 4738-37 S.meters, bearing Survey No. 169, 172 and 173 Final Plot No. 195, part of Sub-plot Nos. 1 and 2 of T.P.S. No. 14 and situated at Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th July, 1976.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th April 1976

C.R. No. 62/5123/75-76/Acq/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Converted land measuring 3 Acres 12 guntas in Survey No. 65, 4 Acres 30 guntas in Survey No. 68, 9 Acres 32 guntas in Survey No. 69 and 5 Acres 28 guntas in Survey No. 70—Total 23 Acres and 22 guntas situated at Chagalatti Village, Jala Hobli, Devanahalli Taluk, Bangalore Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Devanahalli, Bangalore District, Document No. 2248/75-76 on 7.11.75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Subbamma, W/o. Late Sri B. Ramachandra Rao, No. 50/69, Model House Street, & "Ramachandra Nilaya" Basavanagudi, Bangalore-4.
- (2) B. R. Achuta Rao, S/o. Late B. Ramachandra 6th Main, N. R. Colony, Bangalore-19.
- (3) R. A. Narasimha Murthy, S/o. B. R. Achuta Rao (Assistant Engineer No. 371, 7th Cross, Rao
- (4) Shantha D/o. B. R. Achuta Rao Minors Represented by their natural guardian and father Shri B. R. Achutha Rao
- (5) B. R. Prabhakar Rao, S/o. Late B. R. Ramachandra Rao, residing with his mother Smt. Subbamma.

- (6) Lakshminarayana, S/o. B. R. Prabhakar Rao (Minor) Rep. by his natural guardian and father Shri B. R. Prabhakar Rao.
- (7) B. R. Krishna, S/o. Late B. Ramachandra Rao, Lecturer in Sociology-Sri Muruga Rajendra College, Chitradurga.
- (8) Harsha, S/o B. R. Krishna (Minor) Rep. by his natural guardian & father B. R. Krishna.
- (9) B. R. Prakash S/o. B. Ramachandra Rao (Late)-residing with his mother Smt. Subbamma.
- (10) B. R. Venugopal S/o. Late B. Ramachandra Rao, residing with his mother Smt. Subbamma. (Transferor)

- (2) Shri Taralabalu Co-operative Industrial Estate Ltd. Represented by its Chief Promoter Shri M. Basavarajappa, S/o. Sri Sanna Murugeppa, No. 341, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 2248/75-76 Dated 7-11-1975)

Converted land measuring : Acres Gunatas

3	12	in S. Nos. 65, 68, 69
4	30	and 70 Chagalatti
9	32	Village Jala Hobli,
5	28	Devanhalli Taluk, Bangalore Distt.

Total 23 12

BOUNDRIES ARE AS FOLLOWS :

For 3 Acres and 12 guntas : Survey No. 65, Dry. East : Land of Smt. Gauramma.

West : Road.

North : Muniamma's land

South : Land belonging to Petitioner.

For 4 Acres 30 Gunatas : Survey No. 68-Dry.

East : Vasantaiah's Land.

West : Road.

North : Petitioner's land.

South : Sonnaganahalli Yalli.

For 5 Acres and 28 guntas : Survey No. 70-Dry.

East : Road.

West : Beglur Yalle.

South : Petitioner's land.

North : Muniamma's land.

TOTAL LAND AREA—23 Acres 22 guntas.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 29-4-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st May 1976

C.R. No. 62/5128/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a converted land measuring one Acre with premises bearing No. 98, Known as "Main Villa" out of S.No. 53, and compressed in plot No. 37. situated at Bore Well Road, White Field, Bangalore South Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk. Document No. 3243/76-76 on 15-11-75

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following:

(1) Shri R. Nagarajan Nair, S/o. Raghavan Pillai, Supervisor, H. A. L. Bangalore (Kanapur) by power of Attorney holder Smt. Mary Devisia.

(Transferor)

(2) Shrimati Kimani Roy, W/o Sri Siddartha Roy No. 23, Bhaktawar Narayan Dhabollchan Road, Bombay. By power of Attorney holder Mr. V. Agnihothudu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 3243/75-76 dated 15-11-75)

The property being a converted land measuring one Acre with premises bearing No. 98, known as "Manivilla" out of S. No. 53 and compressed in plot No. 37. Bore Well Road, White Field, Bangalore South Taluk.
Plinth : 9 Squares.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-5-76

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-27, the 21st May 1976

C.R. No. 62/5135/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Western half of the premises bearing old No. 10-A and New No. 24, situated at Museum Road, Civil Station, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 2420/75-76 on 12-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Chandu Bai, W/o. Late K. R. Bawarilal Jain.
- (2) Sri R. B. Hemraj, S/o. Late K. R. Bawarilal Jain.
- (3) Sri Vimalchand Jain, S/o. Late K. R. Bawarilal Jain.
- (4) Kum. Yashoda Bai, D/o. Late K. R. Bawarilal Jain.
- (5) Kum. Kamala Bai, D/o. Late K. R. Bawarilal Jain.
- (6) Kum. Madan Bai, D/o. Late K. R. Bawarilal Jain.
- (7) Kum. Jara Bai, D/o. Late K. R. Bawarilal Jain.

No. 4 to 7 being minor and represented by their guardian mother No. 1, Chandu Bai all heirs of Late K. R. Bawarilal Jain, S/o. K. Rowthmull, No. 61, Pilliar Koil Street, Shoolai, Civil Station, Bangalore-1.

- (8) Shri R. B. Hermraj acting for himself and as Manager of the family consisting of the abovesaid members.

(Transferor)

- (2) Shri M. Chainraj, S/o. P. Mangilal, No. 96, Diagnol Road, Visweswarapuram, Bangalore-4.

(Transferee)

- (3) Surgiment (India), Represented by its partner Ishwardas Mundhra, No. 24, Museum Road, Bangalore-1.

[Person(s) in occupation of the property]
Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 2420/1975-76 dated : 12-11-75)

Western half of the premises bearing old No. 10-A and New No. 24, Museum Road, Civil Station, Bangalore-1.

Site Area :

East : 39'.6"''
West : 45'.-
North : 30'.3"''
South : 27'.9"''

BOUNDARIES :—

East : Portion of the same premises, 10-A,
West : Museum Road,
North : Mrs. Phaure's house, No. 23, Now Pinto's
house, and,
South : Basappa's shop (Barber Muniram Shop)

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21st May, 1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri M. Munibachappa, S/o Late Chicknirappa.
 2. Padmaraju } Minors represented by their father and
 3. Jagadeesh } natural guardian Shri M. Munibachappa.

All residing at : No. 2, 2nd Cross, Model Colony,
 Yeshwanthpur, Bangalore-22.

(Transferor)

- (2) Shri B. K. Ananthareja Setty, S/o Late Sri Krishniah Setty, Dealers in Agarbatti raw materials, No. 43/A, H. B. Samaja Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 28th May 1976

C. R. No. 62/5172/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House on site bearing Municipal No. 13, (formerly belonging to S. No. 60/2 of Yeshwanthapur Village) of Marappana Palya, situated at Rajajinagar, Bangalore-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Document No. 3610/75-76 on 17.11.75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

—: अपेक्षित वासी

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3610/75-76 Dated 17-11-75)

House on site bearing Municipal No. 13, (formerly belonging to S.No. 60/2 of Yeshwanthapur Village) of Marappana Palya, Rajajinagar, Bangalore-10.

Site area :

East to West—On the Northern side—100 ft. }
 East to West—On the Southern side—84 ft. } 6.680 sq. ft.
 North to South—40 ft.

Boundaries :

East—Road

West—Property belonging to Shri Chickmuniswamappa and his children:

North—Property belonging to Sri Thimmaiah and his children, and

South—Property belonging to M/s Mysore Metal Refinery.

R. KRISHNAMOORTHY,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28.5.1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. Mohammed, S/o Abbonu Barry, Azizuddin Road, Bunder, Mangalore-1.
(Transferor)

(2) Shri F. Ahmed, S/o Abdul Rahiman, Azizuddin Road, Bunder, Mangalore-1.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6
BANGALORE-27

Bangalore, the 17th May 1976

Ref. C.R. No. 62/5177/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property bearing Door No. 10-486, situated at Azizuddin Road, Kasaba Bazaar Village, Bunder, Mangalore-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Hd. Qrs. sub Registrar, Mangalore. Doc. No. 811/75.76 on 10-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 811/75-76 Dated 10-11-75
R.S. No. T.S. No. KISSAM EXTENT WHICH PORTION
A.G.

1355-I 345-1 Garden 0-7 Eastern Portion of non-agricultural house site bearing Door No. 10-486, Azizuddin Road, Kasaba Bazaar Villages, Bunder Mangalore-1.

Plinth :—1560 Sq. ft. ($60' \times 25' = 1560$ Sq. ft.)

Boundaries—East : Azizuddin Road

South : Survey line and land belonging to T.S. No. 344 and 340

West : House belonging to Sri Abdul Hamid and

North : Survey line and land belonging to T.S. No. 317.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 17-5-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. C. Mascarenhas, S/o Late Albert Mascarenhas, Engineer, Sturrock Road, Mangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Aisha, W/o. A. Abdul Hameed, Kandak, Mangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS
BANGALORE-27

Bangalore, the 17th May 1976

Ref. C.R. No. 62/5178/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 18-48 (18-2-22)
situated at Falnir, Attawar, Mangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
at Hd. Qrs. Sub Registrar, Mangalore. Document No. 810/75-76 on 10-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 810/75-76

Dated 10-11-75

R.S. No. T.S.No. KISSAM EXTN TS

Acres Cents

187-1	30-1	Garden	0	29
of non-agricultural land bearing Door No. 18-48 (18-2-22)				
Attawar Village, Falnir Ward, Mangalore. S. K.				

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 17-5-76

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th May 1976

Ref. C.R. No. 62/5190/75-76/ACQ/B.—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site bearing old No. 2946/E and New No. 11, situated at Magadi Road, Chord Road End Extension, Bangalore-40(Divn. No. 21) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram, Bangalore. Document No. 2344/75-76 on 10-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati N. Kempe Gowda, (Retd. Sub-Registrar), S/o H. Kempiah, No. 1127, Maddur Town, Mandya Dist. (Transferor)
- (2) Shrimati Manjula, D/o Sri M. P. Ramaradhy, 1053, '7th Main Road, Hosahalli Extension, Bangalore-40. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2344/75-76, dated 10-11-75]
Vacant site bearing old No. 2946/E, and New No. 11, Magadi Road, Chord Road End Extension, Bangalore-40 (Division No. 21)

Site Area : East to West=89' }
 North to South=45' } 4005 Sq. ft.

Boundries : North=Site No. 2945/E
 South=Site No. 2947/E
 East=Site No. 2923/E and
 West=Road

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 28-5-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri B. Ganesh Singh,
S/o Sri K. Balaji Singh, No. 141, 16th Main Road
'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd June 1976

Ref. C. R. No. 62/5203/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. House No. 141, 16th Main Road, IV Block situated at Jayanagar, 'T' Extension, Bangalore-11. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Document No. 2333/75-76 on 13-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri B. N. Sheshananda Singh, S/o Sri B. D. Narasingh Bhan, Officer, State Bank of Mysore, Kunigal Branch, residing at Kunigal Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2333/75-76 dated 13-11-75]
House No. 141, 16th Main Road, IV Block, Jayanagar 'T' Extension, Bangalore-11.

Site Area : East to West = 40'
North to South = 52'.6" } 2240 Sq. ft.

Plinth : 8½ Squares

Boundaries : East : 16th Main Road,
West : Site No. 142,
North : Site No. 140 and
South : Site No. 152.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 2-6-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. G. Thimme Gowda, S/o. Late Venkatarama Gowda, Bazar Street, Kanakapura Town, Bangalore Distt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd June 1976

Ref C.R. No. 62/5204/75-76/ACQ/B.—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential vacant site bearing No. 129, 7th Main Road, V Block, Jayanagar, Bangalore-41.
situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Document No. 2348/75-76 on 14-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

27—186GI/76

(2) Smt. Girja Shamsunder Shetty, W/o Shama Sunder Shetty, No. 15, V Main Road, V Block, Jayanagar, Bangalore-41.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2348/75-76 dated 14-11-75]

Residential vacant site bearing No. 129, 7th Main Road, V. Block, Jayanagar, Bangalore-41.

Site Area : East to West=90' }
 North to South=45' } 4050 Sq. ft.

Boundaries : North=Site No. 130
 South=Site No. 128
 East=7th Main Road and
 West=Site No. 102

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 2-6-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati S. K. Valdehi, No. 29, I Cross Road,
Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd June 1976

Ref. C.R. No. 62/5226/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R.

KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential vacant site bearing No. 101, K. G. Byadarahalli, (Williams Town).

situated at Bangalore (Division No. 46)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore. Document No. 2810/75-76 on 6-11-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri G. Sathyendra,
Works Manager, Water Industries Co. Ltd.,
Nasik Industrial Area, Plot No. 75, Satpur,
NASIK-422 007 Maharashtra State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2810/75-76 dated 6-11-75]

Residential vacant site bearing No. 101, K. G. Bydarahalli (Williams Town), Bangalore (Division No. 46)

Site Area : $50' \times 75' = 3,750$ Sq. ft.

Boundaries : North : Property of Sri T. N. Subramanyam,

South : Mr. Rahman's House.

East : Road and

West : Private property.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 2-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Sharadamma, W/o Sri T. Ramaiah,
No. 176, 8th Cross, 5th Block, Rajajinagar,
Bangalore-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th May 1976

Ref. C.R. No. 62/5227/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Corner vacant building site bearing No. 323, now bearing Municipal No. 323/51, 14th Main Road, situated at Rajamahal Vilas Extension, Bangalore. (Division No. 45-A) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 2811/75-76 on 6-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Shri K. M. Druvakumar, M.D. S/o Dr. K. Manjunatha Setty, No. 1480, E. Woodward, Heights Road, Hazel Michigan, U.S.A. Represented by his G.P.A. holder Shri N. Vajram Setty, No. 98, Bull Temple Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2811/75-76 dated 6-11-75]
Corner vacant building site bearing No. 323, Now bearing Municipal No. 323/51, 14th Main Road, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore (Divin. No. 45-A)

Site Area : East to West=66'8" }
North to South=70' } : 4690 Sq. ft.

Boundaries : East : 5th Cross Road,

West : Site bearing No. 322,

North : Site bearing No. 270 and

South : 7th Main Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-5-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 17th June 1976

C.R. No. 62/5230/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Northern half portion of premises bearing No. 15, 9th Cross, West Park Road, situated at Malleswaram, Bangalore-3. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, D.O.C. No. 2887/75-76 on 13-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri A. R. Krishnaswamy Alias A. R. Krishnaswamy Iyer, S/o Late Appu Kudal S. Ramaswamy Iyer, No. 15-A, 9th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri D. N. Sumathikumar, S/o D. K. Nabhirajaiah, No. 26, Seshadri Road, Bangalore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2887/75-76 dated 13-11-75.

Northern half portion of premises bearing No. 15, 9th Cross, West Park Road, Malleswaram, Bangalore-3.
Site Area :

Est to West=69' North to South=41.6' } 2,822 sq. ft.

Plinth : 13 squares.

Boundaries:—

East : West Park Road,
West : Sri A. K. Venkatachalam's house bearing No. 25/A.
North : Private Property and

South : Southern half portion of premises No. 15 sold to Sri D. N. Nagarajaiah.

R. KRISHNAMOORTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 17-6-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore, the 17th June 1976

Ref. C.R. No. 62/5231/75-76/ACQ/B.—Whereas, I,

R. KRISHNAMOORTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Corner plot with Southern half of premises bearing No. 15, West Park Road, 9th Cross, Malleswaram, situated at Bangalore-3. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, DOC. No. 2888/75-76 on 13-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri A. R. Krishnaswamy Alias A. R. Krishnaswamy Iyer, S/o Late Appu Kundal S. Ramaswamy Iyer, No. 15-A, 9th Cross, West Park Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri D. N. Nagarajaiah, S/o D. K. Nabhirajaiah, No. 26, Seshadri Road, Bangalore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2888/75-76 dated 13-11-75]

Corner plot with Southern half portion of premises bearing No. 15, 9th Cross, West Park Road, Malleswaram, Bangalore-3.

Site Area :

East to West=68'	}	: 2,822 sq. ft.
North to South=41.6'		

Boundaries :

Plinth : 13 squares.

East : West Park Road,

West : Premises No. 26, belonging to Sri R. N. Murthy,

North : Northern half portion of premises No 15 sold to Sri D. N. Sumathikumar and

South : 9th Cross Road.

R. KRISHNAMOORTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 17-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, Bangalore-27

Bangalore-27, the 28th May 1976

Ref. C.R. No. 62/5234/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 76-762, New No. 252 situated at O.T.C. Road, Chickpet, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 2917/75-76 on 15-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shanthamma W/o late Sri B. K. Channaveerappa,
2. Sri B. C. Kidigannappa S/o late Sri B. K.
Channaveerappa
Both residing at No. 277, Cubbonpet, Main Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati L. Gangamma W/o Sri B. R. Sivanna,
No. 319, II floor, 6th Block,
Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

(3) M/s State Dressess
M/s Vishal Dressess
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2917/75-76 dated 15-11-75]
Shop bearing No. 76-762, New No. 252, O.T.C. Road, Chickpet, Bangalore.

Site Area :

10'×26'=260 S. ft.

*Plinth 260 sft. (old building)**Boundaries :*

East : Eswara Temple Shop
West : G. Bhawarlai Lunked shop
North : O.T.C. Road and
South : Attibele Rudrappa's Shop

R. KRISHNAMOORTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-5-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 24th May 1976

C.R. No. 62/5256/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site bearing No. 253/A, situated at Kanakpura Road, VII Block, Jayanagar, Extension, Bangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 2465/75-76 on 27-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri S. Sadashiva Rao, Medical Practitioner, S/o Late Sante Bachahalli Subba Rao, Fort, Holenarsipur, Hassan District.

(Transferor)

(2) Smt. M. C. Sujatha, W/o Sri M. P. Devaraj, 74/1, 4th Main Road, N. R. Colony, Banagalore 19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered document No. 2465/75-76

Vacant site bearing No. 253/A, Kanakpura Road, VII Block, Jayanagar Extension, Bangalore.

Site Area :

East to West=130'
North to South=67' } : 8.710 sq. ft.

Boundaries :—

North : Site No. 253/B
South : Site No. 253
East : Site No. 250/A and
West : Kanakpura Road.

R. KRISHNAMOORTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 24-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri N. Ramachandra Naidu,
S/o Sri Narayanaswamy Naidu,
No. 6/1, 3rd Cross, Shamanna Garden,
Bannerghatta Road, Bangalore-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd June 1976

C.R. No. 62/5257/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant residential site bearing No. 96/13, 1st Cross, Shankarappa Block, situated at Lakkasandra, Bangalore (Division No. 36) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Doc. No. 2485/75-76 on 28-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. A. K. Beebi, D/o Late Ibrahim Khan,
No. 27, Park Area, Wilson Garden, Bangalore-27
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2485/75-76 Dated 28-11-75]

Vacant residential site bearing No. 96/13, 1st Cross, Shankarappa Block, Lakkasandra, Bangalore, (Division No. 36).

SITE AREA :

East to West : 60'
North to South : 40' } : 2400 Sq. ft.

BOUNDARIES :—

East : Site No. 97/14.
West : Site No. 95.
North : Open drain
South : Road.

R. KRISHNAMOORTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-6-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gowramma, W/o Muniswamappa,
No. 26, G. No. 10th Street, Ulsoor,
Bangalore-8.

(Transferor)

(2) (i) Sri Govindaiah Alias Keshva, S/o Muniswamy,
(ii) Smt. K. Varalakshmi, W/o Sri Govindaiah Alias
Keshava Both Residing at No. 9. Kempanna Road,
Jayabharathinagar, Bangalore-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2474/75-76

Premises bearing No. 9, Kempanna Road, Jayabharathinagar, Bangalore-33, (Dn. No. 49) constructed on Plot No. 9, Formerly situated in Jodi Lingarajapuram Village, Maruthi Sevanagar, Kasapa Hobli, Bangalore Taluk.

SITE AREA:—

East : 60'	}	3,013 Sq. ft.
West : 63'		
North : 49'		
South : 49'		

PLINTH:

1 square R.C.C.
19 squares M'lore Tiled roofing.
Total 20 Squares.

BOUNDARIES:—

East : Road,
West : Plot No. 12,
South : Road, and
North : Plot No. 8

R. KRISHNAMOORTY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 17-6-1976

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 17th June 1976

C.R. No. 62/5261/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises bearing No. 9, situated at Kempanna Road, Jayabharathinagar, Bangalore-33 (Dn. No. 49) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 2474/75-76 on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—186GI/76

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 4th June 1976

C.R. No. 62/5262/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

North Eastern portion of composite property known as "Glen Bethal" now known as and bearing corporation No. 49 (Old No. 8) Viviani road, Richards town, Division No. 48, Bangalore, situated at Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 2476/75-76 on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Be Be Khurshid Taj Begum, W/o M. K. Shahnawaz Sahib, No. 43-A Atlas Apartments, II, Harkness road, Malabar Hills, Bombay-6, presently C/o Be Be Huma Begum, No. 17, Lloyds road, Cooke Town, Bangalore-5.
 (Transferor)

(2) 1. Mohamed Saniulla alias Basheer, S/o Mohamed Fakrulla Sahib.
 2. S. Ahmedulla Khan, S/o M. A. Sattar Khan Sahib both residing at No. 40, Viviani road, Richards Town, Bangalore-5.

(Transferee)

(4) 1. Mohamed Sanaulla alias Ameer,
 2. Mohamed Kareemulla alias Rafik.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2476/75-76

North Eastern portion of composite property known as "Glen Bethal" now known as and bearing corporation No. 49 (Old No. 8) Viviani road, Richards Town in Corporation Division No. 48, Bangalore.

SITE AREA :

N to S—58' 6"
 E to W—60' 6"
 3,550 sft.

Plinth 460 sft.

BOUNDARIES :

N.—Viviani Road.
 S.—South Eastern portion sold to Mohamed Sanaulla and another.
 E.—Premises No. 39, Viviani Road and
 W.—Portion of the property sold to Sri A. K. Siddiqui Hanef Bi and another.

R. KRISHNAMOORTY,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 4-6-76

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.**

Bangalore-27, the 4th June 1976

C.R. No. 62/5263/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R: KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

South eastern portion of composite property known as "Glen Bethal" now known as and bearing corporation No. 49 (Old No. 8) Viviani road, Richards town, Bangalore (Division No 48) situated at Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 2475/75-76 on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Be Be Khrushid Taj Begum, W/o M. K. Shahnaaz Sahib, No 43-A, Atlas Apartments, II, Harkness road, Malbar Hills, Bombay-6, presently C/o Be Be Huma Begum, No. 17, Lloyds road, Cooke Town, Bangalore-5. (Transferor)

(2) 1. Mohamed Sanulla alias Ameer, S/o Mohamed Fakrulla Sahib. 2. Mohamed Kareemulla alias Rafik, S/o Mohamed Fakrulla Sahib. both residing at No. 40, (Old No. 8) Viviani road, Richards Town, Bangalore-5. (Transferee)

(3) 1. Mohamed Samiulla alias Basheer 2. Ahmedullah Khan. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2475/75/76 dated 17-11-75]
South eastern portion of composite property known as "Glen Bethal" now known as and bearing corporation No. 40 (Old No. 8) Viviani road, Richard Town, Bangalore (Division No. 48).

SITE AREA :

N.—58' 6"	}
S.—62'	
E.—60' 6"	
W.—42' + 17' 6"	

3,852 sft.

Plinth.—1,421 sft.

BOUNDARIES :

N.—North eastern portion sold this day to Mohamed Samiulla and another.
S.—Conservancy lane.
E.—Premises No. 39, Viviani Road and
W.—Portion of the property sold to Sri N. Ulganathan Haneefa Bi and others.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 4-6-76

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 4th June 1976

C.R. No. 62/5264/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Corner vacant site being a portion of the property known as "Glen Bethal" now known as and bearing corporation No. 40 (Old No. 8) situated at Viviani Road, Richards Town, Bangalore-5 (Dn. No. 48)

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 2478/75-76 on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Be Be Khurshid Taj Begum, W/o M. K. Shah Nawaz Sahib, No. 43-A, Atlas Apartments, II, Harkness road, Malabar Hills, Bombay-6, presently C/o Be Be Huma Begum, No. 17, Lloyd's road, Cooke Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) A. K. Siddiqui, S/o Late Abdul Azeez Siddiqui, No. 11-4-634, Picture House Road, A.C. Ghats, Hyderabad, Presently at No. 218, O.P.H. Road, Bangalore.

(Transferee)

(3) 1. Mohamed Sanaulla Alias Ameer,
2. Mohamed Samiulla Alias Basheer,
3. Mohamed Kareemulla Alias Rafik
4. S. Ahmedulla Khan.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2478/75-76

Dt. 4-6-76]

Corner vacant site being a portion of the property known as "Glen Bethal" now known as and bearing corporation No. 40 (Old No. 8) Viviani road, Richards Town, Bangalore-5 (Division No. 48).

SITE AREA :

North : 47'-6"
South : 47'-6"
East : 43'-6"
West : 43'-6"

} 2006 sq ft

BOUNDARIES :

North : Viviani Road,
South : Portion of the composite property this day sold to Smt. Haneefa Bi and another;
East : Eastern portion of the composite property this day sold to Mohamed Samiulla Alias Basheer and another.
West : Cookson Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 4-6-76

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Be Be Khurshid Taj Begum, W/o
Shri M. K. Shahnaaz Sahib,
No. 43-A Atlas Apartments, Harkness road,
Malabar Hills, Bombay-6,
presently C/o Be Be Huma Begum,
No. 17 Lloyds roads, Cooke Town, Bangalore-5.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th June 1976

C.R. No. 62/5265/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of composite property known as "Glen Bethal" now known as and bearing corporation No. 40 (old No. 8) situated at Viviani Road, Richards Town, Bangalore (Dn. No. 48) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 2479/75-76 on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (2) Smt. Haneefa Bi, W/o
Late Abdul Gaffar Sahib,
2. Mrs. Zubeida Ibrahim, W/o Mohamed Ibrahim,
Both residing at No. 40, Viviani Road, Richards Town Bangalore-5.
(Transferor)

- (4) 1. Mohamed Sanaulla Alias Ameer,
2. Mohamed Samiulla Alias Basheer,
3. Mohamed Kareemulla Alias Rafik
4. S. Ahmedulla Khan.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No] 2479/75-76 Dated 7-11-75
Portion of composite property known as "Glen Bethal" now known as and bearing corporation No. 40 (old No. 8) Viviani Road, Richards Town, Bangalore-5 (Dn. No. 48)

Site Area :

North : 47'-6"
South : 45'-6"+2'
East : 34'.6"+10'.6"
West : 45'

2,120.5 Sft.

Plinth : 870 Sft.

BOUNDRIES :

N.—Portion of the composite property sold to Sri A. K. Siddique.
S.—Portion of composite property sold this day to Sri N. Ulaganthan.
E.—Portion of composite property sold this day to Sri Sannaulla and Others.
W.—Cookson Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 4-6-76

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Smt. Ramalakshamma, W/o B. V. Varadaraju, De-
vity Pet, Chikkaballapur, Kolar District.

(Transferor)

(2) Shri Bakher Shariff, S/o Abdul Wahab Sahib, No.
86, Brigade Road, Ashoknagar, Civil Station, Ban-
galore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore, the 17th June 1976

C. R. No. 62/5266/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site with dilapidated building bearing old No. 82 and new No. 75 situated at Brigade Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Shivaji Nagar, Bangalore—Doc. No. 2499/75-76 on 18-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2499/75-76 Dated 18-11-75)

Site with dilapidated building bearing old No. 82 and new No. 75, Brigade Road, Civil Station Bangalore.

Site area :
E to W — 63' }
N to S .. 33' }

2,129 sq. ft.

Boundaries :

E : Dwelling house belonging to Bakher Ali
W : Brigade Road
N : Brigade Road Restaurant and
S : Cross Street, No. 4.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 17-6-76.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

FORM JTNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 28th May 1976

C. R. No. 62/5266/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of premises No. 2, Hayes Road, (All that piece and parcel of land with foundation) situated at Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Explana Shivajinagar, Bangalore. Document No. 2594/75-76 on 27-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Chandrasekhar, S/o Late M. Shivananjappa, No. 14/1, 9th Cros, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)
(2) Shri Vinay Bajaj (Vinay Kumar Bajaj) S/o Shri R. A. Bajaj, No. 34, 5th Cross, Lakshmi Road, Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2594/75-76 Dated 27-11-75)
Portion of premises No. 2, Hayes Road, Civil Station, Bangalore, (All that piece and parcel of land with Foundation).

Site Area :

North : 48'	}
South : 45'	

East to West : 100'	4935 Sq. ft.
---------------------	--------------

Boundries :

North : Passage leading to all the four buildings,
South : No. 3, Hayes Road,
East : Compound belonging to the Seminary and
West : Property belonging to Shri Prabhu Rajesekhar.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-5-76.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. A. B. R. Exports (P) Ltd., 26/A/2, Skinner Road, Bangalore-20. Represented herein by Shri H. R. Basavaraj, S/o. Late H. Ramaiah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 4th June 1976

C. R. No. 62/5266/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dwelling Bungalow bearing No. 14, Davis Road, Richard's Town, Civil Station, situated at Bangalore-5 (Division No. 49)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 2621/75-76 on 27-11-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Frederick Collis, S/o Late Antony Collis, C/o. Collis Line (P) Ltd, Willingdon Island, Cochin-3 (Kerala), Camp : Bangalore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2621/75-76, Dated 27-11-75)
Dwelling Bungalow bearing old No. 31/B and New No. 14, Davis Road, Richards Town, Civil Station, Bangalore (Division No. 49).

Site Area :

North : 112'		} 8,148 Sq. ft.
South : 98'.6" x 23'.9"		
East : 67'.6"		
West : 59' x 16'		

Plinth :

Ground floor only :	
Main Building — 1480 Sq. ft.	
Servant's Qrs. — 105 Sq. ft.	
Cattle Shed — 451 Sq. ft.	

Total	<u>2036</u> Sq. ft.
-------	---------------------

Boundaries :

North : Premises No. 15, Davis Road,	
South : Private sites and Road,	
East : Premises No. 16, Hutchins Road, and	
West : Premises No. 16, Davis Road.	

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 4-6-76.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 17th May 1976

C. R. No. 62/5285/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 25, containing a house bearing old No. 25-107 corresponding to present door No. 25-4-275, Well, trees and all contents and rights including casements of way and water. The corresponding old R.S. No. is 12/4, situated at within the registration Sub-District of Mangalore City in Kankanady village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hd. Qrs. Sub-registrar, Mangalore. Document No. 824/75-76 on 13-11-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29-186GI/76

1. (1) Mr. Teddy George Richard D'Sa S/o Paul Alphonso D'sa and
(2) Mrs. Philomena Mary D'Sa W/o Teddy George Richard D'Sa, residing at P.O. Box 136, Abu Dhabi, United Arab Emirates. Represented by Mrs. Flaria Mary Agnes Pais, W/o Clarence Pais residing at Rajai, Mangalore-4.

(Transferor)

2. Shri K. Mohammed Alias Unhi, S/o Sri. K. Abbou, 10/145, Azizudin Road, Mangalore-1, or 25/4-275 Valancis Church Road, Mangalore-575002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 824/75-76 Dated 13-11-75)

Mulgeni property situated within the registration Sub-District of Mangalore City in 84B in Kankanady Village, within the extended area of the Mangalore Municipality in Ward No. 25 and comprised in

PRESENT R.S. No. KISSAM EXTENT ASST. WHICH PORTION

12/1A1	Dry.	A	C	Rs.	P.	Eastern
	0	30	20	30		

containing a house, bearing old door No. 25-107 corresponding to present Door No. 25-4-275, Well, trees and all contents and rights including casements of way and water. The corresponding old R.S. No. is 12/4.

Plinth :

314.48 metres or 3385 Sq. ft.

Boundries :

North : Water Channel

South : Property of Winnie D'Souza

East : Mamool Lane, and

West : Property of Monna D'Souza beyond the Mamool water channel of this property.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 17-5-76.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 7th May 1976

C. R. No. 62/5304/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Industrial land measuring 14 Acres and 24 guntas in Survey Nos. 135, 136 and 137 with all buildings, structures etc. situated at Pattandur Agrahara Village, Krishnarajapuram Hobli, Bangalore South Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. Document No. 3405/75-76 on 28-11-75 for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri M. C. Taraporvala, (2) Mrs. M. N. Taraporvala, No. 16, II Main Road, Jayamahal, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Menally Bharat Engineering Co. Ltd., Represented by its Managing Director: Shri Prakash Chandra Jain, Kumardhubi Dist. Dhanbad, Bihar or No. 4, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3405/75-76 Dated 28-11-75

Industrial land Measuring : Acres Gunta

4	32	in Survey No. 135
8	27	Portion of S. No. 136
1	05	Portion of S. No. 137.
Total	14	24

with all buildings and structures etc. Pattandur Agrahara Village, Krishnarajapuram Hobli, Bangalore South Taluk.

Plinth : (i) Work Shop=3753 sq. ft.

(ii) Administration Ground floor =1249 Sq. ft.
 office First floor =1249 "

(iii) Security office & Cycle Stand=709.5 Sq. ft.

(iv) Portico - 225 sq. ft.

(v) Pump house=15'×15'

(vi) Water tank=(under ground) about 20'×30'×10'

(vii) Servant's Qrs.=20'×10'

(viii) Barbed wire fence with stone pillar plastered ground etc.,

Boundries : East=Parts of old Survey Nos. 35, and 36 belonging to Palat Govindan Nair.

West=Private Road leading to Major Rocky Estate.

North=Krishnarajapuram Hoody, White Field Road and

South=Major Rocky Estate.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 27-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 2nd June 1976

C. R. No. 62/5224/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises No. 53/A3/2 situated at East of Lalbagh Road, (Sudhamanagar), Bangalore-27 (Dn. No. 38) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore, D.O.C. No. 2671/75-76 on 14-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri E. Krishnaiah Naidu, S/o Edala Venkataswamy Naidu, No. 53/A3/2, East of Lalbagh Road, Bangalore-27.
(Transferor)

(2) Shri B. M. Shankar, S/o Late B. Mallikarjuna, No. V. 76, 111 Cros, Pipe Line Extension, Malleswaram, Bangalore-3.
(Transferee)

(3) (1) A. V. B. Madhavan,
(2) M. Kalyana Sundaram, and
(3) K. Anantharama Bhat.
[Person(s) in occupation of the property].

(4) (1) N. S. Rajasekharaiyah.
[Person(s) whom the undersigned known to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2671/75-76 Dated 14-11-75]
Premises No. 53/A3/2, East of Lalbagh Road, (Sudhamanagar), Bangalore-27, (Dn. No. 38).

Site Area :

East to West : 40'
North to South : 15' } 60 sq. ft.

Plinth :

Ground Floor	—5 sq. mets.
First Floor	—4 } sq. mets.
Total	9½ sq. mets.

Boundaries :

East : Road,
West : Property belonging to Smt. Annapoorna
North : Property belonging to Sri Horbaiah, and
South : Property belonging to Sri Mayanna.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 2-6-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Srinivasa, S/o Sri Munivenkatappa, No. 137, Lalbagh Fort Road, Parvathipuram, Bangalore-4.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 24th May 1976

C. R. No. 62/5434/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property bearing Municipal No. 146, II Main Road, Lalbagh Fort Road, situated at Parvathipuram, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 2813/75-76 on 27-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) (1) G. Mohammed Akramulla, So/ Sri Mohammed Ghousa Saheb (2) G. Mohammed Najamulla, S/o Sri Mohammed Ghousa Saheb Both residing at No. 21, Mavalli Tank Bund Road, Bangalore-2.

(Transferee)

(3) Nil
[Person(s) in occupation of the property].

(4) (1) Syed Yusuff
(2) Basheer
(3) Arifulla and
(4) Ahmed Kutty.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 2813/75-76 Dated 27-11-1975)
House property being No. 146, II Main Road, Lalbagh Fort Road, Parvathipuram, Bangalore-4.

Site Area :

East to West : On the Northern side—17'
East to West : On the Southern side—6' 3" and—5' 9" } 12'

North to South : 34'

Plinth :

Ground floor — 7 squares
1st Floor — 7 squares

Boundaries :

East — Hassainsab Abdul Rahman's property
West — II Main Road of Parvathipuram,
North — Lane and,
South — House belonging to Sri Abdul Gaffar Saheb.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 24-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 1st June 1976

C. R. No. 62/5438/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

covered land forming the southern portion of Industrial vacant site bearing No. 12/1 and 12/2 situated at Agrahara Thimmasandra village, Near Mission Road, Bangalore (Dn. No. 38)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi Bangalore, Doc. No. 2592/75-76 on 7-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri N. Venkateshalu Naidu alias N. V. Naidu, S/o Late B. Naranaswami Nadu, (2) Shri Omprakash (minor) represented by his father and Natural Guardian Shri N. V. Naidu, Both residing at : "Bharathi Niva" No. 73, Cross Road, Near T. R. Mill Circle, 5th Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18.

(Transferor)

(2) Shri Dayalal Vaidya, S/o Shri Mulshankar Vaidya, No. 21, 4th Cross, J. C. Road, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2592/75-76 Dated 7-11-75)

Converted land forming the southern portion of the Industrial vacant site bearing No. 12/1 and 12/2, Agrahara Thimmasandra Village, Near Mission Road, Bangalore (Division No. 38)

Site area :

East to West : on the southern side 98' }
East to West : on the northern side 94' } 383 sq. meters
North to south : on the eastern side 40' }
North to south : on the western side 46' }

Boundaries :

East : Road,
West : Private property
North : portion of the same site No. 12/1, sold by the vendors to the purchaser herein (Old No. 12/1 and 12/2) and

South : Portion of the same property retained by the vendors.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 1-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 4th May 1976

C. R. No. 62/5802/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. The property being a Coffee Estate measuring :—

Acres	Guntas	Acres	Guntas
63	15	B/F	239
00	55		33
75	51		4
2	54		70
00	68	Coffee	2
56	80	Estate	9
34	70		17
			30
			80
			55
			4
			58
239	33	Total	300
			33

Vacant land
Sagu Wet land Bane

in Survey Nos. 305/14, 304/10, 304/21, 304/22, 304/19, 304/5-78, 17/10, vacant land in Survey No. 304/23, 304/24, 230/3, 17/24-25, 17/26, 304/26, Sagu wet land in Survey No. 311 and Bane in Survey No. 17/24 at "Close burn", Kodagadal Village and a Coffee Estate measuring :—

Acres	Guntas	Acres	Guntas
00	25	B/F	194
45	92		33
22	20		46
21	60		61
16	20		3
21	61	Coffee	10
8	00	Estate	3
22	69		19
16	66		11
4	50		5
7	50		08
		Total	270
194	33		03

Vacant land
Sagu Wet land Bane

in Survey Nos. 230/2, 17/10, 16/1, 16/2, 16/3, 15/1, 17/8, 15/12, 15/3, 15/6, 15/4, 15/5, vacant land in Survey No. 17/9 and 17/29 and Sagu Wet land in Survey Nos. 11 and 12, of Hakathur village, situated at Kodagadal and Hakathur Village Mercara Nad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercara, Coorg District. Document No. 745/75-76 on 26-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-

tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Cochin Plantation Ltd. (a Public Ltd. Co.) having its Regd. Head office at Poonalur, Kerala State.

Represented by its Managing Director :

(1) T. K. Oomen, S/o Sri Kurien.

(2) Prasad Oomen, S/o T. K. Oomen.

both residing at Poonalur, Kerala State.

(Transferor)

(2) 1. K. Papa Rao, S/o Veeraiah.

2. K. Seethamamma, W/o K. Papa Rao.

3. K. Ravi Babu, S/o Papa Rao.

4. K. Kishore Babu, S/o K. Papa Rao.

5. K. Radha Rani, D/o Papa Rao (Minor).

6. K. Latha Rani (minor) D/o Papa Rao.

7. K. Sandhya Rani (Minor) D/o Papa Rao.

8. Karuturi Surya Rao, S/o Pedda Venkanna.

9. K. Yasoda, W/o Surya Rao.

10. K. Satyavatai (Minor) D/o Surya Rao.

11. K. Venkateswar Rao (Minor) S/o Surya Rao.

12. K. S. Ramakrishna, (Minor) S/o Surya Rao.

13. R. Ramalakshmi, D/o Bhaskar Rao.

14. N. Sambaiah, S/o Veeraiah.

All residing at Vigneshwara Camp, Sindhanoor Tq. Raichur District, Karnataka.

15. D. Seshagiri Rao, S/o Paradesi, Kukatapalli, Hyderabad.

16. B. V. Rayanam, S/o Venkatarathnam, Challore, East Godawari, (A.P.).

17. N. V. Krishna Rao, S/o Suryanarayana, Vigneshwara Camp, Sindhanoor Tq. Raichur Dist.

18. V. Sree Devi, W/o Appa Rao, Kuttack, Orissa.

19. P. Rajyalakshmi, W/o Kodanda Ramaiah, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

(Registered document No. 745/75-76 Dated 26-11-1975)

The property being a Coffee Estate measuring :—

Acres	Guntas	Acres	Guntas
63	15	B/F	239
00	55		33
75	51		4
2	54	Coffee	70
00	68	Estate	2
56	80		9
34	70		17
			30
			80
			55
			4
			58
239	33	Total	300
			33

in Survey Nos. 304/15, 304/10, 304/21, 304/22, 304/19, 304/5-78, 17/10, Vacant land in Survey Nos. 304/23, 304/24, 230/3, 17/24-25, 17/26, 304/26, Sagu Wet land in Survey No. 311 and Bane in Survey No. 17/24 at "Close burn", Kad gadal Village and a Coffee Estate measuring :—

Acres	s	Acres	Guntas
00	25	B/F	194
45	92		33
22	20	46	61
21	60	3	10
16	20	19	11
21	61	5	08
8	00		
22	69	Total	270
16	66		03
4	50	Coffee	
7	50	Estate.	
194	33		

in Survey Nos. 230/2, 17/10, 16/1, 16/2, 16/3, 15/1, 17/8, 15/2, 15/3 15/6 15/4, 15/5, Vacant land in Survey Nos. 17/9 and 17/29 land Sagu Wet land in Survey Nos. 11 and 12, of Hakathur Village, situated at Kadagadal and Hakathur village, Mercar Nad.

The above lands are compendiously described as "CLOSE-BURN" and "HAKATHUR" Estates.

Plinth : Building :—

Closeburn division

Main Building— $40' \times 100' + 20' \times 10' = 4,200$ Sq. ft.
Labour Lines : (i) $90' \times 15' = 1350$ Sq. ft.

(ii) $25' \times 15' \times 2' = 750$ Sq. ft. } 3,150 Sq. ft.
(iii) $70' \times 15' = 1050$ Sq. ft. }

Hakathur Division

Superintendent's building— $40' \times 30' = 1,200$ Sq. ft.

Labour Lines : (i) $60' \times 15' = 900$ Sq. ft. } 2,025 Sq. ft.
(ii) $25' \times 15' \times 3' = 1125$ Sq. ft. }

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date 4-5-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTION 9-B,
CHANDIGARH.

Chandigarh, the 6th July 1976

Ref. No. SNG/1537/75-76.—Whereas, J. G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property known as 'Jarnaili Kothi' situated on the road leading to Kishan Bagh alongwith land, (1/3rd share) situated at Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in November, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Deep Kumar Kaur, wd/o Maharaja Ranbir Singh of Jind, Sangrur. (Transferor)
- (2) (1) Shri Kakam Singh, (2) Shri Paigat Singh, resident of Sangrur (sons of Shri Kaur Singh). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in the property known as 'Jarnaili Kothi' on the road leading to Kishan Bagh alongwith land measuring 56 kanals, comprising of Khata No. 1559/2151/1, 2152, Khasra No. 547/1-Min, 544 and 546, Sangrur.

(Property as mentioned in the registered deed No. 1908 of November, 1975 of the Registering Officer, Sangrur.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Competent Authority

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Deep Kumar Kaur, wd/o Maharaja Ranbir Singh of Jind, Sangrur.
(Transferor)

NOTICE UNDEI SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH.

Chandigarh, the 6th July 1976

Ref. No. SNG/1537/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property known as 'Jarnaili Kothi' situated on the road leading to Kishan Bagh alongwith land, (1/3rd share) situated at Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sangrur in November, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) i. Smt. Gurdial Kaur, w/o Shri Jagar Singh, ii. Shri Baldev Singh s/o Shri Jagar Singh, iii. Shri Sukhdev Singh, s/o Shri Jagar Singh, Residents of Sangrur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in property known as 'Jarnaili Kothi' on the road leading to Kishan Bagh alongwith land measuring 56 Kanals, comprising of Khata No. 1559/2151/1, 2152, Khasra No. 547/1-Min, 544 and 546, Sangrur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1909 of November, 1975 of the Registering Officer, Sangrur.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Deep Kumar Kaur, wd/o Maharaja Ranbir Singh of Jind, Sangrur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH.

Chandigarh, the 6th July 1976

Ref. No. SNG/1539/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share in property known as 'Jarnaili Kothi' situated on the road leading to Kishan Bagh alongwith land, situated at Sangrur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in November, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

30—186GI/76

(2) i. Smt. Balwant Kaur, w/o Shri Maghar Singh, ii. Shri Pritpal Singh, s/o Shri Maghar Singh, iii. Shri Saiji Singh, s/o Shri Maghar Singh, Residents of Nannar House, College Road, Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in property known as 'Jarnaili Kothi' on the road leading to Kishan Bagh alongwith land measuring 56 Kanals, comprising of Khata No. 1559/2151/1, 2152, Khasra No. 547/1-Min, 544 and 546, Sangrur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1970 of November, 1975 of the Registering Officer, Sangrur.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Ajmer Kaur, w/o Shri Gurbachan Singh, House No. 7550/5, Ajit Nagar, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH.

Chandigarh, the 6th July 1976

Ref. No. PTA/1501/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of House No. 7550/5, Ajit Nagar, situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(2) Smt. Balbir Kaur, w/o Shri Joginder Singh Dhillon, R/o House No. 100, Bachittar Nagar, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 7550/5, Ajit Nagar, Patiala.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3368 of December, 1975 of the Registering Officer, Patiala.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 6-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th July 1976

Ref. No. PTA/1502/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of House No. 7550/5, Ajit Nagar, situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Ajmer Kaur, w/o Shri Gurbachan Singh, Resident of House No. 7550/5, Ajit Nagar, Patiala.
(Transferor)

(2) Smt. Savinder Kaur, w/o Shri Brijinder Singh Dhillion, R/o House No. 100—Bachittar Nagar, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 7550/5, Ajit Nagar, Patiala.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3369 of December, 1975 of the Registering Officer, Patiala.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Ajmer Kaur, w/o Shri Gurbachan Singh, House No. 7550/5, Ajit Nagar, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Brijinder Singh Dhillon, s/o Shri Joginder Singh Dhillon, House No. 100, Bachittar Nagar, Patiala.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTION 9-B,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th July 1976

Ref. No. PTA/1503/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House No. 7550/5, Ajit Nagar, situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 7550/5, Ajit Nagar, Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3370 of December, 1975 of the Registering Officer, Patiala.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd June 1976

Ref. No. AP-1573.—Whereas, I RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in November 1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

- (1) (1) Sh. Naunihal Singh s/o Sh. Gurpal Singh r/o Garha, Distt.-Jullundur.
(2) Sh. Jagir Singh s/o Partap Singh r/o Garha, Distt. Jullundur.
(3) Giani Shanker Singh s/o Bal Singh r/o Garden Colony, Jullundur.
(4) Sh. Swarn Singh Johal s/o Sh. Labh Singh, Civil Lines, Jullundur.
(5) Sh. Karam Singh Maan s/o Sh. Basant Singh, 389, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferor)

- (2) (1) Sh. Harjinder Pal Singh s/o Sh. Harbhajan Singh, Vill. Singriwala, Teh. & Distt. Hoshiarpur.
(2) Sh. Inderpal Singh s/o Sh. Harbhajan Singh r/o Singriwala, Hoshiarpur.
(3) Sh. Harminder Singh s/o Sh. Harbhajan Singh
(4) Mrs. Harbhajan Kaur w/o Sh. Harbhajan Singh.
(5) Sh. Harbhajan Singh s/o Shri Teja Singh, V. Singriwala, Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) At Sr. No. 2
[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deeds Nos. 6722, 6723, 6724, 6725 & 6726/November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur

Date : 23rd June, 1976

Seal :

